राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 दक्षिणी लेबनान में 10 किमी का सुरक्षा जोन बनाए रखेगा..........

सपा सरकार ने पिछड़े मुस्लिमों को ओबीसी का लाभ 12

वर्ष : 16 | अंक : 343 | नई दिल्ली, शनिवार, 18 अप्रैल, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 22.0°C
न्यूनतम तापमान 20.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,52,099
चांदी	2,92,200
सेंसेक्स	84,233
निफ्टी	25,953

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। परिसीमन और महिला आरक्षण पर लोकसभा में जारी बहस के दौरान शुक्रवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने संबोधन में अप्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए जादूगर का जिक्र किया। दरअसल, राहुल गांधी ने अपने संबोधन के दौरान एक जादूगर की कहानी सुनानी शुरू की, जिसे लेकर सदन में शोर-शराबा बढ़ गया। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हस्तक्षेप करते हुए उन्हें टोका और कहा कि सदन की कार्यवाही मयार्दा में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप नेता प्रतिपक्ष हैं और संसद की गरिमा बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी है। ओम बिरला ने कहा, यह संसद है, चौराहा नहीं। जो बातें बाहर कही जाती हैं, वे यहां नहीं कही जा सकतीं। संसद की अपनी मयार्दा और गरिमा होती है। उन्होंने राहुल गांधी से आग्रह किया कि वे विधेयक के मुद्दे पर ही केंद्रित रहें।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन 19-20 अप्रैल को श्रीलंका की यात्रा पर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 19 और 20 अप्रैल को श्रीलंका की यात्रा पर रहेंगे। यह उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस दौरान उपराष्ट्रपति श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायका के साथ-साथ प्रधानमंत्री डॉ. हरिणी अमरसूर्या सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों और भारतीय प्रवासी नेताओं से मुलाकात करेंगे। उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति की श्रीलंका यात्रा दोनों देशों के बीच हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठकों के बाद हो रही है और यह भारत-श्रीलंका को जोड़ने वाले सदियों पुराने जन-संबंधों को और मजबूत करेगी।

इंडोनेशिया में भीषण विमान हादसाः मलबे से मिले सभी 8 लोगों के शव

प्रात: किरण, एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर एक हृदयविदारक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में आठ लोगों की जान चली गई है। शुक्रवार को अधिकारियों ने पुष्टि की कि पीटी मैथ्यू एयर नुसंतारा द्वारा संचालित एयरबस ल्130 हेलीकॉप्टर गुरुवार को वेस्ट कलिमंतान प्रांत से उड़ान भरने के मात्र पांच मिनट बाद रडार से गायब हो गया था। यह हेलीकॉप्टर एक पाम ऑयल प्लांटेशन की ओर जा रहा था, लेकिन बीच रास्ते में ही इसका संपर्क एयर ट्रैफिक कंट्रोल से टूट गया। व्यापक खोज अभियान के बाद सेकाडाऊ जिले के दुर्गम और घने जंगलों में इसका मलबा पाया गया, जहां से सभी यात्रियों के शव बरामद किए गए। नेशनल सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी ने बताया कि दुर्घटना स्थल घने जंगलों के बीच होने के कारण राहत और बचाव दल को मलबे तक पहुंचने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। मलबे से दो क्रू सदस्यों और छह यात्रियों के शव निकाले गए हैं, जिनमें एक विदेशी

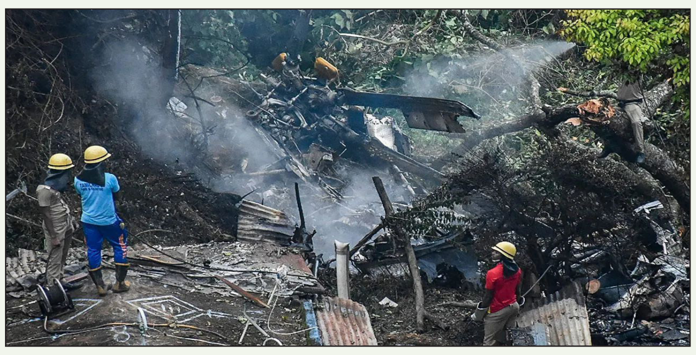

नागरिक (मलेशियाई) भी शामिल है। हालांकि दुर्घटना के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन परिवहन मंत्रालय ने तकनीकी खराबी और खराब मौसम सहित सभी संभावित पहलुओं पर उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। मलबे की स्थिति को देखकर आशंका जताई जा रही है कि हेलीकॉप्टर बहुत तेज गति से जमीन से टकराया था। इंडोनेशिया जैसे विशाल द्वीपसमूह देश में हवाई और समुद्री परिवहन जीवन रेखा माना जाता है, लेकिन बार-बार होने वाले हादसों ने देश के विमानन सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खराब बुनियादी ढांचा और सुरक्षा निगरानी में चूक अक्सर इन त्रासदियों की बड़ी वजह बनती रही है। इस ताजा हादसे के बाद सरकार पर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों को कड़ाई से लागू करने का दबाव बढ़ गया है। 27 करोड़ की आबादी वाले इस देश में दूर-दराज के इलाकों को जोड़ने वाली उड़ानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन के लिए अब एक बड़ी चुनौती बन गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 200 ई-बसों को दिखाई हरी झंडी

दिल्ली के ग्रीन ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मिली नई रफ्तार

- इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देकर दिल्ली को बनाएंगे प्रदूषण मुक्त और आधुनिकः मुख्यमंत्री
- क्षेत्रीय कनेक्टिविटी हुई मजबूत, दिल्ली-रोहतक ई-बस सेवा शुरू, बस बेड़ा 6300 पार

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वच्छ, हरित और प्रदूषण मुक्त दिल्ली के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत शुक्रवार को ईस्ट विनोद नगर स्थित डीटीसी डिपो से 200 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर दिल्लीझरोहतक अंतरराज्यीय ई-बस सेवा की शुरूआत, मदनपुर खादर बस टर्मिनल का लोकार्पण तथा डिपो के नव-निर्मित प्रशासनिक भवन का भी उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए हमारी सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और दिल्ली निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रही है। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की प्रत्येक पहल का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर कनेक्टिविटी, स्वच्छ वातावरण और आधुनिक परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आज का दिन विशेष है, क्योंकि एक साथ चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। उन्होंने बताया कि नई बसों में बड़ी संख्या देवी बसों की है, जो दूरस्थ और संकरी गलियों तक पहुंचकर आम नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा प्रदान करेंगी। साथ ही दिल्ली-रोहतक अंतरराज्यीय बस सेवा के शुभारंभ से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने मदनपुर खादर बस टर्मिनल के उद्घाटन को यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा बताया, जिससे परिवहन सेवाएं अधिक व्यवस्थित होंगी। उन्होंने ईस्ट विनोद नगर डिपो में नव-निर्मित प्रशासनिक भवन के उद्घाटन का भी उल्लेख किया और कहा कि बेहतर सुविधाओं से कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ती है। इस भवन में बायोमेट्रिक सिस्टम और स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गई है, जिससे चालक सुरक्षित और स्वस्थ स्थिति में बसों का संचालन कर सकें और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और दिल्ली निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रही है। दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन नीति देश की सबसे प्रभावी और व्यापक नीतियों में से एक है। मुख्यमंत्री के अनुसार अगले चार वर्षों के लिए 4000 करोड़ रुपये का विशाल बजट निर्धारित किया गया है, जिसके तहत न केवल निजी वाहनों को प्रोत्साहन और रोड टैक्स में छूट दी जा रही है, बल्कि अब स्कूल बसों और वाणिज्यिक वाहनों को भी चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक में बदलने की योजना तैयार है। पर्यावरण के प्रति अपनी संवेदनशीलता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि होलंबी कला में एक विशाल 'ईवी वेस्ट डिस्पोजल प्लांट' स्थापित किया जाएगा ताकि भविष्य में ई-वाहनों की बैटरियों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण कर प्रकृति को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने दोहराया कि दिल्ली सरकार एक 'क्लीन, ग्रीन और सतत' परिवहन प्रणाली के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और ये सभी प्रयास दिल्ली को एक सुरक्षित, तेज और प्रदूषण मुक्त भविष्य की ओर ले जाएंगे। इस अवसर पर परिवहन व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आज दिल्ली के परिवहन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। 200 नई इलेक्ट्रिक बसों को डीटीसी बेड़े में शामिल करना, दिल्ली-रोहतक इंटरस्टेट इलेक्ट्रिक बस सेवा का शुभारंभ, मदनपुर खादर में नए बस टर्मिनल और ईस्ट विनोद नगर डिपो में आधुनिक प्रशासनिक भवन का उद्घाटन, ये सभी पहल हमारी सरकार की उस प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं।

मोदी की अपीलः सोच-विचार कर संवेदनशीलता से महिला आरक्षण के पक्ष में मतदान करें सांसद

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के लिए चल रही चर्चा के बीच सांसदों से सोच-विचार करके पूरी संवेदनशीलता से निर्णय लेने तथा महिला आरक्षण के पक्ष में मतदान करने की अपील की है। लोकसभा में यह चर्चा गुरुवार को शुरू हुई थी और मैराथन चर्चा तथा इस पर जवाब के बाद शाम को मतदान होना निर्धारित है। श्री मोदी ने कल इस चर्चा में हिस्सा लेते हुए सांसदों से राजनीति से ऊपर उठकर इसका समर्थन करने को कहा था। शुक्रवार को उन्होंने मतदान से पहले सभी सांसदों से सोशल मीडिया के माध्यम से अपील कर कहा, ह्लसंसद में इस समय नारीशक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन पर चर्चा चल रही है। कल रात भी एक बजे तक चर्चा चली है। जो भ्रम फैलाए गए, उनको दूर करने के लिए तर्कबद्ध जवाब दिया गया है। हर आशंका का समाधान किया गया है। जिन जानकारियों का अभाव था, वो जानकारियां भी हर सदस्य को दी गई हैं। किसी के मन में विरोध का जो कोई भी विषय था, उसका भी समाधान हुआ है। महिला आरक्षण के इस विषय पर देश में चार दशक तक बहुत राजनीति कर ली गई है। अब समय है कि देश की आधी आबादी को उसके अधिकार अवश्य मिलें। आजादी के इतने दशकों बाद भी भारत की महिलाओं का निर्णय प्रक्रिया में इतना कम प्रतिनिधित्व रहे, ये ठीक नहीं। अब कुछ ही देर लोकसभा में मतदान होने वाला है। मैं सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं अपील करता हूं कृपया करके सोच-विचार करके पूरी संवेदनशीलता से निर्णय लें, महिला आरक्षण के पक्ष में मतदान करें। मैं देश की नारी शक्ति की तरफ से भी सभी सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कुछ भी ऐसा ना करें, जिनसे नारीशक्ति की भावनाएं आहत हों। देश की करोड़ों महिलाओं की दृष्टि हम सभी पर है, हमारी नीयत पर है, हमारे निर्णय पर है। कृपया करके नारीशक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन का साथ दें। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह सांसदों के लिए बड़ा अवसर है और वे अपनी मां, बहन, बेटी और पत्नी सभी का स्मरण करते हुए अपनी अंतरात्मा के आधार पर निर्णय लें। उन्होंने कहा, मैं सभी सांसदों से कहूंगा आप अपने घर में मां-बहन-बेटी-पत्नी सबका स्मरण करते हुए अपनी अंतरात्मा को सुनिए ङ्कदेश की नारीशक्ति की सेवा का, उनके वंदन का ये बहुत बड़ा अवसर है। उन्हें नए अवसरों से वंचित नहीं करिए। ये संशोधन सर्वसम्मति से पारित होगा, तो देश की नारीशक्ति और सशक्त होगी देश का लोकतंत्र और सशक्त होगा। आइए हम मिलकर आज इतिहास रचें। भारत की नारी को देश की आधी आबादी को उसका हक दें। उल्लेखनीय है कि सरकार ने वर्ष 2023 में महिलाओं को विधायिका में 33 प्रतिशत आरक्षण देने से संबंधित नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित किया था। अब इस कानून को अमल में लाने के लिए संबंधित अधिनियम में संशोधन किया जा रहा है।

महिला आरक्षण अधिनियम की अधिसूचना पर सत्तापक्ष, विपक्ष के बीच राजनीतिक आरोप

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी पार्टियों ने शुक्रवार को एक-दूसरे पर महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। सत्ताधारी पार्टी ने इस कदम को ऐतिहासिक कदम बताया, जबकि विपक्ष ने कहा कि सरकार कानून पर अधिसूचना जारी करने को लेकर सो रही थी। विपक्षी पार्टियों ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण का इस्तेमाल गैर-संवैधानिक परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कर रही है। महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 को बृहस्पतिवार रात को अधिसूचित किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि कानून को लागू करना जरूरी था क्योंकि इसके बिना इसका प्रस्तावित संशोधन लागू नहीं होता। संविधान संशोधन विधेयक कानून तो बन गया लेकिन संविधान का हिस्सा नहीं बना क्योंकि सरकार ने इसे लागू नहीं किया था। अधिकारी ने कहा कि अगर कोई कानून लागू नहीं होता है, तो उसमें प्रस्तावित संशोधन कैसे लागू किया जा सकता है, इसलिए इसे 16 अप्रैल से लागू किया गया। साल 2023 में पारित अधिनियम को 16 अप्रैल से अधिसूचित किया गया था, जब लोकसभा में इसी कानून में संशोधन करने के लिए चर्चा चल रही है। भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनका विरोध राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, विपक्ष का सिर्फ.एक एजेंडा है – सिर्फ.विरोध करना। इरादा सिर्फ.प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करना है। उन्होंने कहा, जहां तक परिसीमन की बात है, इसे साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है।

आरक्षण महिलाओं का अधिकार, हम नहीं कर रहे उपकारः नीरज शेखर

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। इसको लेकर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे और भाजपा नेता नीरज शेखर ने आभार जताया है। नीरज शेखर ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी के मन में पिताजी के लिए बड़ी श्रद्धा है। सभी लोग पिताजी को देश का जननायक मानते हैं। आज के दिन पिताजी को याद करने वालों का मैं आभारी हूं। विशेष कर अपने नौजवान साथियों से कहूंगा कि ऐसे जननायकों के बारे में पढ़ें और उनके पदचिह्नों पर चलने का प्रयास करें।

शशि थरूर ने परिसीमन बिल को बताया राजनीतिक नोटबंदी, बोले-जल्दबाजी न करे सरकार

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। परिसीमन बिल को लेकर लोकसभा में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए इसे राजनीतिक नोटबंदी करार दिया है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को जल्दबाजी में लागू करना देश के संघीय ढांचे के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शशि थरूर ने मशहूर नारा जस्ट डू इट को उलटते हुए कहा-डॉन्ट डू इट। उन्होंने 2016 की नोटबंदी का जिक्र करते हुए इसे एक सबक बताया। शशि थरूर ने कहा, आप परिसीमन को उसी जल्दबाजी में ला रहे हैं, जैसे नोटबंदी लाई गई थी। हमने देखा कि उससे कितना नुकसान हुआ। परिसीमन भी राजनीतिक नोटबंदी साबित हो सकता है, इसलिए इसे लागू मत कीजिए। उन्होंने आगे कहा कि परिसीमन में तीन बड़े मुद्दों पर ध्यान देना जरूरी है। पहला, छोटे और बड़े राज्यों के बीच संतुलन बनाए रखना। दूसरा, उन राज्यों के साथ न्याय करना जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण की नीति का पालन किया। शशि थरूर ने आरोप लगाया कि इस बिल से ऐसा लगता है कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में असफलता पाई है।

दिल्ली के नरेला में जूतों की फैक्टरी में आग लगी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला इलाके में जूते बनाने वाली एक फैक्टरी में शुक्रवार सुबह आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। घटना में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन विभाग (डीएफएस) ने बताया कि उन्हें सुबह सात बजकर 45 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की 17 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। अधिकारी ने कहा, आग बुझाने का अभियान जारी है और जरूरत पड़ने पर दमकल की और गाड़ियां भेजी जा सकती हैं।

मुद्दा यह है कि क्या जाति जनगणना का इस्तेमाल संसद और राज्य विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व के लिए किया जाएगा या नहीं.........

संविधान के ऊपर मनुवाद हावी करना चाहते हैं मोदी सरकार पर भड़के राहुल गांधी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी महिला आरक्षण बिल पर अपना पक्ष रखा। राहुल गांधी ने संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि, महिलाएं देश की सोच और समाज की दिशा तय करने में एक ड्राइविंग फोर्स की भूमिका निभाती हैं और हर व्यक्ति ने अपने जीवन में महिलाओं से बहुत कुछ सीखा है। राहुल गांधी ने महिलाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उनके सशक्तिकरण पर सभी को गंभीरता से विचार करना चाहिए, लेकिन मौजूदा बिल को लेकर उन्होंने कई सवाल भी खड़े किए। संविधान से ऊपर मनुवाद- राहुल गांधी संसद में बोलते हुए, लोकसभा के विपक्ष राहुल गांधी ने कहा, संविधान से ऊपर मनुवाद अमित शाह कहते हैं कि, जाति जनगणना शुरू हो गई है। उन्होंने चालाकी दिखाने की कोशिश में दो बार दोहराया कि घरों की कोई जाति नहीं होती। मुद्दा यह है कि क्या जाति जनगणना का इस्तेमाल संसद और राज्य विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व के लिए किया जाएगा या नहीं। अब, आप जो करने की कोशिश कर रहे हैं, वह यह है कि जाति जनगणना का अगले 15 वर्षों के लिए प्रतिनिधित्व से कोई लेना-देना नहीं है। महिला आरक्षण बिल का नहीं किया समर्थन राहुल गांधी ने महिला आरक्षण बिल पर सीधा सवाल उठाते हुए कहा कि ह्लपहला सच यह है कि यह महिलाओं का बिल नहीं है और इसका महिलाओं के सशक्तिकरण से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बिल के जरिए देश के चुनावी नक्शे को बदलने की कोशिश की जा रही है। परिसीमन के मुद्दे को जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि जब तक जाति जनगणना नहीं होती, तब तक इस तरह के बड़े बदलावों को लागू करना उचित नहीं होगा। उनके अनुसार, बिना स्पष्ट आंकड़ों के आरक्षण और सीटों के पुनर्विन्यास से सामाजिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंधों पर भी टिप्पणी की और कहा कि ह्लप्रधानमंत्री और मेरे बीच कोई व्यक्तिगत दिक्कत नहीं है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उनकी आपत्ति नीतियों और निर्णयों को लेकर है।

राघव चड्ढा का इशारों में AAP पर निशाना!.. कहा, मैं जिस पार्टी से हूं, उसके नेता सदन में मौजूद नहीं है

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। हरिवंश नारायण सिंह को लगातार तीसरी बार राज्यसभा में उपसभापति चुने जाने पर पीएम मोदी ने बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने उनके अनुभव और कार्यशैली की खुलकर सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि हरिवंश नारायण सिंह का तीसरी बार इस पद पर चुना जाना इस बात का प्रमाण है कि सदन को उन पर गहरा विश्वास है। पुराने कार्यकाल में रहा आपसे खट्टा-मीठा रिश्ताः राघव चड्ढा इसी तरह आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भी हरिवंश नारायण सिंह को उप सभापति चुने जाने पर बधाई दी। सांसद राघव चड्ढा ने कहा, मेरा व्यक्तिगत रिश्ता हरिवंश जी के साथ थोड़ा खट्टा मीठा रहा। खट्टा उस समय जब हम ऑफ टॉपिक चले जाते हैं तो उनसे डांट भी खाते हैं और मीठा उस समय जब टॉपिक पर रह के सटीक बात करते हैं तब उनकी पर्ची और उनका आशीर्वाद आता है। मैं अपनी तरफ से प्रयास करूंगा कि इनके इस कार्यकाल में ये खट्टा मीठा रिश्ता जो है ये मीठा-मीठा रिश्ता बने और खटास रिश्ते से समाप्त हो और उनसे अनुरोध करूंगा कि जब हमारा समय समाप्त हो जाता है और वो घंटी बजा देते हैं उसके बाद भी एक दो-3 मिनट हमें अगर थोड़ा ज्यादा दे देंगे तो हम अपनी बात को और मजबूती से रख पाएंगे। जीरो आवर में मिला पहले से ज्यादा समयः राघव चड्ढा राघव चड्ढा ने आगे कहा मैं इस अवसर पर बस आधा मिनट लेते हुए आपको भी बधाई देना चाहूंगा। जब से आप इस सदन के अध्यक्ष बने हैं, आप सभापति बने हैं, हम तमाम मेंबर्स को बोलने का काफी मौका मिलता है और उसका सबसे बढ़िया उदाहरण यह है कि आपसे पहले जीरो आवर में मात्र पांच या सात एमपीस को ही मौका मिलता था और जब से आप इस गद्दी पर विराज विराजमान हुए हैं। 15, 20, 22 सदस्यों को जीरो आवर में मौका मिलता है। तो, मैं आपको भी बहुत-बहुत बधाई देना चाहूंगा। मेरे पार्टी के नेता सदन में मौजूद नहीं हैः राघव चड्ढा अपने सम्बोधन की शुरूआत में राघव ने यह कहते हुए कहा कि, वह जिस पार्टी से जुड़े है उसके नेता सदन में मौजूद नहीं है और न ही नए उप नेता मौजूदा है। लेकिन हाल में ही वह पद से हटाए गये है और वह उपस्थित है। इस तरह उन्होंने अपनी ही पार्टी पर इशारों ही इशारों में निशाना भी साधा है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 18 अप्रैल, 2026

हरीश रावत ने धराली आपदा प्रभावितों से की मुलाकात, धामी सरकार को दी सलाह

उत्तरकाशी, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत इन दिनों दो दिवसीय भ्रमण में उत्तरकाशी जनपद में पहुंचे. वहां उन्होंने आपदा प्रभावित धराली में आपदा प्रभावितों से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने कहा कि साल 2012-13 की आपदा के बाद उनकी सरकार के आपदा से निपटने और प्रभावितों को राहत देने के लिए एक सशक्त मॉडल का निर्माण कार्य किया गया था. इसलिए इस सरकार को भी उस मॉडल से सीखकर उसे अपनाना चाहिए. क्योंकि अभी भी आपदा प्रभावित ग्रामीणों की कई समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया.

वहीं, ग्रामीणों ने कहा कि अभी तक उनके व्यवसायिक नुकसान का मुआवजा नहीं मिल पाया है. साथ ही शासन की ओर से दोबारा किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया. कहा कि उन्होंने शासन-प्रशासन को आंदोलन की चेतावनी दी है. लेकिन उसके बाद भी किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो रही है. हरीश रावत ने कहा कि ग्रामीणों से मिली जानकारी को बिंदुवार नोट किया गया है. इस संबंध में मुख्यमंत्री के सामने सभी समस्याओं को रखा जाएगा. कहा कि वर्तमान में ग्रामीण चाहते हैं कि पुराने एलाइमेंट पर ही गंगोत्री हाईवे का निर्माण किया जाए. क्योंकि मलबे में अभी भी उनकी संपत्ति दबी हुई है. रावत ने कहा कि उनकी सरकार ने भी 2013 की विनाशकाली आपदा में लोगों को राहत दी थी. उस समय पूरे प्रदेश में आपदाओं के कारण लोग बिखर चुके थे.

लेकिन उसके बावजूद भी आपदा प्रभावित क्षेत्रों को दोबारा बसाने के लिए मॉडल तैयार कर कवायद की गई थी. वहीं, उन्होंने धराली आपदा प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण कर लौटे पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावितों के पुनर्वास और राहत कार्यों में सरकार पूरी तरह विफल रही है और अब तक जमीनी स्तर पर कोई ठोस काम नहीं दिख रहा है. रावत ने कहा कि चारधाम यात्रा की तैयारियां भी बेहद धीमी हैं. जिन कार्यों को यात्रा शुरू होने से कम से कम 15 दिन पहले पूरा हो जाना चाहिए था, वे अभी भी अधूरे पड़े हैं. उनका कहना है कि इस लापरवाही का खामियाजा यात्रियों और स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ सकता है.

बृहस्पतिवार को लोनिवि गेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हर्षिल की स्थिति को बेहद चिंताजनक है. वहां बनी झील से आने वाले बरसात के मौसम में बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है. उन्होंने कहा, मैं यहां से चिंता और डर के साथ लौट रहा हूं. पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि सरकार तत्काल आपदा प्रभावितों के पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाए. उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में केदारनाथ आपदा के बाद जिस तेजी और प्रतिबद्धता के साथ पुनर्निर्माण कार्य किए गए थे, उसी तर्ज पर धराली में भी कार्यों को धरातल पर उतारने की आवश्यकता है. सरकार प्रभावितों का लोन माफ करें और सरकारी जमीन पर जिनका नुकसान हुआ है, उनके बारे में भी सरकार को सोचना चाहिए. भूधंसाव से प्रभावित भटवाड़ी क्षेत्र को लेकर भी रावत ने चिंता जताई.

देहरादून पहुंचे हरीश रावतः अर्जित अवकाश काट रहे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत अचानक उत्तरकाशी जिले के भ्रमण के बाद हेलीकॉप्टर से देहरादून के सहस्त्रधारा रोड में एकता विहार स्थित आंदोलनरत संगठनों के बीच पहुंचे और उनकी मांगों को जायज बताया. हरीश रावत ने इस दौरान एकता विहार में आंदोलनरत नर्सिंग एकता मंच के अलावा पीआरडी पीआरडी कर्मियों और गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनने पर अड़े आंदोलनकारियों से मुलाकात की.

संक्षिप्त समाचार

नियमों का उल्लघंनः न तो पुलिस का डर और न हादसे का भय, बिना हेलमेट पहने मौत को न्योता दे रहे युवा

नैनीताल, एजेंसी। स्कूटी-बाइक युवा सड़कों पर तेज रफ्तार से गुजरते इन वाहनों को देखकर साफ है कि उन्हें न तो पुलिस का डर है और न हादसे का भय। अधिकतर सड़क हादसों में उन लोगों ने जान गंवाई है जिन्होंने हेलमेट नहीं पहना था। नैनीताल जिले में बिना हेलमेट पहने युवा सड़कों पर फर्राटा भरकर यातायात नियमों को हवा में उड़ा रहे हैं। सड़कों पर तेज रफ्तार से गुजरते इन वाहनों को देखकर साफ है कि उन्हें न तो पुलिस का डर है और न हादसे का भय। यही वजह है कि पिछले सवा दो वर्ष में प्रतिदिन 27 लोगों पर बिना हेलमेट दोपहिया दौड़ाने पर कार्रवाई की गई है। इनमें कई लोग हादसों में असमय जान गंवा चुके हैं। कालाढूंगी, नैनीताल, बरेली और रामपुर रोड पर हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। स्कूटी-बाइक के अधिकतर हादसों में उन लोगों ने जान गंवाई है जिन्होंने हेलमेट नहीं पहना था। अगर नियमों के उल्लंघन की बात करें तो वर्ष 2024 में जहां बिना हेलमेट 8500, वर्ष 2025 में 11,146 और जनवरी से मार्च 2026 तक 2400 से ज्यादा चालान बगैर हेलमेट हुए हैं। कुमाऊं में बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और ऊधम सिंह नगर में जनवरी से दिसंबर 2025 तक कुल 54168 चालान बिना हेलमेट किए गए हैं। डॉ. सौरभ विशाल कहते हैं कि दोपहिया सवार अपनी जिंदगी के प्रति सजग नहीं होंगे तो हादसों की संख्या बढ़ती रहेगी।

आधे घंटे तक जाम में फंसे रहे पर्यटक

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल में आंबेडकर जयंती के मौके पर निकली रैली के दौरान शहर का यातायात पूरी तरह अव्यवस्थित हो गया। मॉल रोड पर वाहनों के दबाव और डायवर्जन के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मंगलवार को नैनीताल में आंबेडकर जयंती पर आयोजित रैली के चलते शहर के प्रमुख मार्ग मॉल रोड पर यातायात व्यवस्था बिगड़ गई। तल्लीताल से मल्लीताल की ओर जाने वाले वाहनों को सूचना कार्यालय के पास रोक दिया गया जिससे लोअर मॉल रोड पर करीब आधे घंटे तक लंबा जाम लगा रहा। इस दौरान पर्यटक और स्थानीय लोग जाम में फंसे रहे। मल्लीताल से तल्लीताल की ओर जाने वाले वाहनों को डायवर्ट कर राजभवन रोड से भेजा गया। मॉल रोड पर रैली के दौरान कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था अस्त-व्यस्त नजर आई। टीएसआई हरीश फर्त्याल ने बताया कि रैली को देखते हुए यातायात डायवर्ट किया गया था ताकि व्यवस्था बनी रहे। वाहनों के दबाव के चलते कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई। कुछ देर बाद यातायात सामान्य हो गया।

नवीन ढैला बने एनसीसी मिनीस्टीरियल कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी नवीन सिंह ढैला को एनसीसी मिनीस्टीरियल अधिकारी व कर्मचारी सर्विस एसोसिएशन उत्तराखंड का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है। रुड़की में आयोजित संगठन के तृतीय द्विवार्षिक अधिवेशन में सर्वसम्मति से उनके नाम पर मुहर लगाई गई। नवीन सिंह ढैला के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर नैनीताल स्थित एनसीसी मुख्यालय और कर्मचारी संगठनों ने खुशी जताई है। उन्होंने बताया कि इस चुनाव में कुमाऊं मंडल का दबदबा रहा है। 80 बटालियन एनसीसी पिथौरागढ़ के भुवन भास्कर बिष्ट को सह सचिव और 78 बटालियन एनसीसी हल्द्वानी के जावेद अहमद को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पशु नाद और जलस्रोतों के पुनरुद्धार समेत कई प्रस्ताव पारित

नैनीताल, एजेंसी। रूसी बाईपास स्थित हिलांस में जलागम विभाग की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें ग्राम सभा बेलुवाखान के वार्ड मेंबर, जलागम अधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। ग्राम प्रधान डॉ. बबीता मनराल की अध्यक्षता में हुई बैठक में क्षेत्र के विकास के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। ग्रामीणों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं के प्रस्तावों पर मुहर लगी। ग्राम प्रधान डॉ. मनराल ने बताया कि इस बार जलागम के माध्यम से बुनियादी ढांचे और कृषि सुधार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पारित प्रस्तावों में मुख्य रूप से पशुओं के लिए पशु नाद, जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए जैविक खाद पिट, जल संग्रहण के लिए फाइबर टैंक और स्थानीय जलस्रोतों के पुनरुद्धार व नवीनीकरण को प्राथमिकता दी गई है। भू-कटाव रोकने के लिए ड्राइ वॉल और सुरक्षा दीवारों के निर्माण पर भी सहमति बनी है। कार्यकारिणी ने आश्वस्त किया कि इन योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा।

पिथौरागढ़ में यूनो ऐप के नाम पर लाखों की साइबर ठगी, पुलिस जांच जारी

पिथौरागढ़, एजेंसी। जनपद में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां मोबाइल ऐप यूनो को दोबारा सक्रिय करने के नाम पर एक व्यक्ति से लाखों रुपये की धोखाधड़ी कर पीड़ित के बैंक खाते से करीब 7.70 लाख रुपए उड़ा लिए। जानकारी के अनुसार एक अज्ञात व्यक्ति ने पीड़ित से संपर्क कर यूनो ऐप को पुनः चालू करने का झांसा दिया और इसी बहाने धोखे से उसके बैंक संबंधी जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद आरोपी ने खाते से बड़ी रकम निकाल ली। इस संबंध में थाना नाचनी में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान प्रकाश में आए आरोपित तरुण नस्कर, निवासी 24 परगना (पश्चिम बंगाल) के खिलाफ थानाध्यक्ष नाचनी मंगल सिंह नेगी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35(3) के अंतर्गत नोटिस तामील कराया गया।

चारधाम यात्रा 2026: चिन्यालीसौड़ से गंगोत्री तक आपदा के बाद कोई सुधार नहीं, भूस्खलन जोन लेंगे परीक्षा

उत्तरकाशी, एजेंसी। जनपद की सीमा शुरू होते ही नगुण भूस्खलन जोन से ही यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। 135 किमी लंबे गंगोत्री हाईवे पर सड़कें क्षतिग्रस्त हैं। भूस्खलन जोन परीक्षा लेंगे। चारधाम यात्रा के लिए महज अब तीन दिन का समय रह गया है लेकिन गंगोत्री हाईवे की स्थिति में आपदा के बाद से कोई सुधार नहीं आया है। मात्र सड़क से मलबा हटाने के अलावा सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से किसी प्रकार का सुरक्षात्मक कार्य नहीं किया गया है। आपदा में क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति जस की तस है। नदी के तेज बहाव में बही सड़कों के स्थान पर कच्ची सड़कों के निर्माण में लीपापोती की गई है। चिन्यालीसौड़ से गंगोत्री धाम तक गंगोत्री हाईवे का करीब 135 किमी हिस्सा शामिल है। इसमें जनपद की सीमा शुरू होते ही नगुण भूस्खलन जोन से ही यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उसके बाद धरासू में सड़क चौड़ीकरण के दौरान सक्रिय भूस्खलन सहित नालूपानी में बीते वर्ष मानसून सीजन में सक्रिय भूस्खलन जोन कभी भी आवाजाही में बाधा बन सकते हैं। बीआरओ ने धरासू बैंड के समीप गंगोत्री हाईवे पर करीब 100 मीटर लंबी सुरक्षा दीवार का निर्माण किया था लेकिन वह एक बरसात भी नहीं झेल पाई और दीवार टूटने के कारण हाईवे पर भू-धंसाव हो गया। एक वर्ष में उसको सुधारा नहीं गया। दूसरी ओर उत्तरकाशी से लेकर गंगोत्री धाम तक गत वर्ष आई आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त भटवाड़ी, सोनगाड, डबरानी, हर्षिल आदि में स्थिति नहीं बदली है। लिम्चागाड में भी अब कार्य शुरू किया गया है। उत्तरकाशी से भटवाड़ी तक नेताला, बिशनपुर, नलूणा आदि क्षेत्रों में अभी भी कई टन और बोल्डर पहाड़ी पर लटक रहे हैं। साथ ही भटवाड़ी में भू-धंसाव के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों पर भी आवाजाही में खतरा बना हुआ है। प्रशासन की ओर से बीआरओ को तीन मार्च तक सड़क सुधारने का समय दिया था लेकिन अब तक हालत वही है।

क्लास में चक्कर खाकर गिरे मासूम ने तोड़ा दम, बेटे के शव से लिपटी रही मां; परिवार में मचा कोहराम

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी के फतेहपुर क्षेत्र में एक निजी स्कूल में पढ़ाई के दौरान 12 वर्षीय छात्र के अचानक चक्कर खाकर गिरने से मौत हो गई। हल्द्वानी के फतेहपुर स्थित निजी स्कूल में बुधवार मासूम बच्चों के सामने उनका एक साथी चक्कर खाकर गिरा और फिर नहीं उठा। स्कूल प्रबंधन की सूचना पर माता-पिता पहुंचे और उसे मुखानी के निजी अस्पताल ले गए। यहां से उसे एसटीएच रेफर किया गया लेकिन वहां पहुंचने तक उसकी मौत हो गई। परिवार वालों के आवेदन पर मजिस्ट्रेट ने पोस्टमार्टम न करने की अनुमति दी। फतेहपुर निवासी 12 वर्षीय बालक क्षेत्र के एक निजी स्कूल में कक्षा सात का छात्र था। तीन दिन से उसे चक्कर आने की शिकायत थी। परिवार वालों ने उसका इलाज भी कराया। बुधवार को बच्चे ने मां से स्कूल जाने की जिद की। इस पर घर वालों ने उसे स्कूल भेज दिया। परिवार वालों को आभास भी नहीं था कि उनके जिगर का टुकड़ा अब नहीं लौटेगा। कक्षा में पढ़ाई के दौरान बच्चा चक्कर आने के कारण गिर गया। बच्चों के शोर मचाने पर पूरा स्टाफ कक्षा कक्ष में पहुंच गया। तत्काल उसके माता-पिता को बुलाया गया। परिजन बच्चे को लेकर मुखानी स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे। यहां से उसे रेफर कर दिया गया। बच्चे को एसटीएच लाया गया लेकिन यहां लाने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने सिटी मजिस्ट्रेट से मिलकर शव का पोस्टमार्टम न कराने की मांग की। परिजनों की मांग पर सिटी मजिस्ट्रेट ने पोस्टमार्टम न कराने का आदेश जारी किया। पोस्टमार्टम हाउस के स्ट्रेचर पर बच्चे का शव पड़ा था उससे लिपटकर मां रो रही थी। बच्चे का नाम लेकर उसे उठा रही थी। उसके आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। इस दृश्य को जिसने भी देखा उसकी आंखें नम हो गईं। मां ने एक हाथ के सिर के नीचे लगाया था और दूसरे हाथ से उसके गाल, आंख को सहलाते हुए उसे उठाने की कोशिश कर रही थी।

टिहरी में शादी समारोह में फूड प्वॉइजनिंग का कहर, 30 से 35 लोग पड़े बीमार, कई अस्पताल में भर्ती

टिहरी, एजेंसी। डरसाल गांव में शादी समारोह के बाद फूड प्वॉइजनिंग से कई लोग बीमार पड़ गए. जिनमें 35 मरीजों को जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती करवाया गया. जहां उनका उपचार किया गया, तो कई लोगों का जारी है. जबकि, कुछ लोग ऋषिकेश, देहरादून और चंबा में इलाज करा रहे हैं. इसके पीछे डरसाल गांव की एक शादी समारोह में पानी या भोजन में गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है. डरसाल गांव में मेहंदी फंक्शन के बाद बीमार पड़े लोगः जानकारी के मुताबिक, बीती 13 अप्रैल की रात डरसाल गांव के एक होटल में शादी समारोह के तहत मेहंदी कार्यक्रम आयोजित किया गया था. जहां भोजन करने के बाद कुछ लोग उसी रात बीमार हो गए. जबकि, 14 अप्रैल की सुबह तक कई अन्य लोगों की तबीयत बिगड़ गई. स्थिति बिगड़ने पर मरीजों को तत्काल जिला अस्पताल बौराड़ी ले जाया गया. जबकि, कुछ लोग चंबा, ऋषिकेश और देहरादून में भी उपचार करा रहे हैं. डरसाल गांव के ग्राम प्रधान बुद्धि प्रसाद भट्ट ने बताया कि हमारे यहां होटल में शादी का समारोह रखा गया था.

बीती 13 अप्रैल को मेहंदी थी. जिसमें लोगों ने खाना खाया और कुछ लोगों को रात में दिक्कत हुई. जिस पर उन्होंने सामान्य तबीयत खराब होने की बात समझकर नजरअंदाज किया, लेकिन 14 अप्रैल की सुबह जब लोग खाना खाकर घर को जाने लगे, उस समय काफी लोग बीमार होने लगे. जिसमें कुछ लोगों को बौराड़ी अस्पताल में एडमिट करवाया. जिसमें करीब 30-35 लोग थे. कुछ लोग चंबा में हैं, तो कुछ ऋषिकेश या देहरादून गए. जहां उन्होंने अपना उपचार करवाया. उन्होंने कहा कि जिन्होंने खाना भी नहीं खाया, उन्हें भी समस्या हुई. ऐसे मे लग रहा है कि पानी की वजह से यह समस्या हुई. सभी की स्थिति ठीक है और सबका इलाज हो रहा है.

उत्तराखंड में अब साइबर सुरक्षा होगी और मजबूत, अस्तित्व में आई सीईआरटी

देहरादून, एजेंसी। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए उत्तराखंड सरकार ने बड़ा कदम उठाया है।

प्रदेश में साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी) का विधिवत गठन किया गया है। डिजिटल उत्तराखंड की क्षेत्र में एक और अहम पहल के तहत सूचना प्रौद्योगिकी विकास प्राधिकरण (आइटीडीए) और आइआइआइटी, हैदराबाद के बीच करार हुआ है। इसके तहत आइआइआइटी, हैदराबाद राज्य को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अनुसंधान, नवाचार व क्षमता विकास में सहयोग प्रदान करेगा। राजपुर रोड स्थित होटल हयात सेंट्रिक में बुधवार को इंडिया डिजिटल इम्पावरमेंट मीट एंड अवार्ड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में

सीईआरटी की वेबसाइट का लोकार्पण करने के बाद मुख्य अतिथि सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार डिजिटल उत्तराखंड की तरफ तेजी से कदम बढ़ा रही है। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को डिजिटल माध्यम से और मजबूत करना है। राज्य सरकार उत्तराखंड को तकनीकी संचालित एवं निवेश अनुकूल राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सचिव सूचना प्रौद्योगिकी नितेश झा ने प्रदेश में प्रदेश में डिजिटल तकनीक के उपयोग के बाद हुए बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से इससे प्रदेश में प्रशासनिक कार्यक्षमता विकसित की गई है। इससे आमजन को भी लाभ मिल रहा है। सीईआरटी राज्य स्तर पर साइबर खतरों की निगरानी करेगी और किसी भी प्रकार के साइबर हमले या डेटा उल्लंघन की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। साथ ही यह टीम विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा, जोखिम विश्लेषण और सुरक्षा मानकों के पालन को भी सुनिश्चित करेगी। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने एआइ आधारित सुशासन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, नीति एवं क्षमता निर्माण व सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में एमईआइटीवाई, सीईआरटी-इन, एसटीपीआइ समेत विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आइटीडीए के उप महाप्रबंधक साइबर सुरक्षा आशीष कुमार उपाध्याय को सीईआरटी के गठन में विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में कार्यक्रम के आयोजकों से भेंट की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम वर्तमान समय की आवश्यकता हैं।

म्यूल खातों का प्रयोग कर करोड़ों की ठगी, एसटीएफ ने दो एजेंटों को किया अरेस्ट

देहरादून, एजेंसी। एसटीएफ की टीम ने राज्य में संचालित 15 म्यूल खातों पर कार्रवाई करते हुए 80 से अधिक म्यूल खातों का सत्यापन किया. म्यूल अकाउंट के माध्यम से लोगों के साथ ठगी करने वाले गिरोह के दो प्रमुख एजेंटों को गिरफ्तार किया.

15 म्यूल खाते चिन्हित करते हुए करोड़ों की साइबर ठगी का खुलासा किया गया. साथ ही राज्य में संचालित लगभग 2200 संदिग्ध म्यूल बैंक खाते जांच में सामने आए, सभी खाताधारकों की पहचान, बैंक अभिलेखों की जांच, मोबाइल नंबरों के विश्लेषण कर सत्यापन का अभियान जारी है.

एसटीएफ की 12 टीमें गठित कर साइबर ठगी में प्रयोग किए जा रहे म्यूल बैंक खातों के सत्यापन के लिए अभियान

चलाया जा रहा है. जिसके अन्तर्गत एसटीएफ की एक टीम ने डिजिटल साक्ष्यों, बैंक अभिलेखों और तकनीकी जांच के आधार पर साइबर अपराधियों ने उपयोग किए जा रहे 15 संदिग्ध म्यूल बैंक खातों की जांच की गई.

जांच के दौरान प्राप्त शिकायतों, तकनीकी विश्लेषण और बैंक खातों के सत्यापन में यह पाया गया कि कई बैंक खाते साइबर अपराधियों ने धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि को प्राप्त करने, ट्रांसफर करने एवं छिपाने के लिए उपयोग किए जा रहे थे. प्रमुख मामलों में एक खाते में करीब 1.53 रुपये करोड़ की ठगी से संबंधित 28 शिकायतें प्राप्त हुई हैं.

अन्य खातों में भी लाखों रुपए के संदिग्ध लेनदेन और बहुसंख्यक शिकायतें दर्ज हैं. प्रमुख रूप से सामने आए म्यूल खातों के संबंध में साइबर पुलिस स्टेशन देहरादून में मुकदमा दर्ज किया गया. जिसमें साइबर अपराधियों ने अलग-अलग बैंकों के म्यूल अकाउंट का प्रयोग कर आम लोगों के साथ 1 करोड़ 53 लाख की साइबर धोखाधड़ी की गई थी.

एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया है कि जांच में जानकारी मिली कि आम जनता को कमीशन, किराया, नौकरी अथवा अन्य लालच देकर उनके बैंक खाते खरीदते थे और बाद में उन्हीं खातों का उपयोग साइबर ठगी की रकम प्राप्त करने और आगे ट्रांसफर करने में करते थे.

अब तक उक्त गैंग के दो सदस्य दानिश अंसारी और अंकित एंथोनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. साथ ही अन्य शामिल व्यक्तियों की तलाश जारी है और कई खाताधारकों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया गया है. जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ लोगों द्वारा अपने बैंक खाते, ‹ञरू कार्ड, पासबुक, चेकबुक, मोबाइल नंबर, सिम कार्ड और नेट बैंकिंग सुविधाएं लालच वश अपराधियों को उपलब्ध कराई गई. ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ भी नियम अनुसार कार्रवाई की जा रही है.

एनडीएमसी अध्यक्ष ने झाड़ू-मुक्त शहर के दूरदर्शी अभियान के तहत 20 गॉब्लर मशीनों को दिखाई हरी झंडी

स्मार्ट सफाई समाधानों के साथ एनडीएमसी का झाड़ू-मुक्त शहर की ओर एक अग्रणी प्रयास

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा अपने क्षेत्र को मशीनीकृत स्वच्छता के माध्यम से झाड़ू-मुक्त शहर बनाने के प्रमुख अभियान के अंतर्गत एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्र ने शुक्रवार को पालिका केंद्र से 20 कूड़ा उठाने वाली विशेष मशीनों गॉब्लर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गॉब्लर मशीनों को हरी झंडी दिखाने के उपरांत एनडीएमसी अध्यक्ष ने कहा कि परिषद ने झाड़ू-मुक्त शहर पहल के अंतर्गत उन्नत कूड़ा-संग्रहण मशीनों की तैनाती के साथ शहरी स्वच्छता के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस पहल का उद्देश्य स्मार्ट और तकनीक-आधारित समाधानों को अपनाकर मैनुअल सफाई पर निर्भरता को कम करना, कार्यकुशलता बढ़ाना, सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा सतत शहरी प्रयासों को बढ़ावा देना है। गॉब्लर मशीनों का विवरण देते हुए केशव चंद्रा ने बताया कि इस पहल के तहत 20 ह्लगॉब्लरह्व मशीनों को एनडीएमसी क्षेत्र में विशेष रूप से बाजारों और अधिक भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में तैनात किया गया है। ये बैटरी संचालित मशीनें कम शोर, पर्यावरण-अनुकूल तथा प्रभावी तरीके से सार्वजनिक स्थानों की सफाई करने के लिए डिजाइन की गई हैं। गॉब्लर मशीनों की शुरुआत से यंत्रीकृत और संपर्क-रहित कचरा संग्रहण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे सफाई कार्य अधिक तेज और नियमित रूप से हो सकेगा। उन्होंने आगे बताया कि कचरे के साथ सीधे मानव संपर्क को कम करके ये मशीनें स्वच्छता के स्तर को बेहतर बनाती हैं, साथ ही सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य जोखिम और शारीरिक श्रम को कम करती हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और गरिमा दोनों में वृद्धि होती है। घनी और व्यस्त जगहों पर इन मशीनों की प्रभावी कार्यक्षमता से दिखाई देने वाली स्वच्छता और सेवा गुणवत्ता में भी सुधार सुनिश्चित होता है। गॉब्लर मशीनों की तैनाती के अतिरिक्त, एनडीएमसी ने अपने क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु एक व्यापक और आवश्यकता-आधारित मशीनीकरण रणनीति भी लागू की है। इस यंत्रीकृत सफाई ढांचे में एक सुव्यवस्थित कार्य-प्रवाह का पालन किया जाता है, जिसमें उद्यान क्षेत्रों में लीफ ब्लोअर से पत्तों को हटाने से शुरुआत होती है, इसके बाद सड़कों की मैनुअल सफाई और उद्यान कचरे का निष्कासन किया जाता है। इसके बाद प्रमुख मार्गों पर मशीनीकृत सड़क सफाई (एमआरएस) के माध्यम से बड़े स्तर पर एकरूप सफाई और धूल हटाने का कार्य किया जाता है। इस प्रक्रिया को अंतिम सफाई के लिए कूड़ा उठाने वाली (लिटर पिकर) मशीनों तथा धूल नियंत्रण हेतु उच्च-दबाव जेटिंग मशीनों के उपयोग से और अधिक प्रभावी बनाया जाता है। बाजारों, गलियारों, प्लाजा, फुटपाथों और किनारे के क्षेत्रों की गहन सफाई प्रत्येक 15 दिनों में बारी बारी से की जाती है। इनकी तैनाती के संदर्भ में, 7 मशीनीकृत सड़क सफाई मशीनें (एमआरएस) दिन-रात की दो शिफ्टों में लगभग 350-400 किलोमीटर सड़कों की सफाई कर रही हैं; 10 उच्च-दबाव जेटिंग मशीनें गहन सफाई के लिए कार्यरत हैं; तथा 20 गॉब्लर मशीनें बाजारों और आसपास के क्षेत्रों में कचरा संग्रहण के लिए तैनात की गई हैं। इसके अतिरिक्त इलेक्ट्रिक ई-कार्ट्स के माध्यम से कनॉट प्लेस, खान मार्केट और सरोजिनी नगर जैसे प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर कचरे का पृथक संग्रहण किया जा रहा है, जबकि 27 वेट मॉपिंग ट्रॉलियां बाजार क्षेत्रों की दैनिक गीली सफाई सुनिश्चित कर रही हैं। इसके अलावा 29 पुशबैक/मैनुअल सफाईकर्मी छोटी गलियों, उप-गलियों और कॉलोनियों में कार्यरत हैं, जहां मशीनीकृत पहुंच सीमित है। वहीं, 4 राइड-ऑन स्वीपर और 4 स्क्रबर मशीनें फुटपाथों की विशेष मशीनीकृत सफाई सुनिश्चित कर रही हैं, जिससे पैदल चलने वाले क्षेत्रों में स्वच्छता बेहतर हो रही है। यह समेकित, तकनीक-आधारित दृष्टिकोण कार्यों के सुव्यवस्थित क्रम, संसाधनों के कुशल उपयोग और एनडीएमसी क्षेत्र में स्वच्छता के निरंतर सुधार को सुनिश्चित करता है। इन पहलों के माध्यम से एनडीएमसी आधुनिक तकनीकों और सतत प्रयासों के समन्वय के साथ शहरी स्वच्छता के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे एक स्वच्छ, हरित और आधुनिक नई दिल्ली का निर्माण किया जा सके।

ट्रंप ने उपराज्यपाल संधू की जमकर की सराहना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में युद्ध के बीच देश की राजधानी दिल्ली के सियासी गलियारों में मची हलचल के बीच एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया सामने आई है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय राजनयिक और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरणजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई दी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक विशेष पोस्ट साझा करते हुए संधू के कार्यकाल और उनकी क्षमताओं पर गहरा भरोसा जताया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पोस्ट में संधू की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने लिखा है कि तरणजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल बनने पर बहुत-बहुत बधाई! एक अनुभवी राजनयिक और अमेरिका में पूर्व राजदूत के रूप में उन्होंने हमेशा भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने के प्रति गहरी प्रतिबद्धता दिखाई है। मैं दिल्ली की प्रगति का नेतृत्व करने और वैश्विक संबंधों को आगे बढ़ाने में उनकी सफलता की कामना करता हूं। ट्रंप के इस संदेश को कूटनीतिक हलकों में बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि एक वैश्विक नेता द्वारा किसी केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल को इस तरह की सार्वजनिक बधाई देना संधू के अंतरराष्ट्रीय कद और वाशिंगटन के सत्ता गलियारों में उनकी साख को दर्शाता है। तरणजीत सिंह संधू भारतीय विदेश सेवा के 1988 बैच के अधिकारी रहे हैं। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में भारत के राजदूत के रूप में एक लंबा और सफल कार्यकाल पूरा किया है। उनके कार्यकाल के दौरान भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और रक्षा साझेदारी ने नई ऊंचाइयों को छुआ था। दिल्ली में उनकी नियुक्ति को केंद्र सरकार के एक मास्टरस्ट्रोक के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि दिल्ली जैसी ह्लग्लोबल सिटीह्व को एक ऐसे प्रशासक की जरूरत थी, जिसकी पकड़ न केवल स्थानीय प्रशासन पर हो, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी दिल्ली की छवि को एक आधुनिक और विकसित राजधानी के रूप में पेश कर सकें। संधू की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल कार्यालय के बीच समन्वय को लेकर अक्सर चर्चाएं होती रहती हैं। संधू के पास दशकों का प्रशासनिक और कूटनीतिक अनुभव है। उनके नेतृत्व में दिल्ली के बुनियादी ढांचे के विकास और सौंदर्यीकरण और प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दों पर नए सिरे से काम होने की उम्मीद है। परिवहन और पर्यावरण के क्षेत्र में दिल्ली सरकार द्वारा किए जा रहे हालिया विस्तार के बीच संधू की भूमिका बेहद अहम होगी। केंद्र सरकार चाहती है कि दिल्ली को फ्यूचर रेडी बनाया जाए और संधू की वैश्विक दृष्टि इसमें सहायक सिद्ध हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

द्वारका में दो वांटेड अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका में हत्या की कोशिश के मामले में वांछित दो आदतन अपराधियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। इस बारे में जानकारी देते हुए एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के नाम जतिन शर्मा (27) और पवन भंडारी (26) हैं, जो कि विक्की टक्कर गिरोह से जुड़े हुए हैं और आठ अप्रैल को डाबरी इलाके में एक व्यक्ति को चाकू से वार कर गंभीर रूप से जख्मी करने की वारदात में शामिल थे। द्वारका के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह (डीसीपी) ने कहा कि पीड़ित के बयान के बाद मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान शर्मा और भंडारी की मुख्य आरोपी के रूप में पहचान हुई। पीड़ित ने बाद में पुलिस को बताया कि दोनों ने उसे धमकी दी थी कि अगर उसे इलाके में दुकान चलानी है तो उसे आरोपियों को पैसे देने होंगे। पुलिस ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर, एक टीम ने गुरुवार देर रात धुलसिरास चौक के पास जाल बिछाया और आरोपियों को देर रात 2.10 बजे उस समय रोक लिया, जब वे नजफगढ़ की तरफ से स्कूटर पर आ रहे थे।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने हथियार गिरोह का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (ईआर-1) ने एनसीआर में सक्रिय एक उभरते अवैध हथियार गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया है। एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है और उसके कब्जे से अवैध हथियार व कारतूस आदि बरामद किए गए हैं। आरोपी ने पूछताछ में कबूला कि वह ये हथियार दुश्मन गैंग से बदला लेने के लिए जुटा रहा था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 14 अप्रैल को शाहदरा के भोलानाथ नगर में स्थित एक कॉलेज के पास टीम ने छापा मारा था। जहां से अबू तालिब (27 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। वह भोलानाथ नगर का रहने वाला है। इस दौरान उसके पास से दो पिस्टल (मैगजीन सहित), एक देसी कट्टा, 23 जिंदा कारतूस एवं 11 खाली खोल बरामद हुए हैं। सख्त पूछताछ में अबू तालिब ने खुलासा किया कि वह अपने पिता और भाई आदिल के साथ थोक फलों का व्यापार करता है।

दिल्ली पुलिस ने ठगी करने वाले गैंग का किया पदार्फाश, चोरी का पूरा सामान बरामद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली कैंट पुलिस ने चोरी के एक मामले में शामिल मदनगीर के रहने वाले 24 वर्षीय आरोपी कुणाल को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का एक बैग बरामद किया। इस बैग में सोने, हीरे के जेवर, कैनेडियन डॉलर, भारतीय मुद्रा, मोबाइल फोन, पासपोर्ट, परमानेंट रेजिडेंट कार्ड और अपराध में इस्तेमाल की गई एक स्कूटी शामिल थी। दिल्ली कैंट पुलिस ने दीदार सिंह नाम के एक व्यक्ति की शिकायत पर 12 मार्च को ई-एफआईआर दर्ज की थी। शिकायत में बताया गया था कि धौला कुआं, रिंग रोड पर फुट ओवरब्रिज के पास उनकी निजी टैक्सी से एक बैग चोरी हो गया था। उन्होंने बताया कि ओवरब्रिज के पास अपनी गाड़ी रोकी थी। दो अनजान लड़कों ने रास्ता पूछने के बहाने गाड़ी से बैग निकाल लिया और स्कूटी से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान, पुलिस टीम ने रिंग रोड, रिज रोड, टोडापुर और इंद्रपुरी इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। स्थानीय जानकारी और तकनीकी विश्लेषण की मदद से आरोपी कुणाल की पहचान हुई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी कुणाल अपने साथियों के साथ मिलकर, मदद मांगने के बहाने गाड़ियों को रुकवाता था और ड्राइवरों से कार की खिड़कियां खोलने के लिए कहता था। जैसे ही कार की खिड़कियां खुलती थीं, आरोपियों में से एक पीड़ित का ध्यान भटकाता था, जबकि दूसरा इस मौके का फायदा उठाकर गाड़ी के अंदर रखी कीमती चीजें चुरा लेता था। इसके बाद, वे तुरंत अपनी दोपहिया गाड़ी से मौके से फरार हो जाते थे। पुलिस के मुताबिक, ट्रैफिक जाम के दौरान आरोपी रिंग रोड के आस-पास के इलाकों को निशाना बनाते थे, ताकि वे भीड़भाड़ वाले ट्रैफिक के बीच से अपनी दोपहिया गाड़ी को आसानी से निकालकर भाग सकें। वे जान-बूझकर शहर में उन जगहों को भी निशाना बनाते थे, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होते थे।

वर्क-फ्रॉम-होम और प्रदूषण का डबल अटैक- दिल्ली-एनसीआर में बढ़ रहा साइलेंट लिवर क्राइसिस

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वर्क-फ्रॉम-होम संस्कृति, खराब खानपान और बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते लिवर रोग तेजी से बढ़ रहे हैं और अब यह एक साइलेंट पब्लिक हेल्थ क्राइसिस का रूप ले चुके हैं। यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मॉडल टाउन द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉक्टरों ने चेतावनी दी कि लिवर अब केवल शराब के कारण नहीं, बल्कि आधुनिक जीवनशैली और प्रदूषण के संयुक्त प्रभाव से प्रभावित हो रहा है। प्रेस वार्ता में प्रमुख रूप से डॉ.अपूर्व पांडे (एडिशनल डायरेक्टर एवं एचओडी गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एवं हेपेटोलॉजी) और डॉ. शैलेश शर्मा (एचओडी एवं सीनियर कंसल्टेंट पीडियाट्रिक्स) शामिल रहे। डॉक्टरों के अनुसार, भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति साइलेंट लीवर डिजीज के खतरे की ओर बढ़ रहा है। में 9,202 लोगों की स्क्रीनिंग में 5% लोगों में बिना लक्षण वाला सिरोसिस पाया गया। वहीं, टअरछऊ के मामले 2023 के 1.3 बिलियन से बढ़कर 2050 तक 1.8 बिलियन होने का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में स्थिति और भी चिंताजनक है। यहां 22.8% आबादी फैटी लिवर से प्रभावित है, जबकि डायबिटीज और मोटापे वाले हाई-रिस्क ग्रुप में यह आंकड़ा 60.4% तक पहुंच जाता है। एम्स के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में फैटी लिवर के मामले ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में लगभग 40% अधिक हैं। डॉ. अपूर्व पांडे ने कहा, जैसे प्रदूषक सांस के जरिए खून में मिलकर लिवर तक पहुंचते हैं और सूजन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और फाइब्रोसिस का कारण बनते हैं। वर्क-फ्रॉम-होम के कारण कम हुई शारीरिक सक्रियता इस खतरे को और बढ़ा रही है। उन्होंने आगे बताया कि उनके ओपीडी में आने वाले 30 से 40 प्रतिशत मरीज फैटी लिवर के होते हैं, जिनमें अधिकांश की उम्र 20 से 50 वर्ष के बीच होती है। खासतौर पर 20झ्र30 वर्ष के युवा वयस्क और 40झ्र60 वर्ष के लोग इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हैं। इसके अलावा, 18झ्र20 वर्ष के युवाओं में भी फैटी लिवर तेजी से बढ़ रहा है, जिसका मुख्य कारण निष्क्रिय जीवनशैली, व्यायाम की कमी और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट (मैदा, चीनी) का अधिक सेवन है। डॉ. अपूर्व पांडे ने लीन फैटी लिवर पर भी चिंता जताई और बताया कि सामान्य वजन वाले 9% से 32% भारतीय भी इससे प्रभावित हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि केवल दुबला होना स्वस्थ होने की गारंटी नहीं है। डॉ. शैलेश शर्मा ने बच्चों में बढ़ते मामलों पर कहा, दिल्ली के करीब 35% बच्चों में फैटी लिवर के लक्षण मिल रहे हैं। फास्ट फूड, स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि की कमी इसके प्रमुख कारण हैं। अब कम उम्र में भी गंभीर लिवर फेल्योर के केस सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक 8 साल की बच्ची का प्लाज्माफेरेसिस तकनीक से सफल इलाज किया गया, जिससे ट्रांसप्लांट की जरूरत नहीं पड़ी।

दिल्ली में ब्रिगेडियर से मारपीट के मामले में चार और आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत एन्क्लेव इलाके में सेना के एक ब्रिगेडियर और उनके बेटे से कथित तौर पर मारपीट करने एवं उनकी पत्नी को धमकी देने के मामले में चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों की पहचान सुरजीत सिंह (36), सुनील शर्मा (53), आशीष (32) और सतेंद्र (35) के रूप में हुई है। सुरजीत, सुनील और आशीष सभी दिल्ली के मेहरम नगर के निवासी हैं और सतेंद्र हरियाणा के भिवानी का निवासी है। पुलिस के अनुसार, सुरजीत सिंह मुख्य आरोपी सतेंद्र का परिचित है। सतेंद्र एक विमानन कंपनी का निदेशक है। पुलिस ने बताया कि कुछ आरोपी मेहरम नगर में एक साथ बैठे थे, तभी सतेंद्र ने वसंत एन्क्लेव में हुए झगड़े के सिलसिले में उन्हें फोन किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, फोन आने के बाद आरोपी सुरजीत की सफेद रंग की कार में घटनास्थल के लिए रवाना हुए। वहां पहुंचने के बाद उन्होंने कहासुनी एवं मारपीट की और फिर वे अपने-अपने घर लौट गए। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज होने की जानकारी मिलते ही आरोपी फरार हो गए और छिप गए। पुलिस अधिकारी ने कहा, उनकी तलाश के लिए टीम गठित की गईं और फरार चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना में इस्तेमाल की गई कार भी बरामद कर ली गई है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है। प्रत्येक आरोपी की भूमिका की जांच की जा रही है। जांचकताओं के अनुसार, यह घटना 11 अप्रैल की रात को हुई, जब ब्रिगेडियर और उनके बेटे ने अपने घर के बाहर खड़ी एक कार में दो लोगों के कथित तौर पर शराब पीने पर आपत्ति जताई। कुछ ही देर में अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने ब्रिगेडियर और उनके बेटे से कथित तौर पर मारपीट की और साथ ही उनकी पत्नी से अपशब्द कहे तथा धमकी भी दी।

विश्व हीमोफीलिया दिवस पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने भगवान महावीर हॉस्पिटल में जागरूकता सत्र का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व हीमोफीलिया दिवस के अवसर पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने भगवान महावीर हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर एवं जागरूकता सत्र का उद्घाटन किया। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने इस तरह के सार्थक पहल के आयोजन के लिए डॉक्टरों, मेडिकल सुपरिटेंडेंट्स और स्वास्थ्यकर्मियों के महत्वपूर्ण प्रयासों की दिल खोलकर सराहना की। उन्होंने डॉक्टरों और मेडिकल सुपरिटेंडेंट्स को स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने के साथ ही मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए सरकार की तरफ से पूरा सहयोग और सहायता देने का भरोसा दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है, जो दूसरों की जीवन बचाता है। ऐसी पहलें न केवल जरूरतमंद मरीजों की आपातकालीन हालात में सहायता करती हैं, बल्कि हमारे सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र में जागरूकता और विश्वास को भी मजबूती प्रदान करती हैं। हमारा लक्ष्य है कि राजधानी दिल्ली में कोई भी व्यक्ति इलाज के अभाव में परेशान न हो और हम लगातार दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि ऐसी पहलें न केवल मरीजों की सहायता करती हैं, बल्कि हीमोफीलिया जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने का भी काम करती हैं। जागरूकता सत्र के दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने मरीजों और उनके परिजनों से खुद बातचीत कर उनकी समस्याओं और अनुभवों को बारीकी से जाना। उन्होंने भरोसा दिया कि मरीजों की आवश्यकताओं को समझना और स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने बताया कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में बुनियादी ढांचे और सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि स्वास्थ्यकर्मियों की प्रतिबद्धता और विशेषज्ञों के सुझावों से राजधानी दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली और अधिक मजबूत और जन-केंद्रित बनेगी। इस कार्यक्रम में अस्पताल स्टाफ, ब्लड डोनर्स और आम जनता की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिसने स्वैच्छिक रक्तदान और सामुदायिक सहभागिता के महत्व को और अधिक मजबूत किया है।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी से व्यापारियों ने की मुलाकात

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा की अध्यक्षता में व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के नव नियुक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी एस के दुआ से मुलाकात की। इस दौरान पम्मा ने बताया कि सदर बाजार क्षेत्र में आगजनी से जुड़ी समस्याएं लगातार व्यापारियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। पम्मा ने कहा कि बाजार की संकरी गलियां, अत्यधिक भीड़भाड़ और फायर सेफ्टी संसाधनों की कमी के कारण किसी भी आपात स्थिति में राहत और बचाव कार्यों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। व्यापारियों ने इस बात पर जोर दिया कि यदि समय रहते इन व्यवस्थाओं को मजबूत नहीं किया गया, तो भविष्य में बड़े नुकसान की आशंका बनी रहेगी। पम्मा ने आगे कहा कि सदर बाजार देश के सबसे बड़े थोक बाजारों में से एक है, जहां प्रतिदिन भारी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। ऐसे में यहां फायर सेफ्टी को लेकर विशेष और ठोस इंतजाम किए जाना बेहद जरूरी है। इसी क्रम में परमजीत सिंह पम्मा ने दिल्ली फायर सर्विस में एसके दुआ को मुख्य अग्निशमन अधिकारी नियुक्त होने पर उनका हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यापार मंडल झंडेवाला रोड के उपाध्यक्ष अनिल सहगल, सदर नाला रोड व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेश जेसवानी, संयुक्त सचिव जीतू, सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेड्स एसोसिएशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट वरिंदर आर्य, जनरल सेक्रेटरी दीपल निम्भल, सेक्रेटरी तृण सोनी सहित अन्य पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने दुआ का सम्मान किया और उन्हें क्षेत्र की जमीनी समस्याओं से अवगत कराया। एसके दुआ ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि विभाग द्वारा जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि आग से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और सदर बाजार क्षेत्र में फायर सेफ्टी व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

घाटे से मुनाफे की ओर बढ़ी दिल्ली परिवहन निगम

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। घाटे से मुनाफे की ओर कदम बढ़ाते हुए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने अपने वित्तीय स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किया है, जो दिल्ली सरकार के तहत लगातार किए जा रहे सतत सुधारों और बेहतर परिचालन दक्षता का परिणाम है। नवीनतम वित्तीय आंकड़ों के अनुसार डीटीसी की कुल आय 2024-25 में 822.53 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 26 मार्च तक 995.55 करोड़ रुपए हो गई है, जिसमें लगभग 173 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की गई है। राजस्व प्राप्ति के विभिन्न स्रोतों का विश्लेषण करने से आय में हुई वृद्धि का प्रत्यक्ष विश्लेषण करता है। टिकटों की बिक्री से होने वाली आय 327.23 करोड़ रुपए से बढ़कर 379.77 करोड़ हो गई है, जो साल-दर-साल के हिसाब से 52.54 करोड़ रुपए की वृद्धि है। वहीं, इस दौरान स्पेशल हायर सेवाओं से होने वाली कमाई 82.65 करोड़ रुपए से बढ़कर 99.21 करोड़ रुपए हो गई है, जो इस अवधी में 16.56 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्शाती है। सबसे अधिक बढ़ोतरी आय के विभिन्न स्रोतों (मिसलेनियस) में दर्ज की गई है, जो 342.67 करोड़ रुपए से बढ़कर 446.59 करोड़ रुपए हो गई है, यानी 103.92 करोड़ रुपए की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। यह बढ़ोतरी आय के स्रोतों में बेहतर प्रदर्शन के साथ-साथ विज्ञापन, किराया प्राप्ति और जुमार्ने की वसूली जैसी अन्य स्रोतों से आय में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण संभव हुई है, जो डीटीसी के समग्र वित्तीय सुधार में प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में सामने आई है। यह बढ़ोतरी विभिन्न राजस्व स्रोतों में बेहतर प्रदर्शन और राजस्व प्राप्ति के विस्तार पर केंद्रित प्रयासों के कारण संभव हुई है। परिवहन निगम ने अपनी औसत मासिक आय में भी 68.54 करोड़ रुपए से 82.96 करोड़ रुपए तक की बढ़ोतरी दर्ज की है, जो मजबूत वित्तीय अनुशासन और संसाधनों के प्रभावी उपयोग को दशार्ती है। दिल्ली परिवहन निगम की इस विशेष उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि यह बदलाव पूरे डीटीसी परिवार के सामूहिक प्रयासों, प्रतिबद्धता और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सतत मार्गदर्शन और सहयोग के बिना यह बदलाव संभव नहीं था। परिवहन मंत्री ने आगे जोर देकर कहा कि पिछली सरकारों ने डीटीसी को आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हालत में छोड़ दिया था। डीटीसी पर घाटे और अक्षमताओं का भारी बोझ था। इसके विपरीत हमारी सरकार ने परिवहन निगम को पुनर्जीवित करने, कामकाज के संचालन को सुव्यवस्थित करने का काम किया और निगम को एक आर्थिक रूप से सक्षम, स्थिर और जवाबदेह सार्वजनिक परिवहन इकाई में बदलने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने आगे कहा कि हमारी सरकार का दृष्टिकोण केवल राजस्व बढ़ाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हमारा मुख्य जोर संस्थागत क्षमता को और अधिक मजबूत बनाने, सेवा वितरण में सुधार लाने और यह सुनिश्चित करने पर है कि राजधानी दिल्ली के प्रत्येक नागरिक को विश्वसनीय, सुरक्षित और सुलभ परिवहन सेवाएं प्राप्त हों।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भ : निविदा सूचना संख्या 86/2025–2026 दिनांक 12.02.2026, क्र.सं. 12 निविदा संख्या 77269021RGC खुलने की तिथि 20.04.2026

उपरोक्त संदर्भित निविदा में, निविदा खोलने की तिथि **20.04.2026** से बढ़ाकर **02.06.2026** कर दी गई है। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है।

नोट : उपरोक्त संदर्भित निविदा में यह पहला शुद्धिपत्र है।

दिनांक : 17.04.2026 **1282/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भः (1) निविदा सूचना संख्या 86/2025–2026 दिनांक 12.02.2026, क्र.सं. 09 निविदा संख्या 77269017RGC खुलने की तिथि 27.03.2026 (2) यह कार्यालय शुद्धिपत्र दिनांक 18.03.2026

उपरोक्त संदर्भित निविदा में, निविदा खोलने की तिथि **27.04.2026** से बढ़ाकर **01.06.2026** कर दी गई है। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है।

नोट : उपरोक्त संदर्भित निविदा में यह दूसरा शुद्धिपत्र है।

दिनांक : 17.04.2026 **1283/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सूचना

मैं लबीना चौरसिया, पत्नी श्री जे. के. चौरसिया, ने सूचित किया है कि उनके पास मौजूद मूल शेयर प्रमाण पत्र खो गए हैं। ये शेयर प्रमाण पत्र श्री एम.के. शर्मा के नाम पर हैं, जिनकी कुल कीमत 9900/- है। साथ ही एक शेयर प्रमाण पत्र श्री नीरज मागू के नाम पर है, जिसकी कीमत 100/- है। यह सभी शेयर प्रमाण पत्र प्लैट नंबर ऊ-25, शिव लोक हाउसिंग सोसायटी प्लॉट नंबर 6, सेक्टर 6 द्वारका नई दिल्ली-75 हैं। यदि किसी को इन शेयर प्रमाण पत्रों के बारे में कोई जानकारी मिले, तो कृपया निम्न नंबर पर संपर्क करें 6386891373

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 18 अप्रैल, 2026

संक्षिप्त खबरें

वसंत एन्क्लेव ब्रिगेडियर मारपीट मामले में चार और गिरफ्तार

नई दिल्ली। वसंत एन्क्लेव में ब्रिगेडियर और उनके बेटे से मारपीट मामले में पुलिस ने चार और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित घटना को अंजाम देने के बाद से फरार चल रहे थे। गिरफ्तार आरोपितों में मेहरम नगर निवासी सुरजीत सिंह, सुनील शर्मा एवं आशीष और भिवानी (हरियाणा) निवासी सतेंद्र शामिल हैं। सुरजीत, मुख्य आरोपित सतेंद्र का परिचित है। ये सभी मेहरम नगर में एक साथ बैठे थे, तभी सतेंद्र का फोन आया जिसमें उसने वसंत एन्क्लेव में हुए झगड़े के बारे में बताया। इसके बाद सभी सुरजीत की कार (हुंडई और, सफेद रंग) से घटनास्थल पर गए। वहां पहुंचने पर झगड़ा हुआ और फिर वे अपने-अपने घर लौट आए। बाद में जब उन्हें पता चला कि उनके खिलाफ मामला दर्ज हो गया है, तो वे अपने घरों से फरार हो गए। मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली में हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य आयोजन, सुंदरकांड पाठ और भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नई दिल्ली। श्री बालाजी मित्र मंडल (रजि.), दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में हनुमान जन्मोत्सव का पर्व सोम बाजार रोड, शिव नगर (जेल रोड के पास) पर अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्व प्रसिद्ध गायक बिजेंद्र चौहान ने संगीतमय सुंदरकांड का भावपूर्ण पाठ प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया।कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भाजपा जिला सह-प्रभारी गगन साहनी ने बताया कि इस पावन अवसर पर सांसद, विधायक, पूर्व राज्यपाल, पूर्व महापौर, निगम पार्षद, जिला अध्यक्ष सहित मंदिरों, गुरुद्वारों, आरडब्ल्यूए और मार्केट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों समेत करीब 1500 से अधिक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। अंत में गगन साहनी ने आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले बलदेव राजपाल, गोल्डी कपूर, बंटी आनंद, गौरव साहनी, रितेश राजपाल, कमल शर्मा, कुणाल साहनी, स्वीट सिंह, हरिंदर नारंग सहित सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राजधानी के 12 इलाकों की हवा बेहद खराब

नई दिल्ली। राजधानी की हवा में प्रदूषण का स्तर और बढ़ गया है। शुक्रवार को दिल्ली के 12 इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के पार यानी बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। अगले दो दिनों के बीच वायु गुणवत्ता के स्तर में हल्का सुधार होने की संभावना है। राजधानी में आमतौर पर गर्मियों का मौसम अपेक्षाकृत कम प्रदूषण वाला रहता है, लेकिन इस बार धूल के चलते हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में बनी हुई है। दरअसल, दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से बारिश की गतिविधियां नहीं हुई हैं। मौसम गर्म और सूखा है। इसके चलते मिट्टी में नमी कम हो गई है। ऐसे में तेज हवा अपने साथ काफी मात्रा में धूल उड़ाती रहती है। इसका असर वायु गुणवत्ता पर भी पड़ता है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 263 रहा। इस स्तर की हवा को खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले यह 226 अंक पर था। चिंता की बात यह है कि शाम के चार बजे तक दिल्ली के 12 इलाकों का सूचकांक 300 से ऊपर यानी बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। इनमें दिल्ली के कई प्रमुख रिहायशी और भीड़-भाड़ वाले इलाके शामिल हैं।

पंजाब के आप नेता पर तीन दिन में दूसरी रेड, सत्ता के लिए प्रधानमंत्री कर रहे ओंछी राजनीति : केजरीवाल

क्या प्रधानमंत्री बताएंगे, अभी तक आप नेताओं के यहां हुई अनगिनत रेड में कितना काला पैसा मिला?

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पंजाब में महज तीन दिन में आम आदमी पार्टी के दो नेताओं पर ईडी की रेड होने पर पार्टी ने भाजपा शासित केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पहले ह्यह्यआपह्लह्ल के राज्यसभा सांसद डॉ. अशोक मित्तल और अब कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के घर ईडी की रेड पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत तमाम नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईडी की रेड पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले तीन दिन में आम आदमी पार्टी के नेता पर यह दूसरी ईडी की रेड है। पूरा देश देख रहा है कि प्रधानमंत्री सत्ता के लिए कितनी ओंछी राजनीति कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता के यहां तीन दिन में यह दूसरी ईडी की रेड है। क्या प्रधान मंत्री जी बताएंगे कि अभी तक ह्लआपह्ल नेताओं के यहां जो इतनी सारी अनगिनत रेड की हैं, उनमे कितना काला पैसा मिला? एक रुपया भी मिला? पूरा देश देख रहा है कि आप केवल सत्ता के लिए कितनी ओछी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था गिरकर अब छठें स्थान पर आ गई है। रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, लोगों के काम-धंधे बंद हो रहे हैं, बेरोजगारी बढ़ रही, लेकिन मोदी सरकार के पास विपक्ष के नेताओं के घर ईडी भेजने से फुर्सत नहीं है। देश ऐसे आगे बढ़ेगा? सीएम भगवंत मान ने एक्स पर कहा कि भाजपा शासित केंद्र सरकार लगातार लोकतंत्र की हत्या करने के प्रयास कर रही है। ईडी की छापेमारी केवल उन्हीं राज्यों में क्यों की जा रही है जहां भाजपा सत्ता में नहीं है? जनता के अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले और जन कल्याण के लिए काम करने वालों को या तो ईडी के नोटिस भेजे जाते हैं या जेल में डाल दिया जाता है। लेकिन भाजपा ये रखें कि लोकतंत्र को भय और दबाव से कुचला नहीं जा सकता। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब की क्रांतिकारी भूमि से मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि जहां भी अत्याचार होगा, हम वहां मजबूती से खड़े रहेंगे। भाजपा ईडी, सीबीआई और चुनाव आयोग के सहारे पंजाब चुनाव जीतने का सपना देखना छोड़ दे। पंजाबी सिर कटा देगा, लेकिन डर के आगे झुकेगा नहीं। यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि अपने देश और संविधान को बचाने के लिए है, और यह संघर्ष जारी रहेगा। हम पूरी ईमानदारी के साथ देश और जनता की सेवा करते रहेंगे। उधर, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एक्स पर कहा कि मोदी जी के तोते सक्रिय हो गए हैं। पंजाब चुनाव के पहले कई बार तोतों को पंजाब का दौरा करना पड़ेगा। मंत्री संजीव अरोड़ा पर कार्यवाही तानाशाही है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि ईडी ने अब पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के ठिकानों पर छापेमारी की है। यह एक स्पष्ट पैटर्न है। भाजपा इसी तरह राज्य चुनावों के लिए अपनी तैयारी शुरू करती है। आप की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने एक्स पर कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं पर पिछले तीन दिन में दूसरी कार्रवाई है। पहले अशोक मित्तल और अब संजीव अरोड़ा के यहां ईडी की रेड हुई है। चुनाव से पहले आप नेताओं को निशाना बनाना भाजपा की हार का डर और कायरता दिखाता है। भाजपा की इस तानाशाही का जवाब पंजाब की जानता देगी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि तीन दिन में पंजाब में आम आदमीं पार्टी के खिलाफ ईडी की ये दूसरी रेड है। अब पंजाब केबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के यहां ईडी ने रेड की है। मोदी सरकार ने बेशर्मी की सारी हदें पार कर दी हैं। अब ये लोकतांत्रिक व्यवस्था का दिखावा भी नहीं कर रहे, तानाशाही घोषित कर दी है। पश्चिम बंगाल में जो ईडी के साथ होता है फिर तो वो सही ही होता है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं पर डाली गई सैकड़ों ईडी और सीबीआई रेड में आज तक क्या मिला? एक रुपया भी काला धन मिला है तो मोदी जी को सामने आकर देश को बताना चाहिए। वरना जनता के टैक्स के पैसों को राजनैतिक रेड पर बर्बाद करना बंद कीजिए।

दिल्ली के एक अस्पताल की पांचवीं मंजिल से कूदने की धमकी देने वाले मरीज को बचाया गया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के आनंद विहार स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती एक मरीज शुक्रवार सुबह पांचवीं मंजिल की बालकनी के बाहरी किनारे पर चढ़ गया और उसने कूदने की धमकी दी। मरीज को बाद में सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल की वीडियों और तस्वीरों में मरीज कैलाश दीपक अस्पताल की पांचवीं मंजिल की बालकनी के किनारे पर बैठा हुआ दिखाई दे रहा है जबकि नीचे भारी भीड़ दिख रही है। पास की एक खिड़की से एक व्यक्ति मरीज से बात करने की कोशिश करता हुआ भी नजर आ रहा है। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उस व्यक्ति ने कूदने की धमकी क्यों दी। अस्पताल अधिकारियों या पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, सुबह 8:40 बजे एक फोन कॉल प्राप्त हुई, जिसके बाद दमकल गाड़ी को तुरंत मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि अस्पताल के कर्मचारियों और आसपास मौजूद लोगों ने मरीज को नीचे उतारने की कोशिश की। आधे घंटे से अधिक समय बाद मरीज को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया।

डिप्टी मेयर ने किया अलीपुर वार्ड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर का औचक निरीक्षण

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। डिप्टी मेयर जय भगवान यादव ने आज अलीपुर वार्ड में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद एवं ग्रामीण कमेटी के चेयरमैन योगेश राणा और मनोनीत पार्षद विनोद सहरावत भी उपस्थित रहे। डिप्टी मेयर जय भगवान यादव ने निरीक्षण के दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया एवं सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। डिप्टी मेयर जय भगवान यादव ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सफाई व्यवस्था को सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरोग्य मंदिर के परिसर में पड़े पत्तों को सही तरीके से निस्तारित किया जाए। उन्होंने नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आरोग्य मंदिर में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

शाहदरा में वाहन चोरों पर पुलिस का शिकंजा, एक वाहन चोर गिरफ्तार, 4 चोरी के दोपहिया वाहन बरामद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

शाहदरा : जिले में लगातार बढ़ रही दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हाथ लगी है। शाहदरा पुलिस की विशेष स्टाफ टीम ने एक सक्रिय वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 4 चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि जिले में लगातार अभियान चलाकर वाहन चोरों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है और प्रतिदिन ऐसे अपराधियों को पकड़ा जा रहा है। शाहदरा जिले में एएटीएस टीम, जिसमें उपनिरीक्षक अनुज, मुख्य आरक्षी निशांत शर्मा, मुख्य आरक्षी योगेंद्र और मुख्य आरक्षी कृष्णपाल शामिल थे, का गठन निरीक्षक प्रवीण सक्सेना के नेतृत्व में किया गया था। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के निर्देशन में टीम ने सीसीटीवी फुटेज, गुप्त सूचना और निगरानी के आधार पर 14 अप्रैल को तेजाब मिल मार्ग स्थित पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल के पास जाल बिछाकर आरोपी सागर खेड़ा को चोरी की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया। यह मोटरसाइकिल पूर्व में दर्ज एक प्रकरण में चोरी पाई गई थी। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कई अन्य वाहन चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर पुलिस टीम ने शुकर बाजार चौक, कूड़ा खत्ता क्षेत्र से 3 अन्य चोरी की होंडा एक्टिवा स्कूटी बरामद कीं। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि इस कार्रवाई से शाहदरा और उत्तर जिले के कुल 4 मामलों का खुलासा हुआ है, जिनमें शाहदरा थाना, कश्मीरी गेट थाना और मानसरोवर पार्क थाना के प्रकरण शामिल हैं। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी नशे का आदी है और अपने शौक व नशे की पूर्ति के लिए वाहन चोरी करता था। चोरी किए गए वाहनों को वह कुछ समय तक चलाने के बाद अलग-अलग स्थानों पर छोड़ देता था। फिलहाल शाहदरा पुलिस आरोपी के अन्य साथियों की तलाश में जुटी है और आगे की जांच जारी है। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने स्पष्ट किया कि जिले में इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और वाहन चोरी की घटनाओं पर पूरी तरह अंकुश लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

हंसराज कॉलेज में छात्रों के लिए अत्याधुनिक फिजियोथेरेपी केंद्र और ओपन जिम का शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आज दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में स्थापित फिजियोथेरैपी एवं रिहैबलिटेशन केंद्र का एनबीसीसी सर्विसेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कुमार पांडेय एवं कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा ने उद्घाटन किया। इस केंद्र में फिजियोथेरैपी से संबंधित अनेक उपयोगी एवं अत्याधुनिक उपकरण एनबीसीसी सर्विसेस द्वारा सीएसआर के तहत उपलब्ध करवाया गया। इसके साथ ही उनके सहयोग से स्थापित ओपन जिम का भी उद्घाटन हुआ। खेलकूद, स्वास्थ्य एवं वेलनेस की दृष्टि से यह संरचना बेहद उपयोगी और महत्वपूर्ण हैं। हंसराज कॉलेज में सात हजार से भी अधिक विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं और यहां खेल कूद के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की एक लंबी शृंखला रही है। एक समृद्ध जिम, योग एवं ध्यान केंद्र, होमियोपैथी की सुविधा सहित अनेक प्रकार की संरचनाएं और सुविधाएं हाल के वर्षों में विद्यार्थियों के लिए विकसित की गई है। उसी कड़ी में अब फिजियोथैरेपी एवं ओपन जिम जैसी सुविधाओं का विस्तार विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी है। केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर कॉलेज की उप प्राचार्या प्रो. विजयरानी राजपाल, कॉलेज के सूचना अधिकारी डॉ. लोकेश चंद्र मिश्र, शारीरिक विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. गौरव, कार्यक्रम संयोजक डॉ. विजय कुमार मिश्र सहित अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दिल्ली के नेशनल लेजिस्लेटिव इंडेक्स पहल को मिला सिक्किम का समर्थन

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने दिल्ली विधानसभा की पहल का किया समर्थन

- राज्य विधानसभाओं को सशक्त बनाने के लिए यह पहल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने प्रस्तावित नेशनल लेजिस्लेटिव इंडेक्स (एनएलआई) के प्रति अपना समर्थन जताया है। यह पहल देश की सभी विधानसभाओं के कामकाज को एक समान तरीके से परखने और उसे बेहतर बनाने के लिए है। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को लिखे पत्र में उन्होंने इस पहल को दूरदर्शी और उपयोगी बताया। साथ ही उन्होंने विधायी संस्थाओं को मजबूत बनाने की दिशा में इस महत्वपूर्ण कदम के लिए दिल्ली विधानसभा को बधाई दी। नेशनल लेजिस्लेटिव इंडेक्स (एनएलआई) एक संरचित एवं तुलनात्मक ढांचा है, जिसके माध्यम से विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के कार्य-प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। इसमें बैठकें, कार्य घंटे, बहस की उत्पादकता तथा समितियों की प्रभावशीलता जैसे मानकों को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य पारदर्शिता, आत्म-मूल्यांकन, सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने तथा विधानसभाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। तमांग ने कहा कि उत्पादकता, पारदर्शिता और नवीनताओं जैसे मानकों पर विधानसभाओं का आकलन करना समय की मांग है। उन्होंने जोर दिया कि भविष्य के अनुरूप और अधिक उत्तरदायी बनने के लिए विधायी संस्थाओं को डेटा-आधारित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। सिक्किम की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य राष्ट्रीय विधायी सूचकांक के विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए उत्सुक है और इसके ढांचे में योगदान देना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल राज्य विधानसभाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और जन-उत्तरदायित्व को बढ़ावा देगी। तमांग ने यह भी कहा कि प्रस्तावित सूचकांक देशभर की विधानसभाओं की कार्यप्रणाली में मौजूद कमियों की पहचान कर उन्हें सुधारने में एक प्रभावी माध्यम बनेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि इस पहल से सामने आने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए सिक्किम पूरी तरह तैयार है, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। इस पहल को आगे बढ़ाने में विजेंद्र गुप्ता के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने इसके सफल क्रियान्वयन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि यह भारत में विधायी शासन की गुणवत्ता और प्रभावशीलता को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ करेगा।

हरिवंश नारायण सिंह को राज्यसभा उपसभापति चुने जाने पर विधानसभा अध्यक्ष ने दी बधाई

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को राज्यसभा के उपसभापति के रूप में हरिवंश नारायण सिंह के लगातार तीसरी बार निर्विरोध चुने जाने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने इसे विश्वास की महत्वपूर्ण पुनर्पुष्टि तथा संसदीय नेतृत्व में निरंतरता का प्रतीक बताया। बधाई देते हुए दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि हरिवंश नारायण सिंह अपने सत्यनिष्ठा, संयम और स्पष्ट निर्णय क्षमता के लिए सभी राजनीतिक दलों में सम्मानित हैं। सदन में उनके संचालन का तरीका शांत गरिमा, निष्पक्षता और प्रक्रियाओं के प्रति गहरी प्रतिबद्धता से परिपूर्ण रहा है, जिससे सदन में सार्थक और सुव्यवस्थित चर्चा संभव हो सकी है। इस पद पर उनकी निरंतर उपस्थिति हमारे संसदीय संस्थानों की मजबूती और स्थिरता में विश्वास को और सुदृढ़ करती है।

मेयर पद की दावेदारी मजबूत करने के लिए हाईकमान की परिक्रमा कर रहे भाजपा पार्षद

महिला पार्षदों को नारी शक्ति वंदन अधिनियम का भी मिल सकता है लाभ

- 23 अप्रैल को होने वाले नामांकन में पता चलेगा कौन बनेगा दिल्ली का मेयर और डिप्टी मेयर : उपमहापौर
- दिल्ली नगर निगम ने चुनाव को लेकर जारी किया शेड्यूल, 23 को नामांकन और 29 अप्रैल को होगा चुनाव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली का अगला मेयर और डिप्टी मेयर कौन बनेगा। यह 23 अप्रैल को नामांकन के साथ तय हो जाएगा। निगम की सत्ता में काबिज भाजपा और विपक्ष में बैठी आम आदमी पार्टी 23 अप्रैल को होने वाले नामांकन में अपने-अपने प्रत्याशियों का पर्चा दाखिल कराकर दावेदारी पेश करेंगे। मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव के लिए होने वाले नामांकनों के बाद 29 अप्रैल को निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में होने वाली सदन की बैठक में चुनाव कराया जाएगा। हालांकि उक्त दोनों पदों पर पहले से मौजूद मेयर, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन समेत विभिन्न कमेटियों और वार्डों के पदाधिकारी लाइन में लगे हुए हैं। सूत्रों की मानें तो भाजपा के कई धड़ों में बंटे गुटों के नेता भी आजकल हाईकमान की परिक्रमा कर रहे हैं। निगम में मेयर का पद इस बार आरक्षित न होने की वजह से महिला और पुरूष दोनों में से किसी को भी कमान सौंपी जा सकती है। कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि इस बार महिला पार्षदों को मेयर बनाया जा सकता है, क्योंकि देश में ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्ल मामला इस समय चर्चा का विषय हैं। निगम में लगभग दो दर्जन नेताओं के नाम इन पदों की दौड़ में सुर्खियों में हैं, लेकिन अभी तक कहीं से भी कोई पुख्ता और सटीक जानकारी नहीं आई है। विपक्षी दल आम आदमी पार्टी भी इन पदों को लेकर गुपचुप तरीके से रणनीति बनाने में जुटी हुई है। मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव में कांग्रेस के अलावा तीसरे दल इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) भी अहम भूमिका निभाएगी। आम आदमी पार्टी से टुटकर बनी आईवीपी के पार्षद मौके का फायदा उठाने की कोशिश में हैं। इन्हीं पार्षदों को सत्तापक्ष और विपक्ष के लिए एकजुट रखना चुनौती बना हुआ है। हालांकि निगम में अल्पमत में चुनी गई भाजपा आज सत्ता में हैं तो ऐसे में इन पार्षदों की भूमिका भी अहम हो जाती है।

दिल्ली की जनता को सुरक्षित रखना सरकार की सर्वोपरि प्राथमिकता : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार को दिल्लीवासियों की सुरक्षा प्राथमिकता के तौर पर सुनिश्चित करने की जगह लोकतांत्रिक संस्थानों के विरुद्ध किसी भी प्रकार के खतरे के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने और विधायी प्रक्रिया की गरिमा बनाए रखने की आड़ में अपने नेताओं को जैड प्लस सिक्योरिटी देने की निंदा की। भाजपा ने पहले दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और अब विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को जेड प्लस सुरक्षा प्रदान करके यह साबित कर दिया है कि दिल्ली असुरक्षित है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि विजेंद्र गुप्ता को जैड प्लस सुरक्षा देने के पीछे उन्हें मिली ई-मेल पर धमकियां और विधानसभा परिसर तक उनके वाहन तक पहुंचकर किसी व्यक्ति द्वारा संदिग्ध वस्तु रखने में सफल होना था, जो सुरक्षा में चूक एक बड़ा मामला है। मैं केन्द्रीय गृह मंत्रालय से पूछना चाहता हूं कि आईएसआई से धमकी भरे ईमेल की क्या सुरक्षा एजेंसियों ने जांच भी की है? अगर जांच की है तो उसको सार्वजनिक क्यों नहीं किया? दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष, लोकतांत्रिक संस्थानों, स्कूलों, कॉलेजों व अन्य संस्थानों को बम से उड़ाने की लगातार धमकी मिलने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं होना सुरक्षा एजेंसियां की विफलता को दशार्ता है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार का कहना कि दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष और विधानसभा की सुरक्षा अहम है तो क्या दिल्ली की जनता जिसके साथ खुलेआम बढ़ते अपराधों, अराजकता अत्याचार, लूट, डकैती, गोलीबारी, अपहरण, महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी घटनाएं घट रही है, उनकी सुरक्षा अहम नहीं है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थानों और संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को सुरक्षा प्रदान करने से हमें कोई परहेज नहीं है, लेकिन रेखा गुप्ता सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह केन्द्रीय गृह मंत्रालय के साथ समन्वय गठित करके दिल्लीवासियों की 24 घंटे सुरक्षा को व्यवस्थित करने के दिल्ली पुलिस को चुस्त-दुरस्त करें।

दिल्ली हाई कोर्ट ने अल्लू अर्जुन से पूछा–यहीं क्यों दायर की याचिका?

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से छवि के दुरुपयोग के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश पारित करने का संकेत दिया है। हालांकि सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि जब अभिनेता का संबंध तेलंगाना से है तो उन्होंने दिल्ली में याचिका क्यों दायर की। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि दिल्ली और तेलंगाना के बीच कई राज्य पड़ते हैं, ऐसे में याचिकाकर्ता का यहां आना प्रश्न उठाता है। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कहा कि वह इस पर अंतरिम आदेश पारित करेगी। अभिनेता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने तर्क दिया कि उनकी छवि का दुरुपयोग केवल किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में हो रहा है। उन्होंने अदालत को बताया कि एक ऐसा अनुप्रयोग विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति अभिनेता की कृत्रिम छवि से संवाद कर सकता है, जो उनके व्यक्तिगत अधिकारों का उल्लंघन है। पक्षकार ने यह भी बताया कि अभिनेता ने अपने नाम और हस्ताक्षर सहित कुल 26 चिन्हों का पंजीकरण कराया हुआ है, जिससे उनके अधिकारों की वैधानिक सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस, वायु गुणवत्ता खराब

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को आसमान में बादल छाए रहे और शहर का न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में बाद में गरज के साथ बारिश होने का पूवार्नुमान लगाया है और अधिकतम तापमान लगभग 39 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। पालम में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.2 डिग्री अधिक था। लोधी रोड स्टेशन पर तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.4 डिग्री अधिक है जबकि रिज स्टेशन पर 24.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक है। आयानगर में तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.7 डिग्री अधिक है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 241 दर्ज किया गया जो खराब श्रेणी में आता है।

संक्षिप्त समाचार

मप्र में पैक्स समितियों का होगा विस्तार

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। भारत सरकार की मंशा के अनुरूप मध्य प्रदेश में सहकारिता का विस्तार गांव-गांव तक किया जाएगा। छह सौ रुपये शेयर कैपिटल लेकर सहकारी समितियों में दस लाख नए सदस्य बनाए जाएंगे। इसके लिए 15 मई तक शिविर लगाए जाएंगे, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) प्रति शिविर एक हजार रुपये देगा। अभी प्रदेश में 60 लाख किसान समितियों के सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 600 नई समितियां बनाई जा रही हैं। प्रदेश में साढ़े चार हजार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां (पैक्स) हैं, जिनसे 68 लाख किसान जुड़े हैं। लगभग दस लाख किसान और हैं, जो समिति का सदस्य बनने की पात्रता रखते हैं। उन्हें भी समितियों से जोड़ने के लिए सहकारिता विभाग का अभियान 15 मई तक चलाया जाएगा। इसमें छोटे, सीमांत, महिला एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी। भूमि के आधार पर इनकी साख सीमा निर्धारित कर बिना ब्याज के अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। खाद-बीज-कीटनाशक भी मिलेगी। सहकारी संस्था को लाभ मिलने पर किसानों को लाभांश भी दिया जाता है। अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में सहकारी समितियों का विस्तार किया जा रहा है। नई समितियां बनाई गई हैं। पात्र सभी किसानों को समितियों से जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान शुरू किया गया है।

असंतुष्ट नेताओं की कुंडली तैयार करेगी कांग्रेस

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। मध्यप्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी और चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले असंतुष्ट नेताओं की कुंडली तैयार करेगी। इसके लिए विधानसभा प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है। विधानसभा प्रभारी को अपनी रिपोर्ट में बताना होगा नेता- कार्यकर्ता क्यों असंतुष्ट, नाराजगी के कारण, नाखुश नेता, किस नेता से जुड़ा हुआ है ये सब बताना होगा। इसका उद्देश्य वक्त रहते भीतरघातियों और असंतुष्ट नेताओं को पहचाना जिसका चुनाव में प्रभाव न पड़े। समर्पित कार्यकर्ताओं के फोन नंबर, निरंतर संवाद, सामाजिक और जाति का समीकरण, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रभावशाली व्यक्ति, सामाजिक संगठन से संपर्क करने के निर्देश दिए हैं। अक्सर देखा जाता है कि चुनाव में कई कांग्रेसी पार्टी के खिलाफ भीतरघात कर देते हैं जिससे पार्टी को नुकसान होता है।

विधानसभा प्रभारी को दी गई जिम्मेदारी, कहा गया- जो काम करेगा वही पद पर

जो काम करेगा वही पद पर रहेगा

प्रभारियों को विधानसभा में प्रवास करने के निर्देश भी दिए है। कांग्रेस में चल रही तीन दिन की बैठक में पदाधिकारियों से सीधा कहा गया जो काम करेगा वही पद पर रहेगा। आगामी दिनों में सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी और जगह मिलेगी। सिर्फ तमगा लेकर चलने वाले नेताओं को महत्त्व कम मिलेगा।

अब बागेश्वर धाम में विदेशों से भी आएगा दान...

धीरेंद्र शास्त्री की संस्था को केंद्र सरकार की मंजूरी

● भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम को अब विदेश से पैसा (दान) लेने की सरकारी मंजूरी मिल गई है। यह मंजूरी भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए) के तहत दी है। यानी अब बागेश्वर धाम से जुड़ी संस्था विदेश में रहने वाले लोगों से भी कानूनी तरीके से दान ले सकेगी। पहले ऐसा करने के लिए खास अनुमति जरूरी होती थी, जो अब मिल गई है।

धीरेंद्र शास्त्री की देखरेख में काम करने वाली धार्मिक संस्था बागेश्वर जन सेवा समिति ग्राम गड़ा जिला छतरपुर मध्य प्रदेश में स्थित है। यह संस्था धार्मिक (हिंदू), सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्रों में काम करती है। अब विदेश से मिलने वाले फंड का उपयोग इन सभी कामों को आगे बढ़ाने में किया जा

सकेगा। बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पिछले कुछ समय से काफी चर्चा में हैं। उनके कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं और उनके अनुयायी भारत ही नहीं, विदेशों में भी मौजूद हैं। ऐसे में यह मंजूरी उनके लिए एक बड़ा कदम मानी जा रही है। हालांकि, इस मंजूरी के साथ कुछ जरूरी नियम भी जुड़े होते हैं। एफसीआरए के तहत जो भी संस्था विदेश से पैसा लेती है, उसे पूरा हिसाब रखना होता है। यानी पैसा कहां से आया और कहां खर्च हुआ, इसकी जानकारी सरकार को देनी होती है। साथ ही, एक तय बैंक खाते के जरिए ही यह लेन-देन करना होता है और समय-समय पर रिपोर्ट भी जमा करनी पड़ती है। संस्था को सभी नियमों को ध्यान में रखते हुए पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा। इस फैसले से बागेश्वर धाम की सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यह संस्था दान के जरिए मिलने वाले फंड से शिक्षा, सेवा और अन्य योजनाओं पर काम करती है।

2028 तक ढाई लाख पदों पर भर्ती करने की सरकार की योजना पर पदोन्नति प्रमोशन बड़ी

पदोन्नति की फांस में सरकारी नौकरियां!

● भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

मप्र में बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए सरकार ने सरकारी नौकरियों का पिटारा खोल दिया है। इसके लिए सरकार ने जो प्लान बनाया है उसके अनुसार, प्रदेश में 2028 तक ढाई लाख पदों पर भर्ती करने की योजना है। परंतु सरकार की इस योजना पर पदोन्नति की अड़चन भारी पड़ रही है। पदोन्नति नहीं होने से पद रिक्त नहीं हो रहे हैं, जिससे भर्ती की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। उधर, पदोन्नति नियम 2025 को लेकर परिदृश्य साफ नहीं है। जबलपुर हाई कोर्ट में मामले की सुनवाई 17 फरवरी को पूरी हो चुकी है और फैसला सुरक्षित रखा गया है। इस कारण सरकार चाहकर भी आगे कदम नहीं उठा पा रही है।

उधर, सेवानिवृत्त होते जा रहे कर्मचारी नाराज हैं कि पदोन्नति का पात्र होने के बावजूद वे आठ साल से प्रतीक्षा ही कर रहे हैं। सरकार ने पदोन्नति नियम 2025 तैयार करने के साथ यह योजना बनाई थी कि चरणबद्ध तरीके से तीन वर्ष में ढाई लाख पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए बाकायदा वित्त विभाग से सामान्य प्रशासन विभाग ने सहमति ली और दिशा-निर्देश जारी हुए मगर सारी तैयारी धरी की धरी रह गई। दरअसल, पदोन्नति नियम कानूनी प्रक्रिया में उलझ गए।

हाई कोर्ट के फैसले पर टिकी सरकार की अगली तैयारी

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हाई कोर्ट ने निर्णय सुरक्षित रखा है। हमारी तैयारी पूरी है और निर्णय के अनुसार कदम उठाए जाएंगे। इस बीच, पदोन्नति नियम को लेकर निर्णय शीघ्र आने की संभावना को देखते हुए गृह सहित अन्य विभागों ने उच्च पद का प्रभार देना बंद कर दिया था लेकिन अब यह व्यवस्था फिर प्रारंभ कर दी गई है। सूत्रों का कहना है कि निर्णय में विलंब के कारण काम प्रभावित हो रहा था, इसे देखते हुए राजस्व सहित कुछ विभागों में उच्च पद का प्रभार पदोन्नति के पात्र अधिकारियों को दिया गया है।

केवल नए स्वीकृत पदों पर ही हो पा रही है भर्ती

कानूनी उलझनों से जो पद पदोन्नति के कारण उपलब्ध होने थे वे अब तक नहीं मिले। इसका असर यह हो रहा है कि केवल उन पदों पर भर्ती की प्रक्रिया की जा रही है जो नए स्वीकृत हैं। इसमें शिक्षक, पुलिस आरक्षक, स्वास्थ्य कर्मी सहित अन्य पद शामिल हैं। उधर, पदोन्नति से वंचित कर्मचारी नाराज हैं क्योंकि पात्र होने के बाद भी उच्च पदनाम नहीं मिल पा रहा है। प्रतिमाह सेवानिवृत्ति होती जा रही है। मंत्रालय अधिकारी-कर्मचारी सेवा संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि नियमों को अखिल भारतीय सेवा संवर्ग के समान बनाया जाता तो कोई उलझन ही नहीं होती।हमने कई बार इसके लिए ज्ञापन भी दिए पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। यही कारण है कि यह मामला खिंचता जा रहा है, जिसका असर कामकाज पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

स्कूल शिक्षा और पंचायत विभाग में अनुकंपा के सबसे अधिक मामले लंबित

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। प्रदेश की सरकार हमेशा दावे करती है कि वह कर्मचारियों और उनके परिवारों के बड़ी हितैषी है। उनके हर दुख दर्द में सरकार सदैव साथ खड़े रहती है। इसी प्रकार अनुकंपा नियुक्ति को लेकर भी बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। लेकिन अनुकंपा नियुक्ति के लिए आश्रितों को परेशान होना पड़ रहा है। आश्रित परेशान होकर दफ्तर,अफसर और मंत्री के चक्कर लगा-लगाकर अधेड़ हो जाता है लेकिन उसे अनुकम्पा नियुक्ति नहीं मिलती। सरकार की लाख कोशिशों के बाद भी शासकीय विभागों में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का समय पर समाधान नहीं हो पा रहा है।

हर विभाग में लंबी अवधि गुजरने के बाद भी दिवंगतों के आश्रितों को सेवा में नहीं लिया गया है। मप्र राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव का कहना है कि अनुकंपा नियमों में शिथिलीकरण जरूरी है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग को पत्र लिखा गया है। चीफ सेक्रेटरी के समक्ष भी मुलाकात में इस मुद्दे को रखा गया है। नियमों की जटिलता से प्रकरण उलझे हैं। जानकारी के अनुसार, स्कूल शिक्षा और पंचायत विभाग में सबसे अधिक मामले लंबित पड़े हैं। अनुकंपा प्रकरणों का समाधान करने विभागवार अभियान चलाने के निर्देश सीएम दे चुके हैं, लेकिन किसी भी विभाग में इसका गंभीरता से पालन नहीं हो रहा है। पंचायत विभाग में पांच सौ प्रकरण अनुकंपा के लंबित पड़े हैं। साल 2011 से एक भी प्रकरण का विभाग में समाधान नहीं हो पाया है।

पूर्व और मौजूदा विभागीय मंत्री और प्रमुख सचिव को भी दिवंगतों के आश्रित अपनी पीड़ा बता चुके हैं। स्कूल शिक्षा विभाग में सात सौ प्रकरण लंबित पड़े हैं। ज्यादातर उन दिवंगत अध्यापकों के यह प्रकरण हैं, जिनका शिक्षा विभाग में संविलियन हुआ था। इसमें विभाग द्वारा बनाया गया जटिल नियम अनुकंपा में भारी पड़ रहा है। इस नियम में डीएड-बीएड करना अनिवार्य है। स्वास्थ्य विभाग में चार सौ प्रकरणों का चार साल बाद भी समाधान नहीं हो पाया है। अकेले भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में देखें तो साल 2018 के पूर्व जिनकी मृत्यु हुई उनके आश्रितों को अनुकंपा नहीं मिल पाई है। लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण यांत्रिकी, तकनीकी शिक्षा जैसे विभागों में बड़ी संख्या में दिवंगतों के आश्रितों को समय से अनुकंपा नहीं मिल पाई है।

छत्तीसगढ़

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी, मस्तूरी गोलीकांड में 'बेंच हंटिंग' का बताया मामला

बिलासपुर, प्रातः किरण संवाददाता। मस्तूरी गोलीकांड के एक सह आरोपी की याचिका और उसके कृत्य को लेकर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने कड़ी और तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के साथ ही महाधिवक्ता कार्यालय के एक पूर्व विधि अधिकारी के कृत्य को लेकर भी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा, इन सब तथ्यों को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह बेंच हंटिंग का मामला है। इस तरह के कृत्य की कतई सराहना नहीं की जा सकती।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, तथ्यों से स्पष्ट है, यह बेंच हंटिंग का स्पष्ट मामला है, जिसे इस न्यायालय द्वारा प्रोत्साहित या सराहा नहीं जा सकता है। इस संबंध में वकील रणबीर सिंह मरहास द्वारा पूछे गए स्पष्ट प्रश्न का वे उचित उत्तर नहीं दे सके, इसलिए सह-आरोपी देवेश सुमन उर्फ ??निक्कू का आचरण, जिसने उक्त मामले को उस बेंच से अपवाद बनाने के लिए दायर की है, जिसने किशोर द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया था, अत्यंत निंदनीय है। उसे कड़ी निंदा का पात्र माना जाना चाहिए और उसे किसी भी हालत में क्षमा नहीं किया जा सकता है।

रिकॉर्ड से यह स्पष्ट होता है कि सह-आरोपियों में से एक जो नाबालिग है, ने किशोर न्याय (देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 102 के तहत अपनी रिहाई के लिए छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाईकोर्ट में आपराधिक पुनरीक्षण याचिका दायर की है। उसे 29 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था और बिलासपुर के अवलोकन गृह में हिरासत में रखा गया था, जो पुलिस थाना मस्तूरी, जिला बिलासपुर में बीएनएस की धारा 109, 61(2), 3(5) और शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और 27 के तहत दंडनीय है। उसने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश स्रस्रष्ट, बाल न्यायालय, बिलासपुर द्वारा आपराधिक अपील में 31 दिसंबर 2025 को पारित आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है, जिसमें प्रधान न्यायाधीश, किशोर न्याय बोर्ड बिलासपुर द्वारा 09 दिसंबर 2025 को पारित आदेश को बरकरार रखा गया था। इसके तहत किशोर न्याय अधिनियम की धारा 12 के तहत दायर आवेदन खारिज कर दिया गया और उक्त आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को पंजीकृत किया गया। समन्वय पीठ के समक्ष सुनवाई हुई और उक्त पुनरीक्षण याचिका को पीठ ने 03 फरवरी 2026 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया। इसके बाद सह-आरोपी अकबर खान द्वारा, जिसे उसी अपराध के तहत गिरफ्तार किया गया था, बीएनएसएस, 2023 की धारा 483 के तहत एक अन्य जमानत याचिका दायर की गई, जो उसी पीठ के समक्ष आई, जिसने 13 फरवरी 2026 को खारिज कर दिया। उसी दिन उक्त जमानत याचिका स्वीकार कर ली गई और मामले की डायरी मंगवाई गई। मामले को 23 फरवरी 2026 को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया। 23 फरवरी 2026 को एक अन्य सह-आरोपी मोहम्मद मतीन द्वारा दायर एक अन्य जमानत याचिका, जिसे उसी अपराध के संबंध में गिरफ्तार किया गया था, उसी बेंच के समक्ष सूचीबद्ध होने के कारण, उक्त बेंच ने दोनों मामलों को 03 मार्च .2026 को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। 03 मार्च 2026 को दोनों मामले को फिर से सूचीबद्ध किया गया। पीठ ने मामले को 17 मार्च 2026 को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था।

11 आरोपियों को उम्रकैद, मामूली विवाद में वारदात को दिया था अंजाम

राजनांदगांव। जिले के नंदई क्षेत्र में 31 अगस्त 2022 को हुआ दोहरा हत्याकांड सिर्फ एक झगड़ा नहीं, बल्कि संगठित और घातक हमले का मामला था। करीब चार साल की सुनवाई और साक्ष्यों की पड़ताल के बाद अदालत ने इस केस में 11 आरोपियों को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। घटना चार साल पहले की है। आरोपियों ने एकजुट होकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। आरोपियों ने विकास उर्फ कन्हैया सारथी को निशाना बनाते हुए उस पर चाकू, तलवार और डंडों से लगातार हमला किया था, जिसके चलते मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस बीच झगड़ा रोकने की कोशिश कर रहे जितेंद्र साहू को भी हमलावरों ने नहीं छोड़ा। उसे कन्हैया का साथी समझकर चाकू मार दिया। घायल हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

कर्मचारी का घर में मिला शव कलाई की नस कटी हुई मिली

जगदलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। शहर के लालबाग इलाके में रिटायर्ड फॉरेस्ट रेंजर के पुत्र और में कार्यरत अतुल शर्मा का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। यह घटना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की है, जहां अतुल शर्मा अपने घर में अकेले रहते थे, जबकि उनके परिजन रायपुर में निवासरत बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में घर अंदर से बंद पाया गया, वहीं मृतक की कलाई की नस कटी हुई मिली। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण मौत होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि घर का केयरटेकर बीते दिन वहां पहुंचा और बेल बजाई, लेकिन काफी देर तक कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद वह लौट गया। इसके बाद आज सुबह कॉलोनीवासियों को घर से बदबू आने पर संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना वार्ड पार्षद को दी। पार्षद ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि बेड पर अतुल शर्मा की लाश पड़ी हुई थी और फर्श खून से सना हुआ था। वहीं लाश करीब 2 से 3 दिन पुरानी बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच जारी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

मंत्री बंगला घेरने जा रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की, सीएम हाउस घेराव की चेतावनी

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता। छत्तीसगढ़ में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर हल्ला का प्रदर्शन लगातार जारी है। आज हल्ला नेता और कार्यकर्ता ज्ञापन सौंपने उच्च शिक्षा मंत्री के बंगले जा रहे थे, जिसे पुलिस ने बैरिकेड लगाकर बंगला से पहले ही रोक दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान हल्ला ने मांग पूरी नहीं होने पर सीएम हाउस का घेराव करने की चेतावनी दी। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा, छात्र संघ चुनाव कराने की मांग को लेकर मंत्री बंगला जा रहे थे। इस दौरान पुलिस को आगे कर हमें रोक दिया गया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में पिछले 10 सालों से छात्रसंघ चुनाव नहीं हुआ है। छात्रसंघ चुनाव कराना ही हमारा मकसद है। यदि हमारी मांग नहीं मानी जाती है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

कल से सभी विधायकों को सौंपेंगे ज्ञापन- नीरज पांडेय ने कहा, कल से सभी विधायकों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। 20 अप्रैल को मशाल रैली निकाली जाएगी। अगर फिर भी सुनवाई नहीं हुई तो फिर सीएम हाउस का घेराव करेंगे।

राहत

36 घरों और कब्जों को तोड़ने पर लगी रोक

राजीव गांधी आश्रय योजना मामले में हाईकोर्ट ने दी याचिकाकर्ताओं को बड़ी राहत

बिलासपुर, प्रातः किरण संवाददाता। लिंगियाडीह बस्ती स्थित राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत राशि जमा करने वाले 36 रहवासियों के घरों और कब्जों को तोड़ने पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय की जस्टिस एन.के. चंद्रवंशी की एकल पीठ ने आज सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं को बड़ी राहत देते हुए उनके घरों और कब्जों पर तोड़फोड़ के खिलाफ अंतरिम रोक लगा दी है।गौरतलब है कि यह सभी याचिका करता 2019-20 में हुए सर्वे के तहत राजीव गांधी आश्रम योजना में पात्र माने गए थे जिसके तहत इन्हें कब्जे वाली जमीन पर ही पट्टा देने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया था। हालांकि 2024 में राज्य सरकार ने अपना निर्णय अमल नहीं किया और अब नगर निगम बिलासपुर ने उस जगह पर व्यावसायिक परिसर और गार्डन बनाने की योजना बनाई है।

आज हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस एन के चंद्रवंशी ने पूर्व में राजीव गांधी आश्चर्य योजना के तहत पैसा लेने के बाद भी पट्टा क्यों नहीं दिया गया इस पर सवाल राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अतिरिक्त महाधिवक्ता प्रवीण दास और नगर पालिका निगम के अधिवक्ता रणवीर सिंह मरहास से पूछे। जवाब में अधिवक्ता गणों ने बताया कि 2023 में शासकीय जमीन पर पट्टा देने वाले नियम बदल गए हैं और बदले नियम के अनुसार इन व्यक्तियों को अब वहां पर पट्टा नहीं दिया जा सकता और इसके बदले में इन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत खमतराई इलाके में फ्लैट सिस्टम में एक-एक छोटा मकान दिया जाना प्रस्तावित है। राज्य सरकार की ओर से यह भी बताया गया कि राजीव गांधी आश्रय योजना को अब रद्द कर दिया गया है। सरकारी वकीलों ने कब्जे वाली जमीन पर बाजार दुकान लगाने का भी आरोप लगाया।

इसके जवाब में याचिका कर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव अनिमेष वर्मा आशीष बैक आदि ने बताया की 2023 के अधिनियम के पूर्व ही 2019-20 की योजना में उन्हें पात्र मान लिया गया था और वह इसके तहत 2022 में प्रीमियम की राशि भी जमा कर चुके हैं ऐसे में 2023 में हुए नियम या कानून में किसी बदलाव से उनके पट्टा लेने के अधिकार पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता। इसके अलावा यह भी कहा गया कि 2023 का अधिनियम भी उनके पट्टा लेने के अधिकार को समाप्त नहीं करता है। लगातार कई दशकों से वहां निवास करने शासन की योजना में चयनित होने और पैसा जमा करने के कारण स्थापित कानून के तहत राज्य सरकार और नगर निगम अपने वादे से अब पीछे नहीं हट सकती।

आज प्रकरण में दो याचिकाओं में से एक याचिका पर नगर निगम का जवाब आने और राज्य सरकार का जवाब अपेक्षित होने तथा दूसरी याचिका में सभी जवाब अपेक्षित होने के तहत सभी पक्षों को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए। प्रारंभिक सुनवाई के बाद हाई कोर्ट की एकल पीठ ने इस मामले को विस्तृत रूप से सुनने के योग्य पाया और तब तक अंतरिम राहत के रूप में सभी याचिका कर्ताओं के मकान और कब्जा को ना तोड़ ने का आदेश दिया।

संघर्ष ही जीवन है और जीवन में शान्ति की आवश्यकता

संजय गोस्वामी

जीवन में रोग से घबराना नहीं चाहिए कल क्या होगा ऐ सिर्फ और सिर्फ भगवान राम जानता है इसलिए स्वस्थ रहने के लिए खुश रहना और खुश रहने के लिए भगवान राम का ध्यान करन से रोग स्वतः ठीक होगा आपको लगा शुगर ज्यादा हो गया और कुछ हो जाएगा तो ऐ सोचने से मानसिक दबाव पड़ता है यह एक प्राचीन प्रथा है जो सदियों से चली आ रही है, लेकिन हाल के वर्षों में शोधकर्ताओं द्वारा स्वास्थ्य पर इसके प्रभावों का अध्ययन करने के कारण इसमें फिर से रुचि पैदा हुई है। कई अध्ययनों ने ध्यान के अनेक लाभों को स्थापित किया है, जिनमें पुरानी बीमारियों के प्रबंधन में इसका उपयोग भी शामिल है ध्यान का उद्देश्य मन को शांत करना है, इसलिए यह मान लेना स्वाभाविक हो सकता है कि यह अभ्यास अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है हालांकि यह हर समस्या का अचूक इलाज नहीं है, लेकिन इन मानसिक बीमारियों से पीड़ित कई लोगों को ध्यान करने से कुछ राहत मिलती है । और इसके लाभों को प्रमाणित करने वाले वैज्ञानिक प्रमाण भी मौजूद हैं। एक मेटा-विश्लेषण में पाया गया कि आठ सप्ताह की अवधि के दौरान किए जाने वाले ध्यान कार्यक्रम अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकते हैं। इसमें सबसे उत्तम है भगवान राम का ध्यान जिससे आपके अंदर भगवान राम के कर्म की क्रिया को करने की उत्सुकता होगी और जिस दिन भगवान राम के ध्यान में एक चिंगारी भी आ गई तो इस संसार में आपका जीवन बदल गया डर खत्म होगा आप नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और शान्ति आपके कदम चूमेंगी और भगवान राम आपको सहायता करेंगे और हमेशा खुश रहेंगे भगवान राम नाम जप करते हुए ध्यान करेंगे तो स्वास्थ्य लाभ के साथ ही धर्म लाभ भी मिलेगे। मंत्र जप और ध्यान मंदिर में या अपने घर पर भी कर सकते हैं। जिस तरह स्वस्थ शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम किया जाता है, ठीक उसी तरह मन को स्वस्थ रखने के लिए ध्यान किया जाता है। मेडिटेशन करने से ब्लड प्रेशर संतुलित होता है, शरीर में ऊर्जा बढ़ती है, शरीर को ऑक्सीजन ज्यादा मिलती है, जिससे तनाव दूर होता है, नकारात्मक विचार खत्म होते हैं, मन शांत हो जाता है मंत्र जप पर किए गए आधुनिक शोध चौंकाने वाले परिणाम दे रहे हैं। जब हम राम बोलते हैं तो हमारे मुख, तालु और कंठ में विशेष कंपन उत्पन्न होती हैं। 1. मस्तिष्क पर प्रभाव अल्फा तरंगें बढ़ती हैं: मंत्र जप के दौरान ईईजी परीक्षणों में मस्तिष्क में अल्फा तरंगों की वृद्धि दर्ज की गई है, जो गहरी शांति और रचनात्मकता से जुड़ी है। कॉर्टिसोल घटता है: तनाव हार्मोन कॉर्टिसोल के स्तर में उल्लेखनीय कमी आती है। सेरोटोनिन बढ़ता है: खुशी के हार्मोन सेरोटोनिन का स्तर बढ़ता है, जिससे मूड बेहतर होता है। प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स सक्रियः निर्णय लेने और आत्म-नियंत्रण से जुड़ा मस्तिष्क का क्षेत्र अधिक सक्रिय होता है। 2. शरीर पर प्रभाव (ढ़८१ृ एा्रृ३२) रक्तचाप नियंत्रणः नियमित मंत्र जप से रक्तचाप में स्थिरता आती है। श्वास की लयः राम नाम का जप करते समय श्वास स्वाभाविक रूप से धीमी और गहरी हो जाती है, जो वेगस नर्व को सक्रिय करती है। प्रतिरोधक क्षमताः ध्यान और मंत्र जप से इम्यून सिस्टम बेहतर होता है। नींद की गुणवत्ताः नियमित जप करने वाले लोगों में बेहतर नींद के पैटर्न देखे गए हैं। 3. राम शब्द की ध्वनि विज्ञान रा उच्चारण करते समय मुख पूरा खुलता है और श्वास बाहर आती है – यह शरीर की दूषित ऊर्जा को बाहर निकालता है। म उच्चारण में होंठ बंद होते हैं और कंपन कपाल में गूंजती है – यह नई ऊर्जा को भीतर स्थिर करती है। इस प्रकार राम नाम एक संपूर्ण श्वास चक्र है। राम नाम जप के आध्यात्मिक फायदे विज्ञान जहाँ समाप्त होता है, वहाँ आध्यात्मिक अनुभव शुरू होता है। राम नाम के जप से होने वाले आध्यात्मिक परिवर्तन क्रमशः इस प्रकार हैं: प्रारंभिक चरण (1 लाख - 10 लाख जप) मन का भटकना कम होता है। दिनचर्या में अनुशासन आता है। क्रोध और अधीरता में स्वाभाविक कमी। भगवान के प्रति जिज्ञासा और प्रेम जागता है। मध्यम चरण (10 लाख - 50 लाख जप) ध्यान में गहराई आती है – मन तेजी से स्थिर होता है। जीवन की परिस्थितियों को स्वीकार करना आसान होता है। स्वप्न में राम दर्शन या रामलीला जैसे दृश्य आने लगते हैं।

ईरान-अमेरिका युद्ध के दुष्परिणाम

राजीव खंडेलवाल

लोकतंत्र बदनाम – धार्मिक तानाशाही के आगे लोकतंत्र हारा? यूरेनियम संवर्धन के लिए युद्ध करना और युद्धविराम तोड़ना – कितना उचित? विश्व में शासन की तीन प्रमुख प्रणालियाँ हैं–लोकशाही (लोकतंत्र), राजशाही (राजतंत्र) और तानाशाही। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका और इजराइल स्वयं को लोकतांत्रिक मूल्यों के वाहक के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जबकि ईरान की शासन प्रणाली इन तीनों से भिन्न एक विशिष्ट धर्मतांत्रिक गणतंत्र है। ईरान की शासन प्रणालीः एक अनोखा मिश्रण। ईरान में विलायत-ए-फकीह सिद्धांत लागू है, जिसके अंतर्गत सर्वोच्च नेता का चयन प्रत्यक्ष जनता द्वारा नहीं, बल्कि विशेषज्ञों की सभा द्वारा किया जाता है। यह प्रणाली लोकतंत्र और तानाशाही का ऐसा मिश्रण है, जिसमें ऊपर से लोकतंत्र, भीतर से तानाशाही का कठोर नियंत्रण स्पष्ट झलकता है। वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति ने मोहम्मद रेजा पहलवी की राजशाही का अंत कर दिया और धर्म आधारित शासन की स्थापना की। आज ईरान एक ऐसा राष्ट्र है जहाँ धर्म और राजनीति एक ही सिक्के के दो पहलू बन चुके हैं। वर्तमान में पहलवी निर्वासित रूप से अमेरिका में रह रहे है। लोकतंत्र की पराजय? 28 फरवरी 2026 से प्रारंभ ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध संघर्ष ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिका, जो स्वयं को लोकतंत्र का झंडाबरदार मानता है, ने परमाणु कार्यक्रम पर चल रही सहमति बनाने की वार्ता के अंतिम चरण में अचानक आक्रमण (इजरायल के दबाव अथवा कहने से) कर बातचीत की मेज उलट दीह्व। विपरीत इसके नागरिक ठिकानों पर हमले कर निर्दोषों की मौत, एक साथ 168 स्कूली बच्चों की नृशंस हत्या के (26 फरवरी 2026) की ये सब घटनाएँ लोकतांत्रिक एवं मानवीय मूल्यों पर कालिख पोतने के समान प्रतीत होती हैं। दूसरी ओर, ईरान ने सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे जैसी रणनीति अपनाते हुए संयम और जवाबी कार्रवाई का संतुलन बनाए रखा। ट्रंप के उत्तेजित करने वाले बयानों से प्रभावित, विचलित हुए बिना, ईरान इस्लामाबाद शांति वार्ता में सौम्यता पूर्वक लेकिन दृढ़ता से अपनी सार्वभौमिकता एवं संप्रभुता के साथ वार्ता में भाग लिया। हर गंभीर धमकी भरे बयानों का भी जवाब आक्रर्मण कार्रवाई किये जाने तक संयम का परिचय देते हुए कार्रवाई के बाद माकूल जवाब दिया। परिणामस्वरूप, वैश्विक जनमत का एक बड़ा वर्ग ईरान खासकर वहां की जनता के पक्ष में सहानुभूति रखने लगा। विडंबना यह रही कि जिस ईरान में कुछ समय पूर्व जनता शासकों के खिलाफ शासन परिवर्तन के लिए सड़कों पर थी, वही जनता बाहरी हमले के विरोध में एकजुट हो गई। यह स्थिति घर का भेदी लंका ढाए के विपरीत बाहरी खतरे व आक्रमण ने अंदरूनी मतभेद भुला दिए का उदाहरण बन गई। उधर अमेरिका में भी व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। सभी 50 राज्यों में लगभग 3000 स्थानों पर 90 लाख से अधिक नागरिकों द्वारा विरोध प्रदर्शन हुए। जिससे यह स्पष्ट हुआ कि लोकतंत्र के भीतर भी असहमति की आवाजें अंगारों की तरह सुलग रही हैं। ट्रम्प की रेटिंग गिरी है। स्पष्ट है, ट्रंप के बेकहूफियों से भरे इन गलत कदमों से लोकतंत्र हारा व इस्लामिक तानाशाही शासक विजयी भाव से मद मस्तक हो गया। अमेरिका की विश्वशनीयता घाटी तथा जगहंसाई हुई अलग। परमाणु शक्तिः दादागिरी एवं दोहरा मापदंड? ईरान-अमेरिका-इस्लामाबाद शांति वार्ता के असफल होने का प्रमुख कारण अमेरिका ने यूरेनियम संवर्धन पर सहमति न होना बतलाया। प्रश्न यह उठता है कि जो राष्ट्र स्वयं परमाणु हथियारों से लैस हैं, वे दूसरे देश जो परमाणु संपन्न हथियारों से संपन्न देशों के आक्रमण से ग्रसित हैं, भयभीत हैं, को इस अधिकार से वंचित क्यों करना चाहते हैं?

युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास अस्त्र से सशक्त करना भारत के भविष्य का को सशक्त करना है

जिससे सफलता के द्वार खुलते हैं क्योंकि शिक्षा व कौशलता ग्रहण करने के बाद ही वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, अविष्कारक सहित नवोन्मेष, नवाचारों के प्रणेता बनने की और देश सेवा कर अपने देश के विकास करने का अवसर मिलता है। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो हम सभी जानते हैं कि भारत की 68 फीसदी जनसंख्या युवा है और भारत एक युवा देश है इसको ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति 2020 बनाई गई है जिसके आधार पर वर्तमान समय में शैक्षणिक नीतियां, रणनीतियां व रणनीतिक रोडमैप बनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसका परिणाम हमें आने वाले कुछ वर्षों में विस्तृत स्तर पर दिखेगा, क्योंकि इस एनईपी - 2020 में युवाओं और प्रौढ़ शिक्षा के अनेक स्तरों पर रणनीतिक रोडमैप बनाने के द्वार खोले गए हैं,जिसका क्रियान्वयन उसीके अनुरूप करने की विशेष जरूरत है क्योंकि किसी भी रणनीतिक रोडमैप को उसके कार्यक्रम के अनुसार क्रियान्वयन किए जाए, तो सीमित संसाधनों से भी अनुकूल सबसे बड़ा सकारात्मक परिवर्तन हो सकता है। साथियों बात अगर हम वर्तमान युग में युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास के अस्त्र से सशक्त करने की करें तो आज के नए डिजिटल भारत में युवा पीढ़ी देश के नेशन बिल्डर हैं।शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता के साथ युवाओं की क्षमता का विस्तार वैश्विक स्तर की उच्च शिक्षा के अनुरूप करने की

किशन सनमुखदास भावनानीं

(लेखक)

वैश्विक स्तरपर किसी भी देश की संपन्नता, सफलता, उच्चस्तरीय अर्थव्यवस्था और हर क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखने की नींव के पहियों में से एक सबसे मजबूत और महत्वपूर्ण आधारस्तंभ शिक्षा व कौशलता विकास है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि शिक्षा और कौशलता विकास सफलता, संपन्नता सहित सभी क्षेत्रों की एक ऐसी चाबी है जिससे सफलता के द्वार खुलते हैं क्योंकि शिक्षा व कौशलता ग्रहण करने के बाद ही वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, अविष्कारक सहित नवोन्मेष, नवाचारों के प्रणेता बनने की और देश सेवा कर अपने देश के विकास करने का अवसर मिलता है। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो हम सभी जानते हैं कि भारत की 68 फीसदी जनसंख्या युवा है और भारत एक युवा देश है इसको ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति 2020 बनाई गई है जिसके आधार पर वर्तमान समय में शैक्षणिक नीतियां, रणनीतियां व रणनीतिक रोडमैप बनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसका परिणाम हमें आने वाले कुछ वर्षों में विस्तृत स्तर पर दिखेगा, क्योंकि इस एनईपी - 2020 में युवाओं और प्रौढ़ शिक्षा के अनेक स्तरों पर रणनीतिक रोडमैप बनाने के द्वार खोले गए हैं,जिसका क्रियान्वयन उसीके अनुरूप करने की विशेष जरूरत है क्योंकि किसी भी रणनीतिक रोडमैप को उसके कार्यक्रम के अनुसार क्रियान्वयन किए जाए, तो सीमित संसाधनों से भी अनुकूल सबसे बड़ा सकारात्मक परिवर्तन हो सकता है। साथियों बात अगर हम वर्तमान युग में युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास के अस्त्र से सशक्त करने की करें तो आज के नए डिजिटल भारत में युवा पीढ़ी देश के नेशन बिल्डर हैं।शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता के साथ युवाओं की क्षमता का विस्तार वैश्विक स्तर की उच्च शिक्षा के अनुरूप करने की जरूरत है जिससे हमारे भारत का भविष्य सशक्त होगा क्योंकि शिक्षा के मजबूत अंतरराष्ट्रीय स्तर के ढांचे से निकलने के बाद हमारे युवा वैश्विक स्तरपर श्रेष्ठ वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, अविष्कारक की भूमिका में होंगे जिस पर देश में नवाचार, नवोन्मेष, डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष की क्रांति आएगी और हर स्तरपर हर क्षेत्र में हमारे युवा उस क्षेत्र के विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं देंगे तो हमारा विजन 2047, विजन 5 ट्रिलियन डॉलर,विजन आत्मनिर्भर भारत के स्वप्नों को उसकी डेट लाइन से कहीं बहुत अधिक समय पहले हम पहुंचजाएंगे। बस, जरूरत है संकल्प, जांबाजी और जज्बे से अपने शिक्षा व कौशलता के स्तर को अपने अनुरूप बनाने में जुट जाने की। साथियों बात अगर हम केंद्र और राज्य सरकार द्वारा होली के विभिन्न योजनाओं की करें तो करें तो शिक्षा, उन्नति और प्रोत्साहन के लिए अनेक द्वार खोले गए हैं उसके लिए बजट एलोकेशन भी किए गए हैं परंतु बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं है बजट को यदि ठीक से क्रियान्वित किया जाए तो सीमित संसाधनों से भी बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है !बस,जरूरत है हमें कुछ कर गुजरने के संकल्प लेने की साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा शिक्षा और कौशलता विकास क्षेत्रों पर केंद्रीय बजट 2025 के सकारात्मक प्रभाव पर एक वेबीनार को संबोधन करने की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने बजट 2025 में शामिल पांच पहलुओं पर विस्तार से बताया। सबसे पहले, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को व्यापक बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं यानी शिक्षा क्षेत्र की बढ़ी हुई क्षमताओं के साथ बेहतर गुणवत्ता के साथ शिक्षा का विस्तार करना। दूसरा, कौशल विकास पर जोर दिया गया है। एक डिजिटल कौशल इको-सिस्टम बनाने, उद्योग की मांग के अनुसार कौशल विकास और बेहतर उद्योग संपर्क बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। तीसरा, भारत के प्राचीन अनुभव तथा शहरी तथा योजना एवं डिजाइनिंग के ज्ञान को शिक्षा में शामिल करना महत्वपूर्ण है। चौथा, अंतर्राष्ट्रीयकरण पर बल दिया गया है। इसमें विश्व स्तर के विदेशी विश्वविद्यालयों का आगमन और गिफ्ट सिटी के संस्थानों को फिनटेक से संबंधित संस्थान सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। पांचवां, एनिमेशन विजुअल इफेक्ट्स गेमिंग कॉमिक (एवीजीवी) पर ध्यान केंद्रित करना, जहां रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और जो एक बड़ा वैश्विक बाजार है। उन्होंने कहा, इस बजट से राष्ट्रीय शिक्षा नीति को साकार करने में काफी मदद मिलेगी।उन्होंने राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में युवा पीढ़ी के महत्व पर जोर देते हुए संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा,हमारी आज की युवा पीढ़ी, देश के भविष्य की कर्णधार है, वही भविष्य के नेशन बिल्डर्स हैं। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को एंपावरिंग करने का मतलब है, भारत के भविष्य को एंपावर करना। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भर भारत के लिए वैश्विक प्रतिभा की मांग के दृष्टिकोण से गतिशील कौशल महत्वपूर्ण है। उन्होंने रोजगार की बदलती भूमिकओं की मांगों के अनुसार देश के जनसांख्यिकीय लाभांश को तैयार करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसी सोच को ध्यान में रखते हुए बजट में स्किलिंग एंड लाइवलीहुड और ई-स्किलिंग लैब के लिए डिजिटल इको-सिस्टम की घोषणा की गई थी।उन्होंने कहा कि कई राज्यों में स्थानीय भाषाओं में चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा भी दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने स्थानीय भारतीय भाषाओं में डिजिटल प्रारूप में सर्वोत्तम सामग्री बनाने में गति लाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी सामग्री इंटरनेट, मोबाइल फोन, टीवी और रेडियो के माध्यम से उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने सांकेतिक भाषाओं में सामग्री के संबंध में काम को प्राथमिकता के साथ जारी रखने की आवश्यकता को दोहराया। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि युवा पीढ़ी देश के नेशन बिल्डर हैं युवा पीढ़ी को शिक्षा कौशलता अस्त्र से सशक्त करना भारत के भविष्य का को सशक्त करना है!!

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर लोकसभा में मंथन और राजनीति का नया दौर

चर्चा के लिए पहले मतदान हुआ जिसमें बहुमत ने इस विषय पर बहस को मंजूरी दी और अब सभी दल अपने अपने तर्कों के साथ मैदान में हैं।यह पूरा घटनाक्रम उस पृष्ठभूमि में हो रहा है जब वर्ष 2023 में महिला आरक्षण कानून को संसद से मंजूरी मिली थी। उस समय इसे नारी सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया गया था लेकिन इसके लागू होने की समयसीमा जनगणना और परिसीमन से जुड़ी शर्तों के कारण आगे खिसकती नजर आ रही थी। अब सरकार ने संशोधन के जरिए इन प्रक्रियाओं को सरल बनाने और लागू करने की समयसीमा को आगे लाने की कोशिश की है ताकि वर्ष 2029 के आम चुनावों तक इसका प्रभाव दिखाई दे सके।नए प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा की कुल सीटों की संख्या को बढ़ाकर 850 करने की योजना है। वर्तमान में यह संख्या 543 है। इस विस्तार के साथ ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है जिससे लगभग 273 सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित होंगी। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं बल्कि प्रतिनिधित्व के स्वरूप का भी संकेत देता है क्योंकि इससे संसद में महिलाओं की भागीदारी में बड़ा उछाल आ सकता है।

कांतिलाल मांडोत

लेखक

लोकसभा में महिला आरक्षण कानून से जुड़े तीन महत्वपूर्ण संशोधन विधेयक पेश होने के साथ ही देश की राजनीति एक नए चरण में प्रवेश करती दिखाई दे रही है। इन विधेयकों पर चर्चा के लिए सदन में लंबा समय तय किया गया है और इसके साथ ही यह स्पष्ट हो गया है कि यह केवल एक कानून नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का बड़ा प्रश्न बन चुका है। चर्चा के लिए पहले मतदान हुआ जिसमें बहुमत ने इस विषय पर बहस को मंजूरी दी और अब सभी दल अपने अपने तर्कों के साथ मैदान में हैं।यह पूरा घटनाक्रम उस पृष्ठभूमि में हो रहा है जब वर्ष 2023 में महिला आरक्षण कानून को संसद से मंजूरी मिली थी। उस समय इसे नारी सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया गया था लेकिन इसके लागू होने की समयसीमा जनगणना और परिसीमन से जुड़ी शर्तों के कारण आगे खिसकती नजर आ रही थी। अब सरकार ने संशोधन के जरिए इन प्रक्रियाओं को सरल बनाने और लागू करने की समयसीमा को आगे लाने की कोशिश की है ताकि वर्ष 2029 के आम चुनावों तक इसका प्रभाव दिखाई दे सके।नए प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा की कुल सीटों की संख्या को बढ़ाकर 850 करने की योजना है। वर्तमान में यह संख्या 543 है। इस विस्तार के साथ ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है जिससे लगभग 273 सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित होंगी। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं बल्कि प्रतिनिधित्व के स्वरूप का भी संकेत देता है क्योंकि इससे संसद में महिलाओं की भागीदारी में बड़ा उछाल आ सकता है।सरकार का तर्क है कि यह संशोधन सामाजिक न्याय और समान भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। उनका कहना है कि संविधान में संशोधन करने का अधिकार संसद को है और समय समय पर देश की जरूरतों के अनुसार ऐसे बदलाव जरूरी होते हैं। इस दृष्टिकोण के साथ सरकार यह भी स्पष्ट कर रही है कि परिसीमन की प्रक्रिया को नई जनगणना के बजाय 2011 के आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा जिससे देरी कम हो और कानून जल्दी लागू हो सके।वहीं विपक्ष ने इस पूरे प्रस्ताव पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि महिला आरक्षण का वे समर्थन करते हैं लेकिन परिसीमन और सीटों की संख्या बढ़ाने के तरीके पर आपत्ति है। विपक्षी दलों का आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए राज्यों के बीच संतुलन बिगाड़ने की कोशिश हो रही है और यह संघीय ढांचे के लिए चुनौती बन सकता है। कुछ नेताओं ने इसे समाज को वर्गों में बांटने की साजिश भी बताया है।राजनीतिक बहस का एक और महत्वपूर्ण पहलू मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की मांग को लेकर सामने आया है। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि अगर महिलाओं को आरक्षण दिया जा रहा है तो उसमें सभी वर्गों की महिलाओं को समान रूप से शामिल किया जाना चाहिए। इसके जवाब में सरकार की ओर से यह कहा गया कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संविधान के खिलाफ है और यह संभव नहीं है। इस पर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस देखने को मिली।इस पूरे विवाद में परिसीमन सबसे अहम मुद्दा बनकर उभरा है। परिसीमन का मतलब है चुनावी क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण ताकि जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। अभी तक सीटों का निर्धारण 1971 की जनगणना के आधार पर किया जा रहा था लेकिन अब इसमें बदलाव का प्रस्ताव है। नए प्रस्ताव के तहत संसद को यह अधिकार दिया जाएगा कि वह तय करे कि किस जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन किया जाए। इस बदलाव का असर राज्यों पर अलग अलग तरीके से पड़ सकता है। अनुमान के अनुसार उत्तर प्रदेश बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों को सीटों में बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा जबकि दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में सीटों का अनुपात घट सकता है। यही कारण है कि तमिलनाडु और अन्य राज्यों के नेताओं ने इसका विरोध किया है और इसे क्षेत्रीय असंतुलन की ओर कदम बताया है।महिला आरक्षण के प्रभाव को समझने के लिए वर्तमान स्थिति पर नजर डालना जरूरी है। अभी लोकसभा में महिलाओं की संख्या बहुत कम है और कुल सदस्यों का लगभग चौदह प्रतिशत ही महिलाएं हैं। राज्यसभा में भी यह प्रतिशत बहुत ज्यादा नहीं है। वैश्विक स्तर पर देखें तो भारत इस मामले में काफी पीछे है और कई छोटे देश भी महिलाओं के प्रतिनिधित्व में आगे हैं। ऐसे में यह कानून भारत को इस दिशा में आगे ले जाने की क्षमता रखता है। हालांकि इसके साथ कुछ व्यावहारिक चुनौतियां भी हैं। आरक्षित सीटों का रोटेशन हर चुनाव में होगा जिससे नेताओं को अपने क्षेत्र बदलने पड़ सकते हैं। इसके अलावा राजनीतिक दलों को भी अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा और अधिक संख्या में महिला उम्मीदवारों को तैयार करना होगा। यह बदलाव केवल कानून से नहीं बल्कि राजनीतिक संस्कृति में परिवर्तन से ही सफल हो सकता है। संविधान संशोधन होने के कारण इस विधेयक को पारित करने के लिए विशेष बहुमत की आवश्यकता है। इसका मतलब है कि केवल साधारण बहुमत से काम नहीं चलेगा बल्कि उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का दो तिहाई समर्थन जरूरी होगा। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार सरकार के पास बहुमत है लेकिन दो तिहाई समर्थन के लिए उसे अन्य दलों से भी सहयोग लेना पड़ सकता है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास अस्त्र से सशक्त करना भारत के भविष्य का को सशक्त करना है

वैश्विक स्तरपर किसी भी देश की संपन्नता, सफलता, उच्चस्तरीय अर्थव्यवस्था और हर क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखने की नींव के पहियों में से एक सबसे मजबूत और महत्वपूर्ण आधारस्तंभ शिक्षा व कौशलता विकास है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि शिक्षा और कौशलता विकास सफलता, संपन्नता सहित सभी क्षेत्रों की एक ऐसी चाबी है जिससे सफलता के द्वार खुलते हैं क्योंकि शिक्षा व कौशलता ग्रहण करने के बाद ही वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, अविष्कारक सहित नवोन्मेष, नवाचारों के प्रणेता बनने की और देश सेवा कर अपने देश के विकास करने का अवसर मिलता है।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो हम सभी जानते हैं कि भारत की 68 फीसदी जनसंख्या युवा है और भारत एक युवा देश है इसको ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति 2020 बनाई गई है जिसके आधार पर वर्तमान समय में शैक्षणिक नीतियां, रणनीतियां व रणनीतिक रोडमैप बनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसका परिणाम हमें आने वाले कुछ वर्षों में विस्तृत स्तर पर दिखेगा, क्योंकि इस एनईपी - 2020 में युवाओं और प्रौढ़ शिक्षा के अनेक स्तरों पर रणनीतिक रोडमैप बनाने के द्वार खोले गए हैं,जिसका क्रियान्वयन उसीके अनुरूप करने की विशेष जरूरत है क्योंकि किसी भी रणनीतिक रोडमैप को उसके कार्यक्रम के अनुसार क्रियान्वयन किए जाए, तो सीमित संसाधनों से भी अनुकूल सबसे बड़ा सकारात्मक परिवर्तन हो सकता है। साथियों बात अगर हम वर्तमान युग में युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास के अस्त्र से सशक्त करने की करें तो आज के नए डिजिटल भारत में युवा पीढ़ी देश के नेशन बिल्डर हैं।शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता के साथ युवाओं की क्षमता का विस्तार वैश्विक स्तर की उच्च शिक्षा के अनुरूप करने की जरूरत है जिससे हमारे भारत का भविष्य सशक्त होगा क्योंकि शिक्षा के मजबूत अंतरराष्ट्रीय स्तर के ढांचे से निकलने के बाद हमारे युवा वैश्विक स्तरपर श्रेष्ठ वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, अविष्कारक की भूमिका में होंगे जिस पर देश में नवाचार, नवोन्मेष, डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष की क्रांति आएगी और हर स्तरपर हर क्षेत्र में हमारे युवा उस क्षेत्र के विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं देंगे तो हमारा विजन 2047, विजन 5 ट्रिलियन डॉलर,विजन आत्मनिर्भर भारत के स्वप्नों को उसकी डेट लाइन से कहीं बहुत अधिक समय पहले हम पहुंचजाएंगे। बस, जरूरत है संकल्प, जांबाजी और जज्बे से अपने शिक्षा व कौशलता के स्तर को अपने अनुरूप बनाने में जुट जाने की। साथियों बात अगर हम केंद्र और राज्य सरकार द्वारा होली के विभिन्न योजनाओं की करें तो करें तो शिक्षा, उन्नति और प्रोत्साहन के लिए अनेक द्वार खोले गए हैं उसके लिए बजट एलोकेशन भी किए गए हैं परंतु बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं है बजट को यदि ठीक से क्रियान्वित किया जाए तो सीमित संसाधनों से भी बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है !बस,जरूरत है हमें कुछ कर गुजरने के संकल्प लेने की साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा शिक्षा और कौशलता विकास क्षेत्रों पर केंद्रीय बजट 2025 के सकारात्मक प्रभाव पर एक वेबीनार को संबोधन करने की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने बजट 2025 में शामिल पांच पहलुओं पर विस्तार से बताया। सबसे पहले, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को व्यापक बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं यानी शिक्षा क्षेत्र की बढ़ी हुई क्षमताओं के साथ बेहतर गुणवत्ता के साथ शिक्षा का विस्तार करना। दूसरा, कौशल विकास पर जोर दिया गया है। एक डिजिटल कौशल इको-सिस्टम बनाने, उद्योग की मांग के अनुसार कौशल विकास और बेहतर उद्योग संपर्क बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। तीसरा, भारत के प्राचीन अनुभव तथा शहरी तथा योजना एवं डिजाइनिंग के ज्ञान को शिक्षा में शामिल करना महत्वपूर्ण है। चौथा, अंतर्राष्ट्रीयकरण पर बल दिया गया है। इसमें विश्व स्तर के विदेशी विश्वविद्यालयों का आगमन और गिफ्ट सिटी के संस्थानों को फिनटेक से संबंधित संस्थान सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। पांचवां, एनिमेशन विजुअल इफेक्ट्स गेमिंग कॉमिक (एवीजीवी) पर ध्यान केंद्रित करना, जहां रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और जो एक बड़ा वैश्विक बाजार है। उन्होंने कहा, इस बजट से राष्ट्रीय शिक्षा नीति को साकार करने में काफी मदद मिलेगी।उन्होंने राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में युवा पीढ़ी के महत्व पर जोर देते हुए संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा,हमारी आज की युवा पीढ़ी, देश के भविष्य की कर्णधार है, वही भविष्य के नेशन बिल्डर्स हैं।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 18 अप्रैल, 2026

संक्षिप्त खबरें

देवरिया के ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपलाइन के लिए खोदी सडक, नहीं हुई मरम्मत

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के भाटपार रानी तहसील क्षेत्र में जल-नल योजना की पाइपलाइन बिछाने के कारण मुख्य सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। यह पाइपलाइन लगभग एक वर्ष पूर्व बिछाई गई थी। इसके अतिरिक्त, जगह-जगह पाइपलाइन में टूटी (स्टॉपकॉक) न लगने से पानी का भारी नुकसान भी हो रहा है। अधिशासी अभियंता अनिल जाटव ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी।

सड़क का निर्माण कार्य शुरू, लोगों को धूल और गड्ढों से मिलेगी मुक्ति

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद के मेहरौना-चुरिया रोड के निर्माण कार्य की शुरूआत से क्षेत्रवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है। धूल, गहरे गड्ढों और बिखरे पत्थरों के कारण रोजाना आवागमन करना चुनौतीपूर्ण हो गया था। खासकर बारिश के दिनों में कीचड़ और गर्मियों में उड़ती धूल से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। स्थानीय लोग लंबे समय इस सड़क के निर्माण की मांग कर रहे थे। अब जब निर्माण कार्य शुरू होने से लोगों को राहत की उम्मीद है। राजन सिंह, शिवम सिंह, अनुराग सिंह, अरविन्द सिंह, प्रेम प्रकाश, बृजमोहन, प्रकाश, संतोष, चंदन, सतेन्द्र सहित कई ग्रामीणों ने कहा कि अब उन्हें धूल और गड्ढों से छुटकारा मिलेगा। अधिशासी अभियंता जंग बहादुर ने बताया निर्माण कार्य शुरू हो गया है और इसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जायेगा।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

अमेठी। उत्तर प्रदेश में अमेठी जनपद के मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कमला नगर बाजार में तेज रफ्तार दो बाइकों की आपस में टक्कर हो गई। घटना में छह लोग घायल हुए। इनमें से इलाज के दौरान एक घायल की मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस आवश्यक वैधानिक कार्यवाही में लगी हुई है। कोतवाल ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार बीती रात गौरीगंज मुसाफिरखाना रोड पर स्थित कमला नगर बाजार में आमने-सामने से दो बाइक सवारों की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक पर बैठे कुल छह लोग घायल हुए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां पर इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी को मामूली चोटे आई थी। प्राथमिक उपचार के बाद सब को घर भेज दिया गया। कोतवाल ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जिला अस्पताल से पंचायतनामा भरकर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक युवक की पहचान पवन कुमार (28), ग्राम पनिया, पोस्ट नरौली के रूप में हुई है। दोनों बाइक सवारों में से किसी की भी ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। शेष आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में मोपेड सवार की मौत

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद के गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नेता रोड तिराहा रामगंज में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में मोपेड सवार अधेड़ की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गौरीगंज मुसाफिरखाना रोड पर स्थित नेता रोड तिराहा रामगंज में दूध डेरी के पिकअप वाहन से मोपेड सवार अधेड़ टकरा गया। जिसके चलते अधेड़ की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे उतर गई। इसके बाद पिकअप सवार ड्राइवर सहित दो लोग बाल-बाल बच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पिकअप वाहन एवं उसके ड्राइवर को कब्जे में ले लिया है तथा मृत्यु के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है। गौरीगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि मृतक की पहचान नन्हे बाबू पांडेय पुत्र गया प्रसाद पांडेय निवासी इंदरिया मजरे किटियांवा थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों को सूचित करते हुए लाश का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

संभल में सरकारी जमीन पर बनी अवैध मस्जिद और 35 फीट ऊंची मीनार गिराई गई

● अवैध निर्माण ढहाने के समय जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक रहे मौजूद खेल के मैदान और खाद के गड्ढे के लिए 600 वर्गमी जमीन कराई गई कब्जामुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल के असमोली थाना क्षेत्र के मुबारकपुर बंद गांव में शुक्रवार को भी सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से बनी मस्जिद और अन्य निर्माण को गिरा दिया गया। इस 600 वर्गमीटर जमीन खेल के मैदान और खाद के गड्ढे के लिए थी। अब इस जमीन पर से अवैध कब्जा हटाया दिया गया है। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल के साथ जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी मौजूद थे। आज सुबह नौ बजे के लगभग सरकारी अमला जसीबी मशीन आदि के साथ मुबारकपुर गांव पहुंचे। सबसे पहले सुबह साढ़े 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक मस्जिद के बाहर की पांच दुकानों को तोड़ा गया। इसके बाद दोपहर डेढ़ बजे सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से बनी मस्जिद और 35 फीट ऊंची मीनार गिरा दी गई। किसी भी स्थिति से निपटनके के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इस मामले में जिलाधिकारी संभल राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि तहसील संभल के मुबारकपुर बंद गांव में ग्राम प्रधान ने तीन महीने पहले शिकायत करने के साथ ही 67 धारा में वाद दायर किया गया तहसीलदार के न्यायालय में सुनवाई की गई और सुनवाई के बाद 30 दिन अपील का समय दिया गया। उन्होंने बताया कि यहां दो अवैध निर्माण थे और यहां के लोगों से खुद हटाने के लिए कहा था, लेकिन वे लोग गिरा नहीं पाये और प्रशासन से गुहार लगाई कि प्रशासन ही अपने संसाधनों से गिराये। इसके बाद प्रशासन ने अपने स्तर से कार्यवाही अवैध निर्माण गिणा दिया गया। उन्होंने बताया कि यह जमीन खेल का मैदान ओर खाद के गड्ढे की थी और इसका रकबा 600 वर्गमीटर है और इसी जमीन पर किया गया कब्जा हटाया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रशासन लैंड बैंक बनाने की कार्यवाही कर रहा है। जिले में रिजर्व लैंड ओर सरकारी भूमि पर किये गये सभी प्रकार के कब्जे हटाये जा रहे हैं। दरअसल, मुबारकपुर सरकारी जमीन पर अवैध निमार्ण का यह मामला जनपद संभल के मुबारकपुर बंद गांव का है। प्रशासन के मुताबिक 15 साल पहले सरकारी जमीन पर मस्जिद का निर्माण कराया गया था। इसके आसपास भी लोगों ने कई कब्जे कर लिये थे। इसके पहले गुरुवार को भी सरकारी जमीन पर मस्जिद के इर्द गिर्द अवैध निर्माण को गिराया गया था। उल्लेखनीय है कि पहले 5 अप्रैल को मस्जिद समेत सभी अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई होनी थी, लेकिन उस समय बुलडोजर चालक ने मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार तोड़ने से मना कर दिया था। उसका कहना था कि मीनार उसके ऊपर गिर सकती है। इसके बाद प्रशासन ने कार्ययोजना बनाकर इन सभी अवैध निमार्णों को ढहाने की प्रक्रिया शुरू की थी। गांव में लगभग 50 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

सीएचसी स्योहारा सहित तीन स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक/जे.डी. मुरादाबाद मंडल डॉ. देवीदास ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) सहसपुर तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर महमूदपुर का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सबसे पहले स्वास्थ्य केंद्रों की साफ-सफाई का जायजा लिया। इसके बाद ओपीडी, स्टोर रूम और प्रसूता भवन की व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा। सीएचसी स्योहारा में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण करते हुए दवाओं की उपलब्धता की भी जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. देवीदास ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर महमूदपुर पहुंचकर वहां दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति जानी। इस दौरान सीएचओ मोहिनी एवं आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं। उन्होंने सभी को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान की प्रगति की भी समीक्षा करते हुए जमीनी स्तर पर उनके प्रभाव का आकलन किया। सीएचसी स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही को निर्देशित किया गया कि वह नियमित रूप से केंद्र का निरीक्षण करें और आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं। गर्मी को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में लिक्विड फ्लूड, दवाएं और ओआरएस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। हीट वेव से निपटने के लिए कोल्ड वार्ड की व्यवस्था करने, स्टाफ की ड्यूटी लगाने और आवश्यक प्रशिक्षण देने को भी कहा गया। इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार, फार्मासिस्ट योगेश, हरीश, एआरओ आलोक कुमार, बीपीएम शालिनी बिश्नोई, स्टाफ नर्स अमृता, नीरज, अमित, देवेंद्र, डीईओ राशि अनम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

मेरी एंड जीसस कॉन्वेंट स्कूल का 10वीं में शत-प्रतिशत परिणाम, कृतिका बनी टॉपर

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। नगर के मुरादाबाद मार्ग स्थित मेरी एंड जीसस कॉन्वेंट स्कूल ने एक बार फिर 10वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परचम लहराया है। इस वर्ष स्कूल का परिणाम 100 प्रतिशत रहा, जो विद्यार्थियों और शिक्षकों की मेहनत का प्रतिफल है। स्कूल की मेधावी छात्रा कृतिका ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया और टॉपर बनी। वहीं सनूबी और प्राची ने 92.8-92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। परिधि ने 91.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। इस शानदार उपलब्धि से स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों में खुशी की लहर है। विशेष रूप से कृतिका के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। स्कूल प्रबंधक सीसी सिंह एवं प्रधानाचार्या अनीता सिंह ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग को दिया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी बेहतर परिणाम देने का संकल्प व्यक्त किया।

लखनऊ अग्निकांड में जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि सौंपी गयी

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। विकास नगर बस्ती अग्निकांड में जान गंवाने वाले दो बच्चों के परिजनों को शासन की तरफ 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गुरुवार को विधायक ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने बच्चों के परिजनों से मुलाकात कर सहायता राशि का चेक सौंपा। साथ ही पीड़ितों को सरकार की तरफ से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को ही इस घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद पीड़ितों के लिए नजदीकी कम्युनिटी सेंटर में रहने और खाने की व्यवस्था की गई। वहीं घटना स्थल पर भी नगर निगम और रेरा की टीम खाने के पैकेट का वितरण कर रही है। सीएम के निर्देश पर पीड़ितों को राहत पहुँचाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। इसी क्रम में मेडिकल समेत अन्य सभी सुविधाएं अग्निकांड पीड़ितों को मुहैया कराई जा रही हैं। गौरतलब है कि बुधवार शाम विकास नगर सेक्टर 12 रिंग रोड के पास झुग्गी-झोपड़ियों में आग लग गई थी। दमकल विभाग समेत पुलिस ने बड़ी जनहानि होने से रोकी। आस-पास के 30 से ज्यादा घरों को खाली करा कर लोगों की जान बचाई गई। आग लगने के बाद स्थिति पर काबू पाने के लिए फौरन दमकल विभाग, स्वास्थ्य कर्मियों, पुलिसकर्मियों, नगर निगम कर्मियों, नागरिक सुरक्षा सदस्यों की 400 से ज्यादा लोगों की टीम मौके पर पहुंच गई थी। इससे काफी संख्या में लोगों की जान बच पाई।

सफलता की उड़ानः हाईस्कूल में सारिया अब्बासी ने 90% अंक पाकर बढ़ाया क्षेत्र का मान

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहाः सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित होते ही छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी क्रम में नगर की जानी-मानी सामाजिक शख्सियत एवं उर्दू अदब सोसाइटी के सक्रिय सदस्य काशिफ नसीम की सुपुत्री सारिया अब्बासी ने हाईस्कूल परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। सारिया की इस उपलब्धि पर उर्दू अदब सोसाइटी द्वारा एक विशेष बैठक आयोजित कर उन्हें एवं उनके परिवार को बधाई दी गई। सोसाइटी के अध्यक्ष कौसर अली अब्बासी ने कहा कि बच्चों की सफलता के पीछे माता-पिता की मेहनत, संस्कार और मार्गदर्शन की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि काशिफ नसीम और उनके परिवार ने अपनी बेटी की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया, जिसका परिणाम आज सामने है। सोसाइटी के सदस्यों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। सारिया की सफलता इस बात का प्रमाण है कि उचित मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिलने पर बेटियां भी ऊंचाइयों को छू सकती हैं। सारिया अब्बासी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई गई कि वे आगे चलकर देश और समाज का नाम रोशन करेंगी। बधाई देने वालों में हाजी नसीम खान (अध्यक्ष, इदारा-ए-नसरियात), खालिद सिद्दीकी, कैसर अली अब्बासी, हमजा अब्बासी, कदीर अहमद सिद्दीकी, मुजम्मिल सिद्दीकी, अली आब्दी अमरोहवी, डॉ. चंदन नकवी, जमशेद खान सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सीएम डैशबोर्ड समीक्षा बैठक में डीएम सख्त खराब रैंक वाले विभागों को सुधार के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जनपद में संचालित विकास कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी बीडीओ एवं विभागीय अधिकारियों ने भाग लेते हुए अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने खराब रैंकिंग पर कड़ी नाराजगी जताई। सड़क निर्माण कार्यों की स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए सुधार के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए अधिशासी अभियंता जल निगम को हाउस कनेक्शनों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए। पंचायती राज विभाग की समीक्षा में व्यक्तिगत शौचालयों की जियो टैगिंग में प्रदेश स्तर पर खराब रैंक आने पर जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) से स्पष्टीकरण मांगा गया। वहीं सामाजिक वनीकरण में जनपद की निम्न रैंकिंग पर डीएफओ को भी जवाब देने के निर्देश दिए गए। जिला उद्योग विभाग एवं समाज कल्याण विभाग की धीमी प्रगति पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए डीएम ने निर्देश दिए कि नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत से ही लक्ष्य प्राप्ति हेतु सक्रियता से कार्य किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को 25 से 30 अप्रैल के बीच मॉनिटरिंग पूरी करने और नई कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मिशन-500 के तहत तालाबों के जीर्णोद्धार कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने पर जोर दिया गया। साथ ही बढ़ती गर्मी को देखते हुए सभी गौशालाओं में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को प्रत्येक गौशाला में डॉक्टर एवं एडीओ पंचायत की संयुक्त टीम बनाकर निरीक्षण कराने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिन विभागों की रैंकिंग खराब है, वे कारणों की पहचान कर तत्काल सुधार करें। सभी विभागों को समय पर और सटीक डेटा फीडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने चेतावनी दी कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेंद्र कुमार, पीडी डीआरडीए अमरीश कुमार, अर्थ एवं संख्या अधिकारी पुनीत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जन समस्याओं का त्वरित समाधान कराएं अधिकारी : मुख्यमंत्री योगी

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार, आपकी हर समस्या पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएगी। शिकायतों को सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित करें। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी करीब दो सौ लोगों से मिले। उनके पास जा-जाकर उनके प्रार्थना पत्र को अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन किया। जनता दर्शन में अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह शुक्रवार को भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए।

राम कृपा में संत समागम, कृष्ण रासलीला से भक्ति में डूबे श्रद्धालु

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। स्वरूप नगर स्थित राम कृपा परिसर में आयोजित संत समागम और भव्य धार्मिक कार्यक्रम ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक माहौल में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान वृंदावन से आए कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की मनोहारी रासलीला प्रस्तुत की, जिसे देखकर उपस्थित लोग भाव-विभोर हो उठे। मंचन इतना जीवंत था कि दर्शकों को मानो साक्षात भगवान के दर्शन होने का अनुभव हुआ। इस आयोजन में देश-विदेश से कई प्रमुख संत-महात्माओं ने शिरकत की और अपने आशीर्वचन से वातावरण को और पावन बना दिया। जूना अखाड़ा से जुड़े संत, रामानुज परंपरा के आचार्य और विभिन्न धामों से आए महामंडलेश्वर स्तर के संतों की मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। वृंदावन और अन्य तीर्थ स्थलों से आई संत विभूतियों ने भक्ति, साधना और सनातन परंपरा के महत्व पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के आयोजक समाजसेवी चरणजीत मेहरा ने शुक्रवार को बताया कि उनके जीवन के 80 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस विशेष आयोजन का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य का क्षण है कि इतने बड़े संत-महात्माओं का सानिध्य एक साथ प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने जीवन को ईश्वर भक्ति के लिए समर्पित बताते हुए कहा कि समय-समय पर वे धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने का प्रयास करते रहते हैं। समारोह में भजन-कीर्तन, कथा और भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरा परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया और हर ओर राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोष गूंजते रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना रहा। संतों ने अपने संदेश में कहा कि वर्तमान समय में भक्ति ही मनुष्य को शांति और मोक्ष का मार्ग दिखा सकती है।

मुठभेड़ में दबोचा गया लुटेरा अस्पताल से भागा, घेराबंदी में फिर चढ़ा पुलिस के हत्थे

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश में जनपद कानपुर के बर्रा इलाके में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार हुआ शातिर लुटेरा इलाज के दौरान पुलिस को चकमा देकर अस्पताल से भाग निकला। हालांकि कुछ ही देर में शहरभर में घेराबंदी कर पुलिस ने उसे फिर से दबोच लिया। बर्रा थाना क्षेत्र में तमंचे के बल पर राहगीर से लूट करने वाले बदमाशों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ के मामले में नया मोड़ सामने आया है। गुरुवार को एक युवक से बर्रा बाईपास स्थित सिंह ढाबा के सामने दो बदमाशों ने उसकी पल्सर बाइक और नकदी लूट ली थी, जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। देर रात चेकिंग के दौरान संदिग्ध बाइक सवारों को रोकने पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पकड़े गए शातिर के पास से लूटी गई बाइक, नकदी और तमंचा बरामद हुआ। मुठभेड़ में घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी सुरक्षा चार पुलिस कर्मी लगाये गए थे, जिनको चकमा देकर वार्ड से भाग निकला। अपराधी के भागने की खबर से पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। पुलिस आयुक्त ने पुलिस उपायुक्त अपराध श्रवण कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम को लगाया और कुछ देर बाद बदमाश को पकड़ लिया गया। इस पर पुलिस उपायुक्त अपराध श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित शातिर लुटेरा है और अब पुलिस की गिरफ्त में है। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच व स्वॉट टीम ने शहरभर में घेराबंदी और सघन चेकिंग अभियान चलाया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने फरार अपराधी को एक झाड़ी के पास दोबारा गिरफ्तार कर लिया। इस त्वरित कार्रवाई के लिए क्राइम ब्रांच टीम को 25 हजार रुपये के इनाम से पुरस्कृत किया गया है। आरोपित के खिलाफ विधिक कार्रवाई जारी है।

बहनों-बेटियों की सुरक्षा समाज का पहला धर्म, धर्मांतरण पर सख्त कानून की मांग : विश्व हिंदू परिषद

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। अपनी बहनों-बेटियों की सुरक्षा करना सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज का पहला धर्म है। धर्मांतरण की घटनाएं अब छिटपुट नहीं रहीं, बल्कि एक सुनियोजित तरीके से बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हमारी संस्कृति और पहचान पर हो रहे ऐसे प्रहारों के खिलाफ पूरे समाज को एकजुट होकर खड़ा होना होगा। सरकार को चाहिए कि इस पर सख्त कानून बनाए और दोषियों के खिलाफ त्वरित व कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करे। यह बातें शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री राजू पोरवाल ने कही। अवैध धर्मांतरण के मुद्दे पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने शुक्रवार को प्रदेश भर में एक साथ प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। इस अभियान के तहत कानपुर के बड़ा चौराहा पर कार्यकताओं ने नारेबाजी कर सरकार से कड़े कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान अवैध धर्मांतरण बंद करोह्ल और ह्यहमारी बहन-बेटियों की सुरक्षा करोह्ल जैसे नारों के साथ माहौल काफी देर तक गरमाया रहा। इस दौरान राजू पोरवाल ने कहा कि समाज को जागरूक रहकर अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करनी होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मांतरण के मामलों को अब अलग-थलग घटनाओं के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि यह एक संगठित पैटर्न के तौर पर सामने आ रहा है। उन्होंने फिल्म द केरला स्टोरी का जिक्र करते हुए कहा कि इस तरह के मामलों को गंभीरता से लेने की जरूरत है और सरकार को इस पर सख्त रुख अपनाना चाहिए। इस अवसर पर बजरंग दल के कई पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि अवैध धर्मांतरण को रोकने के लिए प्रभावी कानून बनाए जाएं और ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ, हालांकि पुलिस की मौजूदगी में स्थिति नियंत्रित रही और कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हो गया।

हाईवे पर लूट करने वाले बदमाशों से मुठभेड़, एक बदमाश के पैर में गोली लगी

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर में हाईवे पर तमंचे की नोक पर राहगीरों से लूट करने वाले दो शातिरों बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। गुरुवार देर रात हुई इस घटना में पुलिस ने एक बदमाश के पैर में गोली मार कर उसे गिरफ्तार कर लिया। जबकि उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घटना बर्रा थाना क्षेत्र की है। अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिण योगेश कुमार ने बताया कि योगेंद्र विहार इलाके में रहने वाले मोहित निषाद गुरुवार को अपनी पल्सर बाइक से कहीं जा रहे थे। तभी बर्रा बाईपास स्थित सिंह ढाबा के सामने दो बदमाशों ने तमंचे की नोक पर पीड़ित से उनकी पल्सर बाइक और पांच हजार रुपये लूट लिए। पीड़ित के भाई रोहित की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी जांचे गए। देर रात पुलिस टीम बर्रा के फत्तेपुर चौराहा पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया गया, जिस पर अभियुक्तों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार बदमाश की पहचान जूही निवासी मुन्ना खान के रूप में हुई है। उसके पास से लूटी गई मोटरसाइकिल, बारह सौ रुपये नकद, एक अदद तमंचा और कारतूस बरामद हुए। उन्होंने बताया कि मौके से उसका दूसरा साथी भागने में सफल रहा। साथ ही घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शुक्रवार को उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

शाहपुर थाने की पुलिस ने हरिहरपुर गांव में कार्रवाई करते हुए 200 लीटर महुआ पास किया नष्ट

शाहपुर। थाने की पुलिस इन दोनों अवैध शराब, शराबियों और वारंटी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में जुट गई है। इसी कड़ी में आज शाहपुर थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र की हरिहरपुर गांव में कार्रवाई करते हुए 200 लीटर महुआ पास को नष्ट करते हुए उपकरण को बरामद किया। शाहपुर थाना अध्यक्ष राजेश मालाकार ने बताया शुक्रवार सुबह 10:00 बजे सूचना मिली कि गुप्त रूप से हरिहरपुर गांव में अवैध शराब बनाया जा रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए। मौके से 200 लीटर महुआ पास नष्ट करते हुए। उसके बनाने वाले उपकरण को बरामद किया। हालांकि पुलिस की आने की सूचना मिलते ही शराब बनाने वाले लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस शराब बनाने वाले की पहचान कर कार्रवाई करने में जुट गई है। शाहपुर थाना अध्यक्ष ने बताया कि इस प्रकार की कार्रवाई लगातार थाना क्षेत्र में चलती रहेगी।

बबुरा में 150 लीटर देशी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार, बाइक जब्त

कोईलवर। शुक्रवार को बबुरा थाने की पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 150 लीटर देशी शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के पचरुखीया गांव में छापेमारी की गई, जहां से आरोपी को भारी मात्रा में देशी शराब के साथ पकड़ा गया। गिरफ्तार व्यक्ति कोईलवर थाना क्षेत्र के महादेव चक सिमरिया गांव का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस ने मौके से एक बजाज डिस्कवर मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जिसका उपयोग शराब के परिवहन में किया जा रहा था। इस संबंध में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधन अधिनियम 2022 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि शराब की खरीद-बिक्री, परिवहन या सेवन करते पकड़े जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बबुरा थाना पुलिस को बड़ी सफलता तीन आरोपी गिरफ्तार

कोईलवर। शुक्रवार का दिन बबुरा थाना पुलिस के लिए उपलब्धियों भरा रहा। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि पहले मामले में कांड संख्या 302/17 के आरोपी चुनचुन सिंह को गिरफ्तार किया गया है। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। गिरफ्तार आरोपी बड़हरा थाना क्षेत्र के सिरिसियां गांव निवासी जगदीश सिंह का पुत्र है। दूसरे मामले में न्यायालय द्वारा निर्गत गैर-जमानती वारंट के आधार पर योगीन्द्र राय को गिरफ्तार किया गया। वह बबुरा थाना क्षेत्र के भातु चकिया गांव का रहने वाला है और हत्या के प्रयास के मामले में लंबे समय से फरार था। उसकी गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर उसके गांव से ही की गई। तीसरे मामले में न्यायालय से निर्गत वारंट के आधार पर जय नंदन राय को गिरफ्तार किया गया है। वह भी भातु चकिया गांव का निवासी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि तीनों गिरफ्तारियां गुप्त सूचना के आधार पर की गई हैं। उन्होंने कहा कि फरार आरोपियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

60 लीटर महुआ शराब बरामद, युवक गिरफ्तार, बाइक जब्त

कोईलवर। कोईलवर थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, कोईलवर थाना कांड संख्या 90/26 के प्राथमिकी अभियुक्त सुभग राय (उम्र करीब 25 वर्ष), पिता जग रोपन राय, ग्राम बड़का चंदा, थाना कोईलवर, जिला भोजपुर को अवैध शराब के परिवहन के आरोप में हिरासत में लिया गया। पुलिस ने उसे टीवी सेंट्रियम सोन वाली बांध के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 60 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की गई। साथ ही परिवहन में प्रयुक्त पैशन प्रो मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया है तथा मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

स्नातक द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म भरना शुरू

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने स्नातक द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2025-29 के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा प्रपत्र भरने को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार छात्र-छात्राएं 16 अप्रैल 2026 से 26 अप्रैल 2026 तक परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भर सकेंगी।

डीएम एसपी ने मंडल कारा आरा किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। शुक्रवार को जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया एवं पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज के नेतृत्व में अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 तथा अन्य वरीय अधिकारियों ने मंडल कारा आरा का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं एवं विधि-व्यवस्था की स्थिति का गहनता से आकलन किया। इस क्रम में सुरक्षा तंत्र को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने, निगरानी व्यवस्था को निरंतर सक्रिय रखने तथा कारा संचालन से जुड़े निर्धारित मानकों के सख्ती से पालन के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कारा प्रशासन को यह भी निर्देशित किया कि सुरक्षा, अनुशासन एवं बंदियों की सुविधाओं के बीच संतुलन बनाए रखते हुए कार्य किया जाए। जिला प्रशासन एवं भोजपुर पुलिस द्वारा जनसुरक्षा और विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नवीन पुलिस केंद्र आरा में प्रशिक्षु सिपाहियों की परेड का निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज द्वारा नवीन पुलिस केंद्र, भोजपुर (आरा) में बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु सिपाहियों की परेड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने परेड की सलामी ली और परेड में शामिल सिपाहियों के पहनावे, अनुशासन, शारीरिक दक्षता एवं परेड कौशल का बारीकी से मूल्यांकन किया। निरीक्षण के क्रम में परेड के दौरान पाई गई कमियों को दूर करने तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षु सिपाहियों को अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे भविष्य में बेहतर पुलिसकर्मी के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।

वीर कुंवर सिंह जी के विजयोत्सव दिवस के आयोजन की तैयारी शुरू

प्रात: किरण संवाददाता

आरा । बिहार के महान स्वतंत्रता सेनानी वीर कुंवर सिंह की स्मृति में विजय उत्सव दिवस के आयोजन की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। इस विशेष अवसर पर लोगों को अपने इतिहास, अस्मिता और गौरव से पुनः जुड़ने का संदेश दिया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य न केवल वीर कुंवर सिंह के अदम्य साहस को याद करना है, बल्कि उनके द्वारा स्थापित आदर्शों और अन्याय के खिलाफ संघर्ष की भावना को पुनर्जीवित करना भी है।यह कार्यक्रम 23 अप्रैल 2026, गुरुवार को आयोजित होगा। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाला यह समारोह आरा के चंदवा स्थित रॉयल हेरिटेज रिसोर्ट में संपन्न होगा।आयोजकों के अनुसार, यह दिन बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का प्रतीक है, क्योंकि वीर कुंवर सिंह ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई थी।कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों, समाजसेवियों और युवाओं की भागीदारी अपेक्षित हैआयोजकों का कहना है कि इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को देशभक्ति, स्वाभिमान और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया जाएगा। साथ ही, यह भी बताया गया कि उपस्थित लोगों की गरिमामयी सहभागिता से कार्यक्रम को सफलता और पूर्णता मिलेगी।इस आयोजन के निमंत्रण श्री कुमार सिंह ,पूर्व प्रत्याशी,आरा विधानसभा,भूतपूर्व सैनिक और राजीव रंजन राज पूर्व प्रत्याशी, संदेश विधानसभा हैं,जो समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं। सुशील टाइगर ने कहा कि यह विजय उत्सव दिवस न केवल एक ऐतिहासिक स्मरण का अवसर है, बल्कि वर्तमान पीढ़ी को प्रेरित करने का भी एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।ब्रजकिशोर सिंह बबलू ने कहा कि आजादी के महानायक वीर कुंवर सिंह ने अपने जीवन के अंतिम पायदान पर रहते हुए भी अंग्रेजों का झंडा यूनियन जैक और अंग्रेजों को इस शाहाबाद और उत्तरप्रदेश के पूर्वांचल के धरती से उखाड़ कर फेंकने का कार्य किया। इसमें बैठक में शामिल लोग पूर्व वार्ड पार्षद भीमलाल,युवा नेता अंशु सिंह सिक्रिवाल,रोहित बजरंगी,अमीत पांडे आदि लोगों ने शिरकत करके यह आह्वान किया कि इस विजयोत्सव के कार्यक्रम में अधिक से अधिक प्रबुद्ध जन शामिल हो। प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से विजयोत्सव में शामिल होने के लिए पूरा शाहाबाद के लोगों को पासवान चौक स्थित रॉयल हेरीटेज रिजॉर्ट में आमंत्रण हेतु आग्रह किया गया।

आरा की बेटी डॉक्टर अपूर्वा वर्मा बनीं मिसेज इंडिया

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। आरा जैसे छोटे शहर से निकलकर राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाना आसान नहीं होता, लेकिन जब इरादे मजबूत हों और सपनों पर भरोसा अडिग हो, तो हर मंजिल हासिल की जा सकती है। भोजपुर जिले के आरा शहर की रहने वाली डॉक्टर अपूर्वा वर्मा ने मिसेज इंडिया का खिताब जीतकर यह साबित कर दिया है कि छोटे शहर की बेटियां भी देशभर में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकती हैं। गुजरात के अहमदाबाद में 11 अप्रैल को आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से आई 22 प्रतिभागियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। कई चरणों में हुए इंटरव्यू, टैलेंट और पर्सनैलिटी टेस्ट जैसे कठिन दौरों को पार करते हुए अपूर्वा वर्मा ने आखिरकार यह ताज अपने नाम कर लिया। यह जीत सिर्फ एक ताज की नहीं, बल्कि लंबे संघर्ष, आत्मविश्वास और निरंतर मेहनत का परिणाम है। अपूर्वा वर्मा आरा के पुरानी पुलिस लाइन इलाके की निवासी हैं और एक सामान्य परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता विजय लाल व्यवसायी हैं, जबकि माता सरोज श्रीवास्तव गृहिणी हैं। उनके पति अरुंजय वर्मा भारतीय स्टेट बैंक में प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। इस पूरे सफर में माता-पिता, पति और सास-ससुर का भरपूर सहयोग उन्हें लगातार मिलता रहा। अपूर्वा स्वयं मानती हैं कि परिवार का साथ और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा है। अपूर्वा कहती हैं कि आरा जैसे छोटे शहर में जन्म लेकर इतना बड़ा सपना देखना अपने आप में एक चुनौती थी, लेकिन उन्होंने हमेशा यह विश्वास रखा कि सच्ची कोशिश और मेहनत से कोई भी सपना दूर नहीं रहता। यही सोच उन्हें हर कठिन दौर में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रही। सौंदर्य प्रतियोगिता ही नहीं, साहित्य और शिक्षा में भी अपूर्वा ने रचा इतिहास सिर्फ सौंदर्य प्रतियोगिता ही नहीं, अपूर्वा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा से पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है। उनकी लिखी किताब ह्लद वेट ऑफ इमोशंसह्व 30 से अधिक भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी है, जो उनकी साहित्यिक प्रतिभा का प्रमाण है। इसके अलावा उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। इससे पहले अपूर्वा वर्ष 2025 में ह्लमिसेज बिहारह्व का खिताब भी जीत चुकी हैं और लगातार महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उनकी यह उपलब्धि अब सिर्फ एक व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि बिहार की बेटियों के लिए एक नई प्रेरणा बन गई है।

कृषि कार्यक्रम : संतुलित उर्वरक के उपयोग पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता

कोइलवर। शुक्रवार को कोइलवर प्रखंड कृषि कार्यालय में संतुलित उर्वरक प्रयोग एवं समेकित उर्वरक प्रबंधन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड के किसान, प्रसार कर्मी, कृषि समन्वयक, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं किसान सलाहकारों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सौजन्य से आत्मा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। सहायक निदेशक राजेश कुमार पांडे ने यूरिया व डीएपी के अत्यधिक उपयोग पर चिंता जताते हुए किसानों को मिट्टी जांच के आधार पर उर्वरकों के संतुलित प्रयोग की सलाह दी। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार यादव ने फसल चक्र के अनुसार उर्वरक प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी, जबकि डॉ. अनिल कुमार मौर्य ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व को समझाया। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने टिकाऊ एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर बल दिया। इस अवसर पर आत्मा अध्यक्ष सर्वजीत कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हड़ताल पर गए पांच राजस्व कर्मी निलंबित

प्रात: किरण संवाददाता

भोजपुर। विभागीय कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करने के आरोप में भोजपुर जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया ने पांच राजस्व कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. यह कार्रवाई विभागीय निर्देशों के आलोक में हड़ताल/सामूहिक अवकाश पर रहने के कारण की गई है. निलंबित किए गए कर्मियों में श्रीमन नारायण शर्मा (राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय तरारी), चन्द्रशेखर चौबे (राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय बिहिया), संजय कुमार सिंह (राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय चरपोखरी), रंजीत कुमार (राजस्व कर्मचारी, उदवंतनगर, प्रतिनियुक्ति अंचल कार्यालय गड़हनी) तथा श्री राहुल राय (राजस्व कर्मचारी, अंचल कार्यालय सदर आरा) शामिल है. जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना सचिव के पत्र के आलोक में की गई है. पत्र में बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ/संयुक्त संघर्ष मोर्चा द्वारा 11 फरवरी 2026 से हड़ताल/सामूहिक अवकाश पर रहने के कारण विभागीय कार्यों में उत्पन्न व्यवधान को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कर्मियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई का निर्देश दिया गया था.जांच में पाया गया कि संबंधित कर्मी बिहार सरकारी सेवक आचरण नियमावली, 1976 के नियम-8 के प्रतिकूल कार्य कर रहे थे. साथ ही उन्होंने वरीय पदाधिकारी के आदेश की अवहेलना की और लोक व्यवस्था से संबंधित कार्यों में बाधा उत्पन्न की, जो सेवा नियमों का उल्लंघन है. इसी के तहत बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-9 की कंडिका-1 के प्रावधानों के अनुसार सभी संबंधित कर्मियों को जिलाधिकारी के निर्देशानुसार तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. निलंबन अवधि के दौरान सभी निलंबित कर्मियों का मुख्यालय संबंधित भूमि सुधार उप समाहर्ता के कार्यालय में निर्धारित किया गया है।

शिवम का चयन भारोत्तोलन साई सेन्टर उतराखंड के लिए

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया भारत सरकार द्वारा संचालित भारोत्तोलन प्रशिक्षण केंद्र काशीपुर उत्तराखंड के लिए भोजपुर जिले के खिलाड़ी मीरगंज निवासी सुरेंद्र प्रसाद के पुत्र शिवम कुमार का चयन उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं मेहनत के फल स्वरुप किया गया है शिवम कुमार स्थानीय खेल भवन आरा में प्रशिक्षक सह सचिव मुकेश कुमार, सतोष कुमार के देख रेख में अभ्यास करते हैं शिवम आदर्श मध्य विद्यालय मीरगंज आरा के छात्र हैं साई सेन्टर मे चयन होने पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरेन्द्र कुमार सिह, खेल टीचर पंकज कुमार शर्मा एवं सुशील कुमार ने खुशी व्यक्त की है और उन्होंने बताया है कि उन्हें विद्यालय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।भोजपुर जिला संघ के प्रशिक्षक सह सचिव मुकेश कुमार ने बताया कि अब शिवम के रहने खाने शिक्षा एव प्रशिक्षण की सारी जिम्मेवारी स्पोटर्स अथरिटी ऑफ इंडिया के द्वारा किया जायगा। साई सेन्टर में चयन होने पर जिला खेल पदाधिकारी श्री आलोक गौतम ,आर एल मेमोरियल के संस्थापक सह खेल प्रेमी भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष डाक्क विजय गुप्ता, समाज सेवी खेल प्रेमी श्री अजय कुमार सिंह,एथलेटिक्स सचिव यंशवत सिह,शैलेश जी, प्रशिक्षक जयशंकर प्रसाद मनमोहन कुमार,अंजलि कुमारी, प्रशिक्षक अभय पान्डेय ,उमेश तिवारी ने शिवम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

कोईलवर में ओवरस्पीड ट्रक जब्त गिरफ्तार आरोपी बंध पत्र पर रिहा

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। कोईलवर थाना पुलिस ने लापरवाह वाहन संचालन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए होमगार्ड जवान को घायल करने वाले ट्रक को जब्त कर लिया है।थानाध्यक्ष नरोतमचंद्र ने बताया कि ओवरटेकिंग एवं निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाने के कारण हुई इस घटना में ट्रक (निबंधन संख्या इफ-24ऋ5089) को जब्त किया गया है। इस संबंध में कोईलवर थाना कांड संख्या 89/26 दर्ज कर विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। वहीं, एक अन्य मामले में कोईलवर थाना कांड संख्या 88/26 के प्राथमिकी अभियुक्त सिनोज कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के मधुबन थाना क्षेत्र के चक हसन गांव का निवासी बताया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को बंध पत्र के आधार पर थाने से ही जमानत दे दी गई।

स्नातक नामांकन के लिए प्राचार्यों की बैठक 18 अप्रैल को

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में स्नातक सत्र 2026झ30 के नामांकन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में 18 अप्रैल को सभी अंगीभूत और सरकारी कॉलेजों के प्राचार्यों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुल 19 कॉलेजों के प्राचार्यों को इस बैठक में आमंत्रित किया है। यह बैठक विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित होगी, जिसमें नामांकन प्रक्रिया को अंतिम रूप देने पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।बैठक में कुलपति प्रो. शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी भी उपस्थित रहेंगे। उनके साथ नामांकन समिति के सदस्य भी भाग लेंगे। इस दौरान नामांकन की पूरी रूपरेखा, प्रक्रिया और समय-सीमा तय की जाएगी, ताकि प्रवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाया जा सके। बैठक से पहले विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी कॉलेजों से उनके-अपने विभागों में उपलब्ध सीटों की संख्या मांगी थी। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर कुल सीटों का निर्धारण किया गया है। विश्वविद्यालय में कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय को मिलाकर इस बार कुल लगभग 1 लाख 12 हजार सीटों पर नामांकन होने की संभावना है। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश राय ने बताया कि बैठक में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को लेकर विशेष चर्चा होगी। विश्वविद्यालय की योजना है कि सभी आवेदनों को ऑनलाइन माध्यम से ही लिया जाए, जिससे प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बन सके।उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों की संख्या बढ़कर अब 78 हो गई है। ऐसे में नामांकन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करना एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए सभी कॉलेजों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन का प्रयास है कि समय पर और व्यवस्थित तरीके से नामांकन प्रक्रिया पूरी कर छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सहार प्रखंड में शिक्षकों का जनगणना 2027 का प्रशिक्षण शुरू

प्रात: किरण संवाददाता

सहार। सहार प्रखंड में शिक्षकों का जनगणना 2027 का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू किया गया। सहार 2 उच्च विध्यालय और प्रोजेक्ट बालिका उच्च विध्य ालय में अलग अलग जागहों पर जनगणना में प्रतिनियुक्त 45-45 शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण में 2 उच्च विः में प्रशिक्षक संतोष कुमार सिंह और राज कुमार सिंह और प्रोजेक्ट बालिका उच्च विध्यालय में अविनाश कुमार और राम भूअन सिंह द्वारा जनगणना कार्य कार्य में लगाये गये शिक्षकों को दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में जनगणना कार्य में लगाये गये शिक्षकों को प्रशिक्षकों द्वारा पहले अपने अपने क्षेत्रों का बटवारा करने, वहीं मकान सूची करण करने, नजरी नक्सा बानाने को कहा गया है। प्रशिक्षण में सरकार द्वारा आम जनता से महारजिस्ट्रेशन कर 33 बिंदु पर पर पुछताछ कर ओनलाइन भरने की बात कहीक्त शिक्षकों का तीन शिफ्ट में गई। वहीं शिक्षको को एप लोड कर उस ऐप के द्वारा माहा रजिस्ट्रेशन कर जनगणना 2027 करने की बात बताई गयी। वहीं जनगणना में प्रतियुक्त सभी शिक्षकों को जनगणना में कोई भी गलती से बचने की सलाह दिया गया। इस संबंध में चार्य पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी जनार्दन तिवारी ने बताया की जनगणना में प्रतिनिय 90-90 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वही उन्होंने कहा कि एक बैच को लगातार तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा। वहीं उनहोंने जनगणना 2027 को सफलता पूर्वक करने का सभी शिक्षकों को बताया गया है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों में मो हैदर अली, सतेन्द्र कुमार सिंह, सुनील कुमार, अजय ओझा, प्रकाश कुमार, कुमार।

हड़ताल पर गए पांच राजस्व कर्मी निलंबित डीएम ने की कार्रवाई

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिला पदाधिकारी भोजपुर, तनय सुल्तानिया द्वारा विभागीय निर्देशों के आलोक में हड़ताल/सामूहिक अवकाश पर रहकर कार्यों में बाधा उत्पन्न करने के आरोप में पांच राजस्व कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित कर्मियों में श्रीमन नारायण शर्मा (अंचल कार्यालय तरारी), चन्द्रशेखर चौबे (अंचल कार्यालय बिहिया), संजय कुमार सिंह (अंचल कार्यालय चरपोखरी), रंजीत कुमार (उदवंतनगर, प्रतिनियुक्तिझअंचल कार्यालय गड़हनी) तथा राहुल राय (अंचल कार्यालय सदर आरा) शामिल हैं। यह कार्रवाई सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना के निर्देश के आलोक में की गई है। पत्र में उल्लेख किया गया था कि बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ/संयुक्त संघर्ष मोर्चा द्वारा 11 फरवरी 2026 से हड़ताल/सामूहिक अवकाश पर रहने के कारण विभागीय कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है, जिसे गंभीरता से लेते हुए अनुशासनिक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। जांच में सभी कर्मी बिहार सरकारी सेवक आचरण नियमावली, 1976 के नियम-8 के प्रतिकूल पाए गए। साथ ही वरीय पदाधिकारी के आदेश की अवहेलना एवं लोक व्यवस्था से जुड़े कार्यों में बाधा उत्पन्न करने का दोषी माना गया।इसके तहत बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-9 (कंडिका-1) के प्रावधानों के अनुसार जिलाधिकारी के निर्देश पर सभी संबंधित कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।निलंबन अवधि के दौरान सभी कर्मियों का मुख्यालय संबंधित भूमि सुधार उप समाहर्ता के कार्यालय में निर्धारित किया गया है।

पंचायत सचिवों की हड़ताल पर सख्त एक्शन में सरकार

डीएम ने सभी बीडीओ को कड़ा एक्शन लेने के दिये निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। डीएम तनय सुल्तानिया ने जिले में हड़ताल पर गए पंचायत सचिवों को लेकर कड़ा रुख अपनाया गया है। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अनधिकृत रूप से अनुपस्थित या हड़ताल पर गए पंचायत सचिवों पर नो वर्क नो पे का सिद्धांत लागू किया जाएगा। इस संबंध में जिलाधिकारी ने सभी बीडीओ को पत्र जारी कर हड़ताल पर जाने वाले सभी पंचायत सचिवों पर कड़ा एक्शन लेने को कहा है। पत्र में कहा गया है कि पंचायत सचिवों के हड़ताल पर रहने के कारण राज्य सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाएं और दैनिक प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि ऐसे कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही, हड़ताल के कारण कार्य बाधित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी आदेश दिया गया है। जिला प्रशासन ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि पंचायतों के दैनिक कार्यों के निष्पादन हेतु लेखापाल-सह-आईटी सहायक को नामित/प्राधिकृत करने का प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराएं। प्रशासन ने साफ किया है कि जो पंचायत सचिव अपने कर्तव्य पर वापस नहीं लौटते हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी बीडीओ को हड़ताली पंचायत सचिवों के विरुद्ध प्रपत्र के गठन करने के निर्देश दिया गया है। इससे यह संदेश दिया गया है कि सरकारी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या बाधा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को पुलिस ने किया गिरफ्तार चोरी की बाइक किया जब्त

करनामेपुर थाने के पुलिस ने गुप्त रूप से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए।अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। करनामेपुर थाना अध्यक्ष कन्हैया कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि एक मोटरसाइकिल पर एक व्यक्ति शराब लेकर जा रहा है। त्वरित कार्रवाई करने पर उसे शराब के साथ गिरफ्तार किया जा सकता है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत कार्रवाई करते हुए, महुआर पुल के पास एक मोटरसाइकिल को रोककर जब उसकी तलाशी ली गई। तो उसके पास से 8 पीएम ब्रांड की 180 एमएल की 81 पीस जिसकी कुल मात्रा 14.58 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया। साथ ही आरोपी के पास से एक चोरी की बाइक को भी जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपी बक्सर जिले के थाना नैनिजोर का रहने वाला बताया जाता है।

‘मेरा हाथ पकड़ा और गलत तरीके से छुआ’

डेजी शाह का साउथ फिल्ममेकर को लेकर बड़ा खुलासा; कहा- कास्टिंग के नाम पर... अभिनेत्री डेजी शाह ने अपने साथ हुई उत्पीड़न की एक घटना के बारे में बताया। कैसे साउथ के एक फिल्ममेकर ने उनके साथ की ऐसी हरकत? जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ बताया...सलमान खान के साथ अपनी शुरुआत करने वाली अभिनेत्री डेजी शाह लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। हाल ही में डेजी शाह ने इंडस्ट्री में अपने संघर्षों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने खुलासा किया कि करियर के शुरुआती दिनों में उन्हें उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा था। उन्होंने याद किया कि जब वह एक संभावित कास्टिंग अवसर के लिए दक्षिण के एक फिल्म निर्माता से मिलने गई थीं; लेकिन वह मुलाकात उनके लिए एक असहज अनुभव में बदल गई।

वो हमसे अकेले में मिला था

फ्री प्रेस जर्नल से बात करते हुए डेजी शाह ने अपने साथ हुए एक घटनाक्रम के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि दक्षिण के एक फिल्म निर्माता ने मुझे गलत तरीके से छुआ। वह कास्टिंग के लिए मुंबई आए थे। हम 6-7 लड़कियां उनसे मिलने गई थीं। वह हममें से हर एक से अलग-अलग मिल रहे थे। लेकिन मुझे यह पसंद नहीं आया क्योंकि वह मेरा हाथ पकड़े हुए थे। मुझे हमेशा से ही लोगों के छूने से डर लगता रहा है। मैं मसाज इसलिए नहीं करवाती क्योंकि मुझे छूना पसंद नहीं है, चाहे कोई महिला ही क्यों न छुए। किसी पुरुष का छूना तो बिल्कुल अलग बात है। बस इसी बात ने मुझे असहज कर दिया। मैंने उनसे कहा, ‘मैं आपसे कॉन्टैक्ट करूंगी’, लेकिन मैंने उन्हें कभी जवाब नहीं दिया।

‘मामला लीगल है’ के नए सीजन में निकुंज के निजी रिश्तों के कई पहलू

अभिनेता अमित विक्रम पांडेय इन दिनों वेब सीरीज ‘मामला लीगल है सीजन 2’ को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता ने हाल ही में खास बातचीत में उनके किरदार में हुए बदलावों के बारे में बात की। अभिनेता ने कहा कि पहले सीजन से लेकर दूसरे सीजन तक उनके किरदार में काफी बदलाव आए हैं।

उन्होंने कहा, ‘पहले सीजन से दूसरे सीजन तक आते-आते मेरे किरदार में काफी बदलाव आया। पहले सीजन में मेरे किरदार का परिचय सिर्फ एक ‘लॉ इंटर्न’ के तौर पर दिया गया था, लेकिन दूसरे में, उसके कई नए पहलू सामने आए। लोगों को मेरे किरदार ‘निकुंज’ की असलियत पता चली।’ अभिनेता ने आगे बताया कि सीरीज में उन्हें पुरुषों के उत्पीड़न से जुड़े केस पर काम करने का मौका मिला था। साथ ही मेरे निजी रिश्तों के बारे में भी कई बातें सामने आईं। उन्होंने कहा, ‘इन सभी मुद्दों पर काम करना मेरे लिए काफी दिलचस्प था। पहले सीजन में भी निकुंज कई जगहों पर थोड़ा उलझन में दिखता है, लेकिन वह हर काम पूरी ईमानदारी से करने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा, ‘पहले सीजन में वह नियमों को थोड़ा तोड़-मरोड़कर काम करता है, लेकिन हमेशा किताबों में लिखे नियमों के अनुसार चलता है। इसलिए उसके नाम में भी ‘लॉ’ (कानून) शब्द है। वह हमेशा कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहता है। अभिनेता ने कहा, ‘दूसरे सीजन में कुछ ऐसी स्थितियां आती हैं, जहां कानूनी किताबें कोई मदद नहीं करती। यह किरदार एक आम इंसान की तरह है। वह डरता भी है, खुश भी होता है और अपने आस-पास के लोगों के साथ शरारतें भी करता है। ये सारी बातें दर्शकों को अपने जीवन से जुड़ी हुई लगती हैं। ’मामला लीगल है’ के सीजन 2 में रवि किशन, निधि बिष्ट और अंजुम बत्रा मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अवनीत कौर ने प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी

एक्ट्रेस ने कहा- उम्र के साथ लुक में नैचुरल बदलाव हुआ है

एक्ट्रेस अवनीत कौर ने हाल ही में उनके लुक्स को लेकर चल रही प्लास्टिक सर्जरी और बोटॉक्स की अफवाहों पर रिएक्ट किया। उन्होंने साफ किया कि उनके लुक में बदलाव उम्र के साथ नैचुरली हुआ है। गौरतलब है कि अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी फोटो शेयर करती रहती हैं। समय के साथ उनके लुक में आए बदलाव को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों द्वारा बोटॉक्स या प्लास्टिक सर्जरी कराने के दावे किए जाते हैं।

बचपन और अब की फोटो की तुलना करने की सलाह दी

हाल ही में एक इंटरव्यू में अवनीत ने इन दावों को लेकर कहा कि वह ऐसे कमेंट्स पर ध्यान नहीं देतीं, लेकिन अगर लोग ऐसा सोच रहे हैं तो उन्हें अपने बचपन और वर्तमान की तस्वीरों की तुलना करनी चाहिए।

अगर बच्चे नहीं चाहिए, तो शादी क्यों? अविनाश तिवारी ने बदलती सोच पर रखी बेबाक राय

फिल्मी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अविनाश तिवारी अपनी दमदार एक्टिंग और अलग तरह के किरदारों के लिए जाने जाते हैं। वह अपनी सोच और बेबाक विचारों को लेकर भी पहचाने जाते हैं। उन्होंने शादी जैसे अहम विषय पर अपनी राय पेश की है। आईएएनएस से बात करते हुए अविनाश तिवारी ने कहा, ‘आज के दौर में शादी उतनी जरूरी नहीं है, जितनी पहले मानी जाती थी। शादी का महत्व तब ज्यादा होता है, जब कोई व्यक्ति परिवार शुरू करना चाहता है। अगर किसी का परिवार बनाने का इरादा नहीं है, तो शादी करना जरूरी नहीं है।’ उन्होंने आगे कहा, ‘’बिना शादी के भी दो लोग एक साथ रह सकते हैं और जीवनसाथी बन सकते हैं। किसी रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए शादी जरूरी नहीं है, बल्कि समझ, सम्मान और आपसी जुड़ाव ज्यादा मायने रखता है।’’ उम्र को लेकर भी अविनाश ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ‘’उम्र का फैक्टर तब सामने आता है, जब कोई बच्चा पैदा करने की योजना बना रहा होता है। यही कारण है कि लोग सही समय पर शादी करने की सलाह देते हैं, ताकि शारीरिक रूप से सब कुछ ठीक रहे, लेकिन अगर कोई व्यक्ति परिवार नहीं बनाना चाहता, तो उसके लिए उम्र कोई बड़ी बाधा नहीं होती और वह अपनी जिंदगी अपने तरीके से जी सकता है।’’ अविनाश तिवारी ने कहा, ‘’समय के साथ समाज की सोच बदल रही है और मेडिकल साइंस में हुई तरक्की ने भी लोगों के नजरिए को बदला है। अब लोग शादी और उम्र को लेकर पहले जैसी सोच नहीं रखते। इसी बदलती सोच को समझाने के लिए ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’’ जैसी फिल्मों में भी इन मुद्दों को दिखाया जा रहा है, ताकि लोग इन पर खुलकर सोच सकें।’’ अपने निजी जीवन को लेकर अविनाश ने कहा, ‘’मेरे आसपास के लोग अक्सर सोचते हैं कि वह शादी के लिए लेट कर चुके हैं, लेकिन वह इस बात को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते और अपनी जिंदगी अपने हिसाब से जीने में विश्वास रखते हैं।’’ अविनाश तिवारी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’ में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ मेधा शंकर भी मुख्य भूमिका में होंगी।

एक्ट्रेस की मां ने उठाया सच से पर्दा

क्या कल्याणी प्रियदर्शन और मोहनलाल के बेटे प्रणव की होने वाली है शादी?

क्या साउथ की चर्चित एक्ट्रेस कल्याणी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। इस खबर में कितनी सच्चाई है, इस बारे में कल्याणी की मां ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की है। डायरेक्टर प्रियदर्शन की बेटी कल्याणी दक्षिणी भारतीय फिल्मों का जाना-माना नाम हैं। फिल्म ‘लोका’ में उन्हें काफी सराहा गया। बीते दिनों कल्याणी और एक्टर प्रणव मोहनलाल की शादी को लेकर अफवाहें उड़ने लगीं। इस खबर पर अब कल्याणी की मां ने चुप्पी तोड़ी है।

शादी की खबरों पर कल्याणी की मां ने क्या कहा?

हाल ही में कल्याण की मां लिसी ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की थीं, जिनमें वह अपने घर के मंदिर में पूजा करती हुई नजर आ रही हैं। इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, ‘कल्याणी और प्रणव की शादी का इंतजार है।’ तो रिएक्शन में लिसी ने लिखा, ‘यह खबर झूठी है।’

बायोपिक में काम करेंगे आमिर खान

आमिर खान की अगली फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। ये एक बायोपिक फिल्म होगी, जिसमें आमिर एक बिजनेस टाइकून की भूमिका निभाएंगे।

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। आमिर आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म ‘सितारे जमीन पर’ में नजर आए थे। अब आमिर खान की नई फिल्म को लेकर एक जानकारी सामने आ रही है। यह एक बायोपिक फिल्म होने की खबरें हैं।

अश्वनीर ग्रोवर की बायोपिक करेंगे आमिर खान

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, आमिर खान ने अश्वनीर ग्रोवर की बायोपिक को मंजूरी दे दी है। बिजनेस और स्टार्टअप जगत में उनकी भूमिका की कहानी ने अभिनेता को प्रभावित किया है। आमिर ने इसे पढ़ा है और उन्हें यह बहुत पसंद आई है; इसलिए वो यह फिल्म कर रहे हैं। फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। अश्वनीर आज के दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं, इसलिए यह फिल्म उनसे काफी मिलती-जुलती है।

राहुल मोदी करेंगे फिल्म का निर्देशन

अश्वनीर ग्रोवर की कहानी उनकी किताब ‘दोगलापनः द हार्ड ट्रुथ अबाउट लाइफ एंड स्टार्ट-अप्स’ में बयां की गई है। खबरों के मुताबिक, ‘प्यार का पंचनामा’ सीरीज, ‘सोनू के टिटू की स्वीटी’ और ‘तू झूठी मैं मक्कर’ के लेखक राहुल मोदी इस फिल्म का निर्देशन और निर्माण करेंगे।

‘हां, फिर से एक्टिंग कर रही हूं’

कंगना रनौत ने की ‘क्वीन 2’ की पुष्टि; दिवंगत गायिका आशा भोसले को किया याद

अभिनेत्री कंगना रनौत ने हाल ही में साल 2014 में आई फिल्म ‘क्वीन’ के सीक्वल की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वे दूसरे पार्ट पर काम कर रही हैं। इसके अलावा उन्होंने दिवंगत गायिका आशा भोसले को भी याद किया। विकास बहल के निर्देशन में बनी फिल्म ‘क्वीन’ (2014) ने कंगना रनौत के करियर को एक अहम मोड़ दिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। साथ ही कंगना को इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला। दिलचस्प बात यह है कि वर्षों बाद कंगना और विकास इस फिल्म का दूसरा पार्ट ला रहे हैं। कंगना ने भी ‘क्वीन 2’ की पुष्टि कर दी है। कंगना रनौत ने समाचार एजेंसी के साथ एक इंटरव्यू में फिल्म के सीक्वल पर काम करने की बात कंफर्म की। हालांकि, फिल्म से अन्य जरूरी डिटेल्स के बारे में उन्होंने कुछ नहीं बताया। उनसे जब पूछा गया कि क्या उन्होंने ‘क्वीन 2’ की शूटिंग शुरू कर दी है? तो कंगना ने फिल्ममेकर विकास बहल के साथ अपने कोलैबोरेशन की बात कंफर्म करते हुए कहा, ‘विकास बहल और मैं साथ आ रहे हैं, लेकिन मैं ज्यादा कुछ नहीं बता सकती।

टेंडर में अडानी समूह पर नियम तोड़ने के लगे थे आरोप, अब सीसीआई ने सुना दिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह से जुड़ी एक अहम खबर है। दरअसल, सीसीआई ने अपने आदेश में कहा कि देश का बिजली उत्पादन बाजार कई बड़ी सार्वजनिक एवं निजी कंपनियों से मिलकर बना है और अडानी समूह प्रथम दृष्टया इस बाजार में प्रभुत्वशाली नहीं लगता है। गौतम अडानी समूह के लिए एक अहम खबर है। दरअसल, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने गुरुवार को अडानी समूह की कंपनियों, एज्योर पावर और अन्य के खिलाफ एक सोलर एनर्जी टेंडर में कथित तौर पर

प्रतिस्पर्धा-रोधी आचरण से जुड़ी शिकायत खारिज कर दी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अडानी ग्रीन एनर्जी फोर लिमिटेड, गौतम अडानी, सागर अडानी, एज्योर पावर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) एवं कई अन्य इकाइयों ने प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन किया है। निजी कंपनियों से मिलकर बना है और अडानी समूह प्रथम दृष्टया इस बाजार में प्रभुत्वशाली नहीं लगता है। सीसीआई ने आदेश में कहा- भारत के बिजली उत्पादन बाजार में एनटीपीसी, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टाटा पावर, टोरेंट पावर और रिलायंस पावर जैसी कई महत्वपूर्ण कंपनियां मौजूद हैं।

86 प्रतिशत बढ़ा कंपनी प्रॉफिट, शेयरों को खरीदने की मची होड़, 4 प्रतिशत उछला भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी एंजल वन लिमिटेड के शेयरों का भाव आज शुक्रवार

की सुबह 300 रुपये के पार पहुंच गया। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह चौथी तिमाही के नतीजे हैं। इस दौरान कंपनी के नेट प्रॉफिट में 84 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, तिमाही दर तिमाही के आधार पर एंजल वन का प्रॉफिट 19 प्रतिशत बढ़ा है। बीएसई में आज शुक्रवार को एंजल वन लिमिटेड का शेयर भारी बढ़त के साथ 304.80 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 305 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि उनका प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 320 करोड़ रुपये रहा है। यह साल दर साल की तुलना में 84 प्रतिशत अधिक है। वहीं, तिमाही दर तिमाही के आधार पर अगर देखें तो यह 19 प्रतिशत अधिक है। जनवरी से मार्च 2026 के दौरान एंजलवन लिमिटेड का रेवन्यू 1467 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 39 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, तिमाही दर तिमाही के आधार पर 10 प्रतिशत अधिक है। मार्च तिमाही में कंपनी का कुल ऑर्डर 43.1 करोड़ रहा है। यह दिसंबर तिमाही की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के ग्राहकों की संख्या भी बढ़कर 3.74 करोड़ हो गई है। मौजूदा समय में एंजल वन लिमिटेड पर भारत 16.70 प्रतिशत डिमैट अकाउंट है। महज दो हफ्ते में एंजल वन लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 24.44 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में यह स्टॉक 19.99 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। एक साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 27.18 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 0.26 प्रतिशत की गिरावट आई है। तीन साल में एंजल वन लिमिटेड के शेयरों का भाव 135 प्रतिशत बढ़ा है।

ईरान-इजरायल युद्ध ने बिगाड़ा भारत के पर्यटन उद्योग का गणित, 18,000 करोड़ का घाटा!

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजरायल युद्ध में भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री भी घायल है। जी हां, बाहर से भारत घूमने आने वाले पर्यटकों की संख्या में इस वजह से 15 से 20 फीसदी की गिरावट हुई है। दरअसल, पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने से फ्लाइट्स की कमी तो हुई ही, उनके रूट्स पर भी असर पड़ा। इस वजह से पूरी अर्थव्यवस्था को 18,000 करोड़ रुपये की चपत लगी है। उद्योग संगठन पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की कल ही शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी हुई है। इसमें बताया गया है कि पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 15 से 20 की कमी हुई है। इसके अनुसार, संघर्ष के कारण पैदा हुई बाधाओं के चलते एविशन इंडस्ट्री, होटल एवं रेस्टोरेंट इंडस्ट्री के साथ-साथ पर्यटन से जुड़े लॉजिस्टिक सेक्टर और सर्विस सेक्टर भी प्रभावित हुए हैं।

एविएशन इंडस्ट्री हुआ परेशानत्र जब से पश्चिम एशिया में हालात बिगड़े हैं, फ्लाइट्स के कई रूट्स बंद हो गए। कुछ रूट्स में बदलाव करना पड़ा जिससे उनके फ्लाइट टाइम में दो से चार घंटे की बढ़ोतरी हो गई। इसी

समय हवाई जहाज के ईंधन या एटीएफ की कीमतें भी दूनी हो गई। इस वजह से एविएशन इंडस्ट्री का ऑपरेशन कॉस्ट काफी बढ़ गया। आपको बताते चलें कि किसी भी एयरलाइन के ऑपरेटिंग कॉस्ट में फ्यूल की हिस्सेदारी 35 से 40 फीसदी होती है। तभी तो एविएशन कंपनियों को जबरन किराया भी बढ़ाना पड़ा है। हालांकि, इसी दौरान अपना घरेलू एविएशन सेक्टर में भारी विस्तार हुआ है। इस समय हर रोज करीब पांच लाख यात्री हवाई जहाज में सफर कर रहे हैं।

4 करोड़ लोगों को रोजगार: पीएचडीसीसीआई की इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत के टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी सेक्टर का अर्थव्यवस्था में भारी योगदान है। भारत के जीडीपी में इन सेक्टर्स की करीब आठ फीसदी की हिस्सेदारी है। साथ ही करीब चार करोड़ लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। पिछले साल इस इंडस्ट्री में शानदार शेप की रिकवरी हुई थी। तभी तो ब्रांडेड होटल की इंवेंट्री करीब दो लाख कमरे तक हो गए थे। लेकिन विदेशी पर्यटकों की कम आवक से इनका धंधा प्रभावित हुआ है। पश्चिम एशिया संकट से सिर्फ ब्रांडेड होटल का ही धंधा नहीं घटा बल्कि रेस्टोरेंट और फूड सर्विस सेगमेंट पर भी दवाब बढ़ा है।

5 स्टॉक्स पर लगाएं दांव, इंट्रडे के लिए सुमित बगड़िया हैं बुलिश

नई दिल्ली, एजेंसी। नियोजेन केमिकल्स, एस्ट्रा माइक्रोवेव, सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स, एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स और आईएफसीआई इन पांचों शेयरों में टेक्निकल आधार पर तेजी के संकेत मिल रहे हैं। सही रणनीति के साथ इन स्टॉक्स में शॉर्ट टर्म में अच्छे मौके मिल सकते हैं। मार्केट एक्सपर्ट सुमित बगड़िया ने शुक्रवार, 17 अप्रैल के लिए पांच ऐसे शेयर बताए हैं, जिनमें शॉर्ट टर्म में तेजी देखने को मिल सकती है। इन स्टॉक्स में टेक्निकल ब्रेकआउट और मजबूत मोमेंटम नजर आ रहा है। इनमें नियोजेन केमिकल्स, एस्ट्रा माइक्रोवेव, सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स, एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स और आईएफसीआई शामिल हैं। नियोजेन केमिकल्स 1502 के आसपास है और चार्ट पर मजबूत ब्रेकआउट दिखा रहा है। शेयर ने अपने सभी प्रमुख इएमए (20, 50, 100 और 200) को पार कर लिया है, जो ट्रेंड बदलने का संकेत देता है। आरएसआई भी 66 के ऊपर है, जिससे खरीदारी का मजबूत संकेत मिल रहा है। अगर यह तेजी बनी रहती है, तो शेयर 1610 तक जा सकता है।

गोल्ड स्टॉक्स 1 महीने में 25 प्रतिशत तक उछले, अक्षय तृतीया से पहले ज्वेलरी की एडवांस बुकिंग में भी उछाल

उछल रहे ज्वेलरी कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्षय तृतीया से पहले ही कल्याण ज्वैलर्स इंडिया, टाइटन कंपनी, पीसी ज्वैलर और सेंको गोल्ड जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त उछाल है। ज्वेलरी सेक्टर ने वित्त वर्ष 2027 की मजबूत शुरुआत की है। 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया और चल रहे शादी के मौसम से पहले एडवांस बुकिंग जोरों पर है। अक्षय तृतीया 2026 को आने में महज दो दिन शेष हैं और सोने-चांदी के गहने बेचने वाली कंपनियों के शेयर उछल रहे हैं। पिछले एक महीने में जहां ईरान युद्ध, तेल की कीमतों में उछाल, मजबूत होता डॉलर और बढ़ती महंगाई की आशंकाओं ने भारतीय शेयर बाजार को बेचैन कर रखा है, वहीं इन सबके बीच ज्वेलरी सेक्टर के शेयर दमदार प्रदर्शन करते नजर आए हैं। कल्याण ज्वैलर्स इंडिया, टाइटन कंपनी, पीसी ज्वैलर और सेंको गोल्ड जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों ने मात्र एक महीने में ही 25 प्रतिशत तक की छलांग लगा दी है। इस दौरान निफ्टी में महज 3.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

ज्वेलरी कंपनियों के शेयरों में इस तेजी की मुख्य वजह शादियों और त्योहारों के मौसम में मजबूत मांग बनी हुई है। रिकॉर्ड स्तर पर सोने की कीमतें होने के बावजूद ग्राहकों का खर्च कम नहीं हुआ है। साथ ही स्टोर सेल भी शानदार सुधार देखने को मिला है। मार्च तिमाही में इस सेक्टर की घरेलू बिक्री में सालाना आधार पर 32 से 124 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह तेजी आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। चल रहे शादी के मौसम में दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जा रही है और 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया का त्योहार आने वाला है, जिससे मांग और बढ़ने की संभावना है। देश की सबसे बड़ी लिस्टेड ज्वेलरी कंपनी टाइटन ने मार्च 2026 तिमाही में सालाना आधार पर 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह वृद्धि 25 प्रतिशत थी। स्टोरों की बिक्री में भी जबरदस्त सुधार हुआ और यह एक साल पहले के 15 प्रतिशत से बढ़कर 48 प्रतिशत हो गई। अन्य कंपनियों का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा।

वैल्यू एडिशन से किया कमाल

इंटरव्यू तक पहुंचे, फिर तैयारी छोड़कर शुरू किया ऐसा काम कि अब सालाना 95 लाख की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। मिथिलेश देसाई महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले से हैं। उन्होंने साबित किया है कि आधुनिक तकनीक और सही विजन से खेती को फायदेमंद बिजनेस बना सकते हैं। कभी यूपीएससी के इंटरव्यू राउंड तक पहुंचने के बाद उन्होंने एक साहसी फैसला लिया। आगे तैयारी छोड़कर मिथिलेश ने पिता के कटहल उत्पादन के सपने को चुना। आज 'जैकफ्रूटकिंग एग्रो' के जरिये वह 95 लाख रुपये का सालाना टर्नओवर हासिल कर रहे हैं। आइए, यहां मिथिलेश देसाई की सफलता के सफर के बारे में जानते है। मिथिलेश देसाई ने महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ से एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की है। पढ़ाई पूरी करने के बाद दिल्ली में दो साल तक उन्होंने यूपीएससी की तैयारी की। साल 2016 में वह अपने दूसरे प्रयास में इंटरव्यू राउंड तक पहुंचे। लेकिन, फाइनल सेलेक्शन नहीं हुआ। इसी दौरान उन्हें एहसास हुआ कि कृषि स्नातक होने के नाते उनका असली योगदान प्रशासनिक कार्यालयों के बजाय खेतों में होना चाहिए। जब उन्होंने देखा कि ज्यादातर एग्री-ग्रेजुएट खेती छोड़कर नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो उन्होंने अपने पिता हरीश चंद्र देसाई के साथ मिलकर कटहल की व्यावसायिक खेती शुरू करने का फैसला लिया। शुरुआती सफर

आसान नहीं था। जब मिथिलेश ने खेती का रास्ता चुना तो पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने उन्हें 'गैर-जिम्मेदार' और 'पागल' तक कहा। यहां तक कि बैंकों ने उनके 25 लाख रुपये के लोन आवेदन को यह कहकर खारिज कर दिया कि कटहल कोई व्यावसायिक फसल नहीं है। लेकिन, मिथिलेश और उनके पिता डटे रहे। उन्होंने पूरे भारत की यात्रा की। इंटरनेशनल सेमिनार अटेंड किए। कटहल की 128 ग्लोबल किस्मों पर रिसर्च किया। आज वह अपनी 5 एकड़ जमीन पर कटहल की 88 से अधिक किस्मों को उगा रहे हैं। 2020 में शुरू हुई 'जैकफ्रूटकिंग एग्रो' सिर्फ कटहल नहीं बेचती है। इसका बिजनेस मॉडल 'वैल्यू एडिशन' पर आधारित है। कंपनी ने 5-10 रुपये में बिकने वाले कटहल को अपनी प्रोसेसिंग यूनिट के जरिए 1,000 रुपये की वैल्यू वाले उत्पादों में बदल दिया है। इनमें वीगन मीट, बर्गर पैटीज, चिप्स, डायबिटीज मैनेजमेंट के लिए कटहल पाउडर और पशुओं के लिए पौष्टिक चारा शामिल है। मिथिलेश की नर्सरी सालाना 35,000 ग्राफ्टेड पौधों की सप्लाई करती है। वह महाराष्ट्र के 1,000 से अधिक किसानों से सीधे जुड़े हुए हैं।

कच्चा तेल 130 पहुंचा, तब भी नहीं रुकेगी भारत की रफ्तार, एस एंड पी रेटिंग्स ने माना इकॉनमी का लोहा

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम एशिया के संकट के बीच अगर इस वित्त वर्ष में कच्चे तेल की औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल भी पहुंच जाती है, तो भी भारत 6.3 प्रतिशत की रफ्तार से तरक्की करेगा। एजेंसी ने यह भी साफ किया कि तेल की कीमतों में उछाल से पड़ने वाले बोझ का भारत की 'सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग' (देश की साख) पर कोई असर पड़ने की आशंका नहीं है। इसकी वजह यह है कि भारत लंबे समय में अपने राजकोषीय घाटे को कम करने और सरकारी खजाने को मजबूत बनाए रखने के लिए राजनीतिक रूप से पूरी तरह प्रतिबद्ध है। डायरेक्टर (सॉवरेन रेटिंग्स) यी फर्न फुआ ने एक वेबिनार में बताया कि अगर हम सामान्य हालात मानकर चलें और कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति

बैरल रहता है, तो भारत वित्त वर्ष 2026-27 में 7.1 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर तेल की औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल तक चली जाती है, तब भी भारत की विकास दर 6.3 प्रतिशत रहेगी। यह दर तब भी दुनिया की बड़ी इकॉनमीज में सबसे ज्यादा होगी। फुआ ने कहा, ''दुनिया की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में यह आंकड़ा अभी भी बहुत मजबूत है। वैकल्पिक परिदृश्य में भी, अगर मैं कहूं कि औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो भी हम 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर देख रहे हैं। ऐसे में भी भारत की वृद्धि दर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी।'' एसएंडपी ने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान, जिससे ईंधन या उर्वरक जैसे संबंधित उत्पादों की कमी होती है, एक जोखिम होगा।

दुनिया की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में यह आंकड़ा अभी भी बहुत मजबूत है। वैकल्पिक परिदृश्य में भी, अगर मैं कहूं कि औसत कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो भी हम 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर देख रहे हैं।

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में राहत देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। मामले से जुड़े दो वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, यह योजना इसलिए बनाई जा रही है, क्योंकि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण तेल की कीमतें बढ़ गई हैं और सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे हालात में आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ सकता है। यह प्रस्ताव उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के स्तर पर विचाराधीन है। दाल, प्याज, आलू और टमाटर जैसी जरूरी चीजों के लिए स्थिरता कोष साल 2015 में शुरू किया गया था। जब इन चीजों की कीमतें बहुत बढ़ जाती हैं तो सरकार इस फंड से सामान खरीदकर बाजार में बेचती है, जिससे कीमतें नियंत्रण में रहती हैं। अब सरकार इसी तरह का फंड पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के लिए बनाना चाहती है। हाल ही में वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक में इस पर चर्चा हुई है। सरकार इस फंड के जरिए पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का एक तय मात्रा में भंडार (रिजर्व) तैयार करेगी। इसके लिए तेल रिफाइनरी कंपनियों के साथ समझौते किए जाएंगे। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें अचानक बढ़ेंगी या सप्लाई बाधित होगी, तब इस भंडार को बाजार में जारी किया जाएगा, जिससे कीमतों पर दबाव कम होगा और लोगों को राहत मिलेगी।

रेनो ग्रुप ने अंतरराष्ट्रीय विकास के अगले चरण के लिए फूटू रेड्डी इंडिया पेश किया

चेन्नई, एजेंसी। रेनो ग्रुप के सीईओ फ़्रांसुआ प्रोवो ने भारत की अपनी एक सप्ताह की यात्रा के अंत में फूटू रेड्डी इंडिया पेश किया। यह पिछले मार्च में ग्रुप द्वारा घोषित फ्यूचररेडी रणनीतिक योजना का भारतीय विस्तार है।

रेनो ग्रुप के सीईओ फ़्रांसुआ प्रोवो ने कहा, हमारे नए विज़न फूटू रेड्डी के साथ, रेनो ग्रुप उन उच्च क्षमता वाले और तेजी से बढ़ते बाजारों पर ध्यान दे रहा है जहाँ ग्रुप की पहले से ही मजबूत उपस्थिति है। भारत, जहाँ हमें 15 साल हो गए हैं, इसका एक प्रमुख उदाहरण है- यह उन बाजारों में विकास की एक-तिहाई से अधिक क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है जहाँ रेनो ब्रांड पहले से सक्रिय है।

भारत न केवल एक विकास बाजार बनने के लिए तैयार है, बल्कि उत्कृष्टता के केंद्र और निर्यात केंद्र के रूप में भी उभरेगा। हमारी स्थानीय टीमों की प्रतिबद्धता और विशेषज्ञता की वजह से यह ग्रुप की समग्र प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करेगा। तीस साल पहले, रेनो ग्रुप ने अंतरराष्ट्रीय विस्तार की अपनी पहली लहर शुरू की थी। फूटू रेड्डी के साथ, हम अपनी वैश्विक विकास गाथा में एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं ङ्क और भारत इसके केंद्र में होगा! भारत में रेनो ग्रुप के सीईओ स्टीफ़ान डेब्लिस ने कहा, 2030 तक, हम भारत में सात मॉडलों का एक पोर्टफोलियो पेश करेंगे। यह छोटी कारों से लेकर बड़ी एसयूवी तक के प्रमुख सेगमेंट में फैला होगा। इसमें स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड से लेकर पूरी तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों तक इलेक्ट्रिफाइड पावरट्रेन की एक पूरी श्रृंखला शामिल होगी। विश्व स्तरीय इंजीनियरिंग, प्रतिस्पर्धी उत्पादन और एक स्पष्ट व महत्वाकांक्षी उत्पाद रोडमैप का लाभ उठाते हुए, भारत रेनो ग्रुप के लिए निरंतर प्रगति का एक प्रमुख चालक बनने के लिए तैयार है। भारत में रेनो ग्रुप का अब तक का सबसे बड़ा प्रोडक्ट-ड्रिवन अभियान भारत में रेनो ग्रुप का ध्यान उन ग्राहकों की संख्या बढ़ाने पर है, जो शानदार डिज़ाइन, आधुनिक ऑनबोर्ड तकनीक और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन वाले वाहनों को पसंद करते हैं। ग्रुप का लक्ष्य 2030 तक विश्व स्तर पर रेनो ब्रांड के शीर्ष तीन बाजारों में शामिल होना है। इसीलिए, रेनो ब्रांड अब हायर वैल्यू-एडेड (ज्यादा मूल्यवान) पोजिशनिंग अपना रहा है। इसके लिए वाहनों के ऑनबोर्ड सिस्टम और पावरट्रेन विकल्पों, दोनों में ही एडवांस टेक्नोलॉजी को शामिल किया जा रहा है। 2030 तक कुल सात वाहनों का पोर्टफोलियो तैयार करने के लिए चार नए वाहन कतार में हैं। इसमें रेनो डस्टर भी शामिल है, जिसे जनवरी 2026 में पेश किया गया था और जो भारतीय ग्राहकों के बीच पहले से ही जबरदस्त उत्साह पैदा कर रही है।

बजाज ऑटो ने लॉन्च किया बजाज डब्ल्यूईजीओ

भोपाल, एजेंसी। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल 2-व्हीलर और 3-व्हीलर कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड ने आज अपने ब्रांड बजाज डब्ल्यूईजीओ के तहत इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर्स के पोर्टफोलियो के लॉन्च की घोषणा की। पैसेंजर और कार्गो सेगमेंट में कई वेरिएंट्स के साथ बजाज डब्ल्यूईजीओ अब 3-व्हीलर सेगमेंट में भारत का सबसे बड़ा ब्रांड बन गया है।

बजाज डब्ल्यूईजीओ प्लेटफॉर्म सेगमेंट में अग्रणी रेंज प्रदान करता है। यह एक कुशल इलेक्ट्रिक ड्राइवट्रेन, 2-स्पीड ऑटो ट्रांसमिशन, एडवांस बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम और रीजनरेटिव ब्रेकिंग टेक्नोलॉजी से लैस है। इससे रेंज को लेकर चिंता कम होती है और ऑपरेटर्स को लंबे समय में बेहतर फायदा मिलता है।

नई बजाज डब्ल्यूईजीओ रेंज कई उपयोगी फीचर्स के साथ आती है,ह्य जिनमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, डिजिटल डिस्प्ले एलसीडी क्लस्टर, हिल होल्ड, क्लाइंब मोड और बेहतर ग्रेडेबिलिटी शामिल हैं। इस रेंज में यात्रियों के लिए ज़्यादा जगह, बेहतर लेगरूम और ड्राइवर के आसानी से चढ़ने-उतरने के लिए सुविधाजनक डिज़ाइन भी दिया गया है।

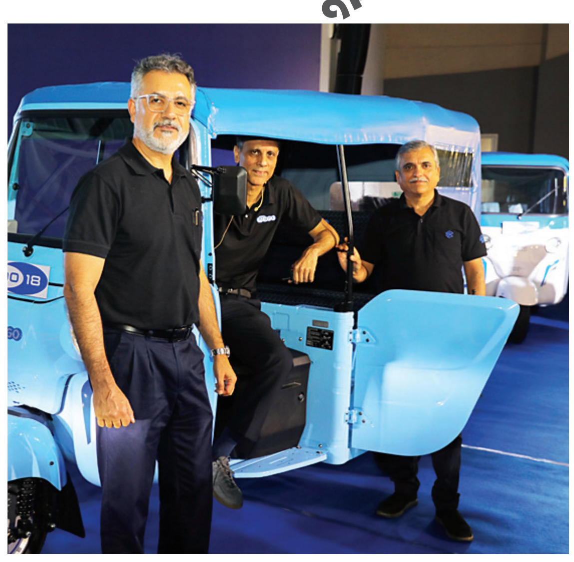

10% का इजाफा हुआ फ्रेंच ओपन की इनामी राशि में

7 करोड़ 21 लाख डॉलर मिलेंगे फ्रेंच ओपन विजेता को

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की इनामी राशि में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है जिससे कुल इनामी राशि छह करोड़ 17 लाख यूरो (सात करोड़ 21 लाख डॉलर) हो गई है। यह कुल राशि पिछले साल के मुकाबले 53 लाख यूरो अधिक है। प्रतियोगिता 24 मई को पश्चिमी पेरिस के रोलां गैरो में शुरू होगी।पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उप विजेता को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को सात लाख 50 हजार यूरो और पहले दौरे में हारने वाले खिलाड़ियों को 87 हजार यूरो मिलेंगे। पुरुष और महिला युगल के विजेताओं को छह लाख यूरो और मिश्रित युगल की चैंपियन जोड़ी को एक लाख 22 हजार यूरो मिलेंगे। पिछले साल कार्लोस अल्कारेज ने पांच सेट के तक चले फाइनल में यानिक सिनर को हराकर पुरुष एकल खिताब जीता था जबकि कोको गॉफ ने एरिना सबालेंका को हराकर महिला एकल खिताब अपने नाम किया था।

मेसी कानूनी विवाद में फंसे, दिग्गज फुटबॉलर ने पूरी नहीं की ये शर्त

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी कानूनी विवाद में फंस गए हैं। मियामी की इवेंट कंपनी वीआईडी म्यूजिक ग्रुप ने मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। मामला पिछले साल अक्तूबर में मियामी के हॉर्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए अर्जेंटीना बनाम वेनेजुएला दोस्ताना मैच से जुड़ा है। कंपनी का आरोप है कि मेसी ने इस मैच में खेलने के लिए किए गए लगभग सात मिलियन डॉलर के अनुबंध का उल्लंघन किया। समझौते के तहत उन्हें कम से कम 30 मिनट मैदान पर उतरना था, जब तक कि वे चोटिल न हों। हालांकि, मेसी ने मैच में हिस्सा नहीं लिया और स्टेडियम के एक लग्जरी सुइट से मुकाबला देखा।

भारी आर्थिक नुकसान का दावा

कंपनी का दावा है कि उनकी अनुपस्थिति से टिकट बिक्री, स्पॉन्सरशिप और ब्रॉडकास्ट रेवेन्यू पर बड़ा असर पड़ा जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ। वीआईडी म्यूजिक ग्रुप के वकील राल्फ पैटिनो के अनुसार, मेसी की भागीदारी इस डील की एक अहम शर्त थी और यह सीधे तौर पर मैच की व्यावसायिक सफलता से जुड़ी हुई थी। कंपनी ने अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के साथ वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ दो मैत्री मैचों के प्रमोशन का करार किया था। दिलचस्प बात यह है कि वेनेजुएला के खिलाफ मैच में नहीं खेलने के बावजूद मेसी अगले ही दिन मेजर लीग सॉकर में अपनी टीम इंटर मियामी सीएफ के लिए उतरे और अटलांटा के खिलाफ 4-0 की जीत में दो गोल दागे और प्यूर्टो रिको के खिलाफ खेले गए दूसरे दोस्ताना मैच में हिस्सा लिया।

रोहित की चोट गंभीर नहीं: कोच जयवर्धने

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहला मैच जीतने के बाद टीम को लगातार चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है और टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। टीम के लिए चिंता की बात यह भी है कि उसके स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा चोटिल हो गए हैं और वह पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से बाहर रहे थे।

आरसीबी के खिलाफ चोटिल हुए थे

पंजाब के खिलाफ मैच से पहले मुंबई इंडियंस का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हुआ था। इस मैच में हिटमैन दूसरी पारी के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझते नजर आए थे और रन-चेज के छठे ओवर में ही उन्हें चोट के कारण अपनी पारी बीच में ही छोड़नी पड़ी थी। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने बताया था कि पंजाब के खिलाफ रोहित को आराम दिया गया है। उनकी वापसी फिलहाल निश्चित नहीं है। हार्दिक ने कहा था, उन्हें यह देखने में कुछ मैच लगेंगे कि वह फिलहाल किस स्थिति में हैं।

रोहित पर दबाव नहीं डालना चाहता टीम प्रबंधन

अब टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने भी रोहित की फिटनेस पर अपडेट दिया है। मुख्य कोच ने कहा कि रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है और टीम प्रबंधन उन्हें ज्यादा दबाव में नहीं रखना चाहता क्योंकि टूर्नामेंट अभी शुरुआती दौर में है। जयवर्धने ने कहा, रोहित ने बुधवार से दौड़ना शुरू कर दिया है, बल्लेबाजी भी की है। हम हर दिन उनकी प्रगति का आकलन कर रहे हैं। उनकी चोट गंभीर नहीं है लेकिन साथ ही, हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते और अभी सत्र की शुरुआत है। जयवर्धने ने इस बात को नकार दिया की टीम की लगातार चौथी हार से कप्तान हार्दिक पांड्या दबाव में हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ हार्दिक की जिम्मेदारी है। यह हम सभी की जिम्मेदारी है। जब हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं, तो यह किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं होती, बल्कि यह पता करना मेरी और टीम प्रबंधन में शामिल हर व्यक्ति की जिम्मेदारी होती है कि हम बेहतर प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं।

आईपीएल में अबतक दिखा ये ट्रेंड

धीमी गेंदों को हथियार बना रहे गेंदबाज पावरप्ले में अधिक रन बनाने पर ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का पहला चरण शुरू हुए अब समय हो गया है और दो टीमों को छोड़कर अन्य टीमों ने पांच-पांच मुकाबले खेल लिए हैं। लीग चरण में 70 मैच खेले जाने हैं और टूर्नामेंट काफी लंबा है। टी20 एक ऐसा प्रारूप है जिसमें हर पल मैच का रुख बदलता रहता है। आईपीएल 2026 में अब तक 24 मुकाबले खेले जा चुके हैं और टीमों की रणनीति भी स्पष्ट नजर आ रही है।

सबसे सफल टीमों का बुरा हाल

आईपीएल की तीन सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), इन तीन टीमों का हाल इस सीजन बेहाल है। अंक तालिका में ये तीन टीमें क्रमशः आठवें, नौवें और 10वें स्थान पर मौजूद हैं। केकेआर का तो पांच मैचों के बाद भी खाता नहीं खुल सका है, जबकि मुंबई की टीम पहला मैच जीतने के बाद लगातार चार मुकाबले गंवा चुकी है। सीएसके ने हालांकि, अपने पिछले दो मैच जीते हैं, लेकिन उसका प्रदर्शन अपेक्षा के अनुसार नहीं रहा है।

ये तीन टीमें दिख रहीं मजबूत

अब तक खेले गए मुकाबले के हिसाब से गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें बेहद मजबूत दिख रही हैं। पंजाब अब तक अजेय बनी हुई है और उसने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। पंजाब की टीम पांच मैचों में नौ अंक लेकर शीर्ष पर मौजूद है, जबकि आरसीबी की टीम आठ अंकों के साथ दूसरे और राजस्थान भी इतने अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जाएंट्स और सीएसके की टीमों के एक समान चार-चार अंक हैं। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण सनराइजर्स चौथे स्थान पर है।

सीजन के पहले 25 मैचों में दिखा है ये रुझान

- अब तक खेले गए मैचों में जो ट्रेंड सामने आए हैं, उनसे स्पष्ट है कि टीमों का ध्यान पावरप्ले में ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर है तो धीमी पिचों पर गेंदबाजों ने धीमी गेंद को ही अपना हथियार बनाया है।
- पावरप्ले में ज्यादा से ज्यादा रन की रणनीति ने कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं।
- मध्य ओवरों में भी टीमें अब पावरप्ले की तरह ही धुआंधार खेल रही हैं।
- पहले चरण में टीमों के 200+ स्कोर बनाने के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं।
- तेज गेंदबाज पेस-ऑफ बॉल्स (धीमी गेंद) का इस्तेमाल ज्यादा कर रहे हैं।
- रन बनाने की तेजी में 7 से 10 ओवरों के बीच ज्यादा विकेट गिर रहे हैं।

निहाल नें जीता मेनोर्का मास्टर्स रैपिड शतरंज का खिताब

मेनोर्का। भारतीय शतरंज ग्रैंड मास्टर निहाल सरीन नें पाँचवें मेनोर्का मास्टर्स शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है , उन्होंने छह खिलाड़ियों के बीच हुए 10 राउंड के दोहरे राउंड रोबिन मुक़ाबले में 6 अंक बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया वहीं विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम चार बाज़ियों में 3 हार के चलते 4.5 अंक बनाकर चौंथे स्थान पर रहे । निहाल नें 10 बाज़ियों के दौरान चार बाजियाँ जीती जिसमें उन्होंने गुकेश के ख़िलाफ़ दोनों बाजियाँ जीती जबकि हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट और भारत के पेंटाला हरिकृष्णा के खिलाफ उन्होंने एक एक बाजी जीती , चार बाजियाँ ड्रा रही जबकि दो बाज़ियों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा । यूक्रेन के रुसलान पोनोमारियोव और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट 5.5 अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे , गुकेश नें चौंथे राउंड में हरिकृष्णा , छठे राउंड में डोमिंगेज के खिलाफ जीतकर रफ़्तार पकड़ी थी।

वीर चोटरानी हैम्बर्ग स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, अभय-रमित और जोशना हुए बाहर

नई दिल्ली। वीर चोटरानी ने पुरुषों के दूसरे राउंड में जर्मनी के आठवें सीड राफेल कंदरा को 3-0 से हराकर हैम्बर्ग ओपन स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह पीएसए कांस्य पदक स्तर का इवेंट है। इस भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से आखिर तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्हें 11-8, 11-7, 11-7 से जीत हासिल करने और आखिरी आठ में पहुंचने में सिर्फ 30 मिनट लगे। चोटरानी ने कंदरा को सीधे गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया। हालांकि, चोटरानी के हमवतन और पांचवें वरीयता प्राप्त अभय सिंह और सातवें वरीय रमित टंडन दूसरे राउंड में बाहर हो गए। सिंह इंग्लैंड के सैम टॉड से 9-11, 11-7, 4-11, 2-11 हारे। टंडन को हंगरी के बालाज फार्कास ने 10-12, 11-4, 5-11, 9-11 से हराया। सैम टॉड ने सिंह को हराने के लिए बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टॉड ने कहा, मुझे पता है कि अभय हाल ही में अच्छी फॉर्म में है, क्योंकि एल गौना में उसके कुछ अच्छे परिणाम आए थे और उसने इंडियन ओपन जीता था। मुझे पता था कि आज का मैच मुश्किल होगा और मैंने उसके साथ पोंटेफ्रैक्ट में जो मेरा क्लब है कुछ बार ट्रेनिंग की है, इसलिए मैं उसका गेम अच्छी तरह जानता हूं क्योंकि हम कुछ बार साथ में खेले हैं।

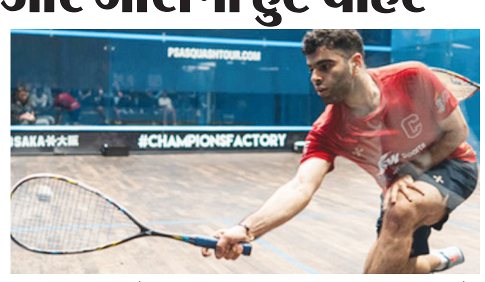

'टीम इंडिया में जल्द दिखेगा जलवा', वैभव की फैन हुई शेफाली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मशहूर एंकर शेफाली बग्गा ने उनके प्रदर्शन की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह जल्द ही भारत की टी20 टीम में जगह बना सकते हैं। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव ने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है और अब उन्हें टीम इंडिया के संभावित खिलाड़ियों में देखा जा रहा है।

आत्मविश्वास बनाता है खास'

शेफाली बग्गा ने वैभव की बल्लेबाजी शैली की तारीफ करते हुए कहा, 'वह बहुत क्लास के साथ खेलते हैं और गेंदबाजों पर हावी रहते हैं। हमने पिछले साल देखा कि उन्होंने शतक बनाकर सभी को प्रभावित किया।' उन्होंने यह भी बताया कि इतनी कम उम्र में जिस तरह वैभव बड़े गेंदबाजों का सामना कर रहे हैं, वह उनकी खासियत को दर्शाता है।

रिकॉर्ड्स से भरा करियर

बिहार से आने वाले वैभव ने बहुत कम उम्र में रणजी डेब्यू किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 58 गेंदों में शतक जड़ा और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए सबसे युवा खिलाड़ी और सबसे युवा शतकवीर बनने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। साथ ही, अंडर-19 वर्ल्ड कप में उन्होंने फाइनल में 175 रन की शानदार पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता।

आईपीएल तक का शानदार सफर

वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अंडर-19 स्तर पर उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। यहां तक कि उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज के खिलाफ भी बेखौफ बल्लेबाजी की, जो उनके आत्मविश्वास को दिखाता है।

आईपीएल बना प्रतिभाओं का मंच

शेफाली बग्गा ने आईपीएल को युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच बताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट लगातार नए सितारों को मौका दे रहा है। उन्होंने आयुष म्हात्रे, प्रफुल्ल हिंगे और प्रियांश आर्या जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट से निकलकर बड़ा मंच हासिल किया।

टी20 टीम में जगह बनाना तय

बग्गा ने दावा करते हुए कहा, 'वैभव सूरयवंशी जैसे कई खिलाड़ी हैं, लेकिन उसे खास बनाता है उसका माइंडसेट। मुझे लगता है कि इतनी कम उम्र में ही वह भारतीय टी20 टीम में जरूर नजर आएगा।'

तमिलनाडु चुनाव 2026 के बीच जब्ती 800 करोड़ के पार, 2021 के मुकाबले लगभग दोगुनी

चेन्नई , एजेंसी। तमिलनाडु में चल रहे चुनावी माहौल के अब तक करीब 800 करोड़ रुपए की नकदी, कीमती सामान और अवैध वस्तुएं जब्त की जा चुकी हैं। यह आंकड़ा 2021 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले लगभग दोगुना है। चुनाव विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, 2021 के चुनाव में 446.28 करोड़ रुपए के उपहार और कीमती धातुएं बिना वैध दस्तावेज के जब्त की गई थीं। इसके अलावा 236.70 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी भी पकड़ी गई थी। खास बात यह रही कि जब्त किए गए सामान में से

50 प्रतिशत से ज्यादा बाद में सही दस्तावेज दिखाने पर लोगों को वापस लौटा दिए गए थे। उस समय कुल जब्ती में केवल सोने की हिस्सेदारी ही 173.19 करोड़ रुपए की थी। वहीं, इस बार स्थिति और ज्यादा सख्त नजर आ रही है। बुधवार तक करीब 800 करोड़ रुपए की जब्ती हो चुकी है, जिसमें नकदी, आभूषण, नशीले पदार्थ और शराब शामिल हैं। अब तक 126.64 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी भी जब्त की गई है, जिसके पास वैध कागजात नहीं थे। यह पूरी कार्रवाई राज्यभर में तैनात फ्लाइंग स्क्वॉड, स्थिर निगरानी टीमों और आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा की जा रही है।

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में बड़ा फर्जीवाड़ा, चोरी पकड़ने वाले जेई को गंवानी पड़ी थी नौकरी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में चल रहे फीस धांधली, प्रोफेसर व

कर्मचारियों की नियुक्ति के मामले में रोजाना नए-नए फर्जीवाड़े सामने आ रहे हैं। एक ऐसा मामले सामने है जिसमें सूत्रों ने बताया कि चोरी पकड़वाने वाले इलेक्ट्रिशियन जेई को ही विश्वविद्यालय प्रशासन के दबाव में नौकरी छोड़नी पड़ गई थी और उसे दो साल बाद वेतन मिल पाया था। वहीं चोरी के मामले में आरोपित को प्रमोशन दे दिया गया था। बता दें कि जीबीयू के कुलपति रहे प्रो. रविंद्र कुमार सिन्हा के कार्यकाल में इलेक्ट्रिशियन जेई रहे कर्मचारी ने बताया कि उनके अंडर में पिंटू सेंगर नाम का एक कर्मचारी काम करता था, जिसने रविवार के दिन विभाग से स्क्रैप में बैट्री, तार के अलावा अन्य सामान बेच दिए थे। मामले की जानकारी उन्हें सोमवार को हुई तो उन्होंने उसकी जानकारी कुलपति प्रो. रविंद्र कुमार सिन्हा और कुलसचिव रहे डा. विश्वास त्रिपाठी से शिकायत की। शिकायत के बाद माल भी बरामद किया गया, लेकिन पिंटू सेंगर के खिलाफ उस वक्त कोई कार्रवाई किए जाने की बजाय उनके ऊपर ही उल्टा दबाव बनाया गया और उनको संविदा से आउटसोर्सिंग से कर दिया गया। वहीं पिंटू सेंगर को आउटसोर्सिंग से प्रमोशन देकर संविदा से कर दिया गया। उनके ऊपर विश्वविद्यालय प्रबंधन से काफी दबाव बनाया जाने लगा और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। इससे उन्होंने परेशान आकर नौकरी छोड़ दी थी। इस दौरान उन्हें वेतन भी नहीं मिला। काफी प्रयासों के बाद उनको दो वर्ष बाद वेतन मिल पाया था। सूत्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने करीब दो वर्ष बाद एक दूसरे मामले में पकड़े जाने पर नौकरी से बाहर कर दिया गया था। जानकारी के अनुसार उस दौरान ड्यूटी पर अगर 30 कर्मचारी रहते थे, तो रजिस्टर पर 40 लोगों की उपस्थिति दर्ज की जाती थी। इस तरह से भी लंबे समय तक फर्जीवाड़ा चला था। इसका भी विरोध करने पर एक कर्मचारी को नौकरी से हाथ धोना पड़ गया था। वहीं पूर्व कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी का कहना है कि हमारे कार्यकाल में पिंटू सेंगर के स्क्रैप बेचने का मामला सामने आया था।

अयोध्या में सुगम और विशिष्ट पास धारकों के लिए सप्त मंडपम के दर्शन का इंतजार बढ़ा

अयोध्या , एजेंसी। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर के सभी मंदिरों में दर्शन शुरू हो गया है। बीते दिनों की इस व्यवस्था में उत्तर के अलग-अलग दो प्रवेश द्वारों तथा रंगमहल बैरियर व राम गुलेला-अमावां राम मंदिर में विशिष्ट एवं सुगम पास धारकों का प्रवेश हो रहा है। सुगम व विशिष्ट पास धारकों के पास के लिए फिलहाल किसी नये साफ्टवेयर का प्रयोग नहीं हो रहा है बल्कि पुराने साफ्टवेयर से पास जारी किया जा रहा है। यही वजह है कि सुगम व विशिष्ट पास पर रामलला व राम परिवार दर्शन ही लिखा जा रहा है। यह अलग बात है कि 13 अप्रैल से सभी मंदिरों में दर्शन खोले जाने के बाद सुगम व विशिष्ट पास धारकों को परकोटे के सभी छह मंदिरों में अतिरिक्त रूप से दर्शन की अनुमति ऐच्छिक रुप से दे दी गयी है। फिर भी इन पास धारकों को शेषावतार, सप्त मंडपम व कुबेर नवरत्न टीला में कुबेरेश्वर महादेव के दर्शन का नाम तो कोई रास्ता निर्धारित किया गया है और न ही उन्हें इन स्थानों पर जाने की इजाजत है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा जिन्हें विशेष अनुमति दी जाती है, उन्हें ट्रस्ट के कार्यकर्ता गोल्फ कार्ट से राम मंदिर

के पश्चिम रास्ते से ले जाकर शेषावतार मंदिर पहुंचाते हैं। पुनः उन्हें पैदल घुमाकर दर्शन कराया जाता है। यह सुविधा सीमित वीवीआईपी के लिए ही है। शेष श्रद्धालु इससे वंचित हैं। खास बात यह है कि सुगम व विशिष्ट दर्शन पास की सुविधा भी आनलाइन है लेकिन यहां पास की संख्या काफी कम है जिसके कारण अधिकांश पास रेफरल होते हैं। जो कि ट्रस्ट के किसी पदाधिकारी की संस्तुति पर ही बनाए जा सकते हैं क्योंकि इन सभी रेफरल पास पर संस्तुति करने वाले पदाधिकारी के आईडी का विशेष कोड अंकित किया जाता है। तीर्थ क्षेत्र ने सामान्य दर्शन पास धारकों को आद्य गुरु रामानंदाचार्य प्रवेश द्वार से इंट्री के बाद बैगेज स्कैनर तक वीआईपी रास्ते का प्रयोग करने की अनुमति है। पुनः वह सभी आम श्रद्धालुओं के दर्शन मार्ग से ही रामलला का दर्शन करते हैं। यहां से दक्षिणी द्वार से उन्हें अपर प्लिंथ पर लाकर दक्षिणी तरफ बनाई गयी सीढ़ियों से राम परिवार का दर्शन कराया जाता है। इसके बाद उनकी वापसी भी आम श्रद्धालुओं के निर्धारित मार्ग से होती है। परकोटे के बाहर आने पर पास धारकों को दाहिने रास्ते से शेषावतार मंदिर व सप्त मंडपम समेत कुबेर नवरत्न टीला पर स्थित कुबेरेश्वर महादेव के दर्शन करने की अनुमति दी जाती है।

पश्चिम एशिया युद्ध की आंच गाजियाबाद तक... 195 सड़कों का काम प्रभावित

गाजियाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया युद्ध की आंच में नगर निगम और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की 195 सड़कों का काम प्रभावित हुआ है। नगर निगम का कहना है कि तारकोल (बिटुमेन) मिलना मुश्किल हो गया है। जो मिल रहा है वह महंगा है। कई सड़कों पर गड्ढों की वजह से परेशानी हो रही है। नगर निगम ने जब्त की गई पालिथीन से सड़कों पर पेंच वर्क करने की योजना बना रहा है। जिससे लोगों गड्ढामुक्त सड़कें मिल सकें। हालांकि इससे अभी सड़कों को बनाना संभव नहीं है। नगर निगम ने 85 सड़कों पर काम कराने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इन सड़कों की लंबाई लगभग 112 किलोमीटर है। इनमें सड़कों को गड्ढामुक्त, चौड़ीकरण और नये सिरे से बनाने का काम शामिल है। ठेकेदारों को पता नहीं था कि युद्ध की आंच सड़कों के निर्माण कार्य पर भी आ जाएगी। ऐसे में युद्ध शुरू होने के दौरान भी कई ठेकेदारों ने निगम से टेंडर ले लिए थे।

मासूमों की मौत पर दहला मणिपुर! हाथों में मशालें लिए सड़कों पर उतरे हजारों लोग, तीखी झड़प

रैली की शुरुआत और मुख्य मांगें

इंफाल , एजेंसी। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में हुए बम हमले के विरोध में हजारों लोगों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए एक विशाल मशाल रैली निकाली। इस बम विस्फोट में दो बच्चों की जान चली गई थी। अधिकारियों के अनुसार, इस विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली।

गुरुवार शाम करीब 7 बजे सिंगजामेई इलाके से हजारों की संख्या में लोगों ने हाथों में मशालें लेकर अपना मार्च शुरू किया। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग थी कि 7 अप्रैल को बिष्णुपुर जिले के त्रोंग्लाओबी में हुए बम ब्लास्ट के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि रैली के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और वहां तैनात जवानों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार भी किया। लगभग 2 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद यह रैली चिंगमथाक पहुंची, जो मुख्यमंत्री आवास, पुलिस मुख्यालय और लोक भवन से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है। चूंकि इलाके में निषेधाज्ञा लागू थी, इसलिए वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने भीड़ को वापस लौटने के लिए कहा। हालांकि, भारी भीड़ के आगे सुरक्षा बल संख्या में काफी कम थे, जिसके चलते दोनों पक्षों में टकराव शुरू हो गया। जैसे ही स्थिति तनावपूर्ण हुई, सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के कई गोले दागे और लाठीचार्ज का सहारा लिया। इसके जवाब में कुछ युवाओं ने सुरक्षा बलों पर कथित तौर पर पथराव किया, जिससे हालात और ज्यादा बिगड़ गए। इस हिंसक झड़प में कई लोगों के घायल होने की खबर है। आंसू गैस के धुएं के कारण सांस लेने में तकलीफ और मामूली चोटों के चलते कम से कम पांच लोगों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना पर एक अधिकारी ने बयान देते हुए कहा कि कुछ तत्व राज्य की मौजूदा स्थिति का फायदा उठाकर सरकार और सुरक्षा बलों के खिलाफ अपना एजेंडा चलाने की कोशिश कर रहे हैं। आपको बता दें कि त्रोंग्लाओबी बम हमले के बाद भड़की हिंसा के मद्देनजर इलाके में पहले से ही सख्त पाबंदियां लागू हैं। शाम 5 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक लोगों के घरों से बाहर निकलने पर पूरी तरह से रोक (कर्फ्यू) जारी है। इस बीच मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में गोलीबारी की घटना में शामिल होने के आरोप में सुरक्षा बलों ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गोलीबारी की इस घटना में आरएएफ का एक जवान घायल हो गया था। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दोनों आरोपियों को बुधवार को उस वक्त पकड़ा गया जब सुरक्षा बलों ने जिले में रेंगकाई इलाके में एक वाहन को रोका।

पुलिस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''आरोपी चुराचांदपुर जिले के सीलमत पुल पर सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी में शामिल थे जिसमें रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) का एक जवान गोली लगने से घायल हो गया था।'' गोलीबारी की घटना की जांच जारी है। मणिपुर में दो साल पहले जातीय हिंसा भड़कने के बाद से सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान जारी है। मई 2023 से मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय संघर्ष में 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

सपा सरकार ने पिछड़े मुस्लिमों को ओबीसी का लाभ नहीं दिया

महिला आरक्षण पर बीएसपी चीफ मायावती ने कांग्रेस और सपा पर जमकर साधा निशाना

लखनऊ, एजेंसी। महिला आरक्षण अधिनियम लागू होने के बाद सियासत तेज हो गई है। इसी कड़ी में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लंबा पोस्ट लिखकर भाजपा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कांग्रेस को 'गिरगिट' तक करार देते हुए उस पर दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के मुद्दों पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। मायावती ने कहा

कि देश के एससी, एसटी, ओबीसी समाज के संवैधानिक अधिकारों के मामले में कांग्रेस का रिकॉर्ड भरोसेमंद नहीं रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब केंद्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी, तब इन वर्गों को आरक्षण का पूरा लाभ दिलाने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई। आज महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस इन वर्गों की बात कर रही है, लेकिन यह उसकी राजनीतिक मजबूरी है। उन्होंने आगे कहा कि ओबीसी समाज को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 27 प्रतिशत आरक्षण वीपी सिंह की सरकार में लागू हुआ, जो बसपा के प्रयासों का परिणाम था।

बंधवाड़ी लैंडफिल में 28 घंटे बाद भी नहीं बुझी आग, कई जगहों से अभी भी धुआं निकल रहा

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित बंधवाड़ी लैंडफिल में लगी आग 28 घंटे बाद भी पूरी तरह नहीं बुझ सकी। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे कूड़े के ढेरों में लगी आग पर बृहस्पतिवार शाम सात बजे तक करीब 80 प्रतिशत काबू पा लिया गया, लेकिन कई स्थानों से धुआं लगातार सुलगता रहा। आग की तीव्रता भले कम हुई हो, लेकिन प्रदूषण और स्वास्थ्य पर खतरा बरकरार है। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की करीब दस गाड़ियां दिन-रात मौके पर डटी रहीं और लगातार पानी का छिड़काव किया गया। इसके साथ ही कूड़े के ढेरों को हटाने और अंदर सुलग रही आग तक पहुंचने के लिए भारी मशीनों का भी इस्तेमाल किया गया। नगर निगम के एक्सईएन संदीप सिहाग ने बताया कि आग पर लगभग काबू पा लिया गया है, लेकिन जहां-जहां धुआं निकल रहा है, उसे पूरी तरह खत्म करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि कचरा निस्तारण कर रही एजेंसियों को टेंडर शर्तों के अनुसार आग से बचाव के सभी जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। बंधवाड़ी लैंडफिल लंबे समय से पर्यावरणीय चिंताओं का केंद्र बना हुआ है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नगर निगम पर अब तक 6.3 करोड़ रुपये का पर्यावरण मुआवजा तय किया है। अप्रैल 2020 से हर महीने 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जा रहा है। यह कार्रवाई कचरा प्रबंधन में लापरवाही, पर्यावरण मानकों के उल्लंघन और लैंडफिल से फैलते प्रदूषण के चलते की गई है। लैंडफिल साइट पर आग लगने का मुख्य कारण कूड़े के ढेरों के नीचे बनने वाली मिथेन गैस है। जब यह गैस अधिक मात्रा में बनकर हवा के संपर्क में आती है तो आग लग जाती है। यही वजह है कि ऐसी आग को नियंत्रित करना बेहद मुश्किल हो जाता है और यह लंबे समय तक सुलगती रहती है। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि लैंडफिल साइट पर स्प्रिंकलर सहित आधुनिक फायर फाइटिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य है। आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड मदद कर सकती है, लेकिन प्राथमिक जिम्मेदारी साइट प्रबंधन और नगर निगम की ही होती है।

इज़रायल में मधुमक्खियों का आतंक... तेल अवीव में लगा 'लॉकडाउन'

तेल अवीव, एजेंसी। इज़रायल के तेल अवीव और आसपास के कई शहरों में अचानक हजारों मधुमक्खियों का बड़ा झुंड देखने को मिला। जिसके बाद लोगों में डर का माहौल बन गया। हालात इतने गंभीर हो गए कि स्थानीय प्रशासन को तुरंत अलर्ट जारी करना पड़ा और कुछ इलाकों में अस्थायी रूप से दुकानों, कैफे और शॉपिंग सेंटर को बंद कर दिया जिसके बाद अस्थायी लॉकडाउन जैसी स्थिति देखने को मिली।बता दें कि इजरायल में इन दिनों मधुमक्खियों का भयानक हमला देखा जा रहा है। तेल अवीव समेत कई शहरों में मधुमक्खियों के झुंड आसमान में छा गए। इतनी ज्यादा मधुमक्खियां हैं कि अधिकारियों को आपातकालीन चेतावनी जारी करनी पड़ी है। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी कि वे अपने घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें और मधुमक्खियों को किसी भी तरह से परेशान या नुकसान न पहुंचाएं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा गया कि मधुमक्खियों का विशाल झुंड इमारतों, गाड़ियों और बाजारों के आसपास मंडरा रहा है, जिससे लोगों में घबराहट फैल गई और पूरे शहर में अफता-तफरी मच गई।स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इमरजेंसी टीमें और ट्रेनड मधुमक्खी पालकों को मौके पर भेजा गया। इन टीमों ने मधुमक्खियों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर दूसरी जगह स्थानांतरित करने का काम शुरू किया।विशेषज्ञों के अनुसार, यह कोई हमला नहीं बल्कि मधुमक्खियों की प्राकृतिक प्रक्रिया हो सकती है, जिसे स्वार्मिंग कहा जाता है। इसमें मधुमक्खियों का एक बड़ा समूह अपनी पुरानी कॉलोनी छोड़कर नई रानी के साथ नया घर खोजने निकलता है। यह प्रक्रिया अक्सर तब होती है जब छत्ते में जगह कम हो जाती है या पर्यावरणीय परिस्थितियां बदलती हैं। वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि मौसम में बदलाव, फूलों की कमी या छत्ते के टूटने जैसी वजहें इस तरह के बड़े झुंड का कारण बन सकती हैं। हालांकि घटना से किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सोशल मीडिया पर इस घटना के वीडियो वायरल हो रहे हैं।

हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करे भारत

लश्कर-ए-तैयबा से हैं संबंध', इस्राली विदेश मंत्री का दावा

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा कि यरूशलम और नई दिल्ली के बीज संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंधों में सकारात्मक बदलाव दिख रहा है। गिदोन सार ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने एक वैश्विक प्रतिनिधिमंडल के साथ जानकारी साझा की। सार ने कहा कि उन्होंने कहा कि उन्हें दुनिया भर से आए सम्मानित हिंदू नेताओं के एक समूह को जानकारी देने का अवसर मिला। इस बातचीत में उन्होंने क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति और इस्राइल से जुड़े संघर्ष की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस्राइल पिछले ढाई साल से इस्लामी चरमपंथ के खिलाफ एक गंभीर युद्ध लड़ रहा है, जिसका लक्ष्य इस्राइल को खत्म करना है। उन्होंने इसे एक 'बहुत बड़ा खतरा' बताया। सार ने यह भी कहा कि इस्राइल ने कई मोर्चों पर बढ़त हासिल की है और उसने इस्लामी चरमपंथ के 'आतंकी नेटवर्क' को काफी कमजोर किया है, जिसका नेतृत्व ईरान करता है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष का असर पश्चिम एशिया से बाहर भी देखने को मिलेगा। भारत के साथ सुरक्षा सहयोग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को हमास को एक आतंकवादी संगठन घोषित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमास के संबंध अन्य चरमपंथी संगठनों से हैं, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) भी शामिल है। इस्राइली विदेश मंत्री ने कहा कि इस तरह के संगठनों के बीच वैश्विक स्तर पर जुड़ाव है और ये मिलकर काम करते हैं। इस्राइल पहले ही लश्कर-ए-तैयबा को आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है और वह चाहता है कि भारत भी हमास को उसी तरह सूचीबद्ध करे। इस्राइल के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत सरकार इन नेटवर्क और उनके संबंधों के

बारे में जानकारी रखती है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के आईआरजीसी, हमास और हिजबुल्ला जैसे संगठन अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क की मदद से हमले करते हैं। अधिकारी ने कहा कि आमतौर पर ईरानी एजेंट सीधे यूरोप में हमला नहीं करते, बल्कि वे किसी स्थानीय आपराधिक समूह के जरिये हमला करवाते हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि अगर भारत सिर्फ यह घोषणा भी करता है, तो इसका वैश्विक स्तर पर बड़ा असर होगा, क्योंकि बांग्लादेश, पाकिस्तान और मालदीव जैसे देश भारत के रुख को देखते हैं और उसी के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इससे यह संदेश जाएगा कि भारत की जमीन पर ऐसे किसी भी व्यक्ति को काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दक्षिणी लेबनान में 10 किमी का सुरक्षा जोन बनाए रखेगा इस्राइल

यरूशलम, एजेंसी। ईरान के मुद्दे पर नेतन्याहू ने दावा किया कि ट्रंप ने उन्हें भरोसा दिया है कि वे समुद्री नाकेबंदी जारी रखेंगे और ईरान की बची हुई परमाणु क्षमता को खत्म करने के लिए दृढ़ हैं। नेतन्याहू ने इन कदमों को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इससे आने वाले वर्षों में सुरक्षा और राजनीतिक स्थिति में बड़ा बदलाव आ सकता है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हिजबुल्ला के साथ युद्धविराम लागू होने के बाद भी इस्राइल दक्षिणी लेबनान में 10 किलोमीटर का सुरक्षा क्षेत्र बनाए रखेगा। उनका यह बयान उस समय आया जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम की घोषणा की। यह समझौता नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन के बीच हुआ है और इसे अमेरिकी पूर्वी समय के अनुसार शाम 5 बजे से लागू किया जाना है। नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने हिजबुल्ला की उस मांग को ठुकरा दिया, जिसमें इस्राइली सेना को अंतरराष्ट्रीय सीमा तक पीछे हटने के लिए कहा गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस्राइली सेना लेबनान के अंदर बनाए गए इस सुरक्षा क्षेत्र में ही तैनात रहेगी। उनका कहना है कि यह सुरक्षा क्षेत्र उत्तरी इस्राइल के इलाकों को हमलों और टैंक रोधी हथियारों से बचाने में मदद करेगा। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि लेबनान के साथ एक ऐतिहासिक शांति समझौता करने का मौका है। उन्होंने बताया कि ट्रंप इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए उन्हें और लेबनान के राष्ट्रपति को बातचीत के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं। नेतन्याहू के अनुसार, यह मौका इसलिए बना है क्योंकि इस्राइल ने लेबनान में ताकत का संतुलन अपने पक्ष में बदल दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले एक महीने में लेबनान की ओर से सीधे शांति वार्ता के संकेत मिले हैं। उन्होंने बताया कि इन बातचीतों में इस्राइल की दो मुख्य शर्तें होंगी- पहली, हिजबुल्ला को पूरी तरह हथियार छोड़ने होंगे, और दूसरी, एक स्थायी शांति समझौता होना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय बचाव समिति (आईआरसी) ने इस्राइल-लेबनान युद्धविराम की घोषणा का स्वागत करते हुए इसे 'उन नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और लंबे समय से प्रतीक्षित राहत' बताया है, जिन्होंने हफ्तों तक लगातार हिंसा झेली है। संगठन ने अपने बयान में कहा कि लेबनान में 2,100 से अधिक लोग मारे गए हैं, हजारों लोग घायल हुए हैं और दस लाख

से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। संगठन ने बयान में कहा, 'इस युद्धविराम का उपयोग नागरिकों की सुरक्षा, निरंतर मानवीय सहायता सुनिश्चित करने और स्थायी शांति की नींव रखने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में किया जाना चाहिए।' संगठन ने सभी पक्षों से संयम बरतने और ऐसे राजनीतिक मार्ग पर चलने का आग्रह किया जो आगे और जानमाल के नुकसान को रोके और संघर्ष के मूल कारणों का समाधान करे। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता टॉमी पिगोट ने बताया कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान के साथ युद्धविराम को लेकर आगे के कदमों पर चर्चा करने के लिए ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर से बात की। दोनों पक्षों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने की तत्काल आवश्यकता पर चर्चा की ताकि वाणिज्यिक जहाज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजर सकें और ऊर्जा आपूर्ति वैश्विक बाजारों तक पहुंच सके। वॉशिंगटन और तेहरान के बीच हुआ युद्धविराम 22 अप्रैल को समाप्त होने वाला है। अमेरिका की तरफ से इस्राइल-लेबनान में युद्धविराम के बाद शांति वार्ता की मेजबानी के प्रस्ताव पर कई गुटों में मतभेद है। कुछ लोग इसे वार्ता की दिशा में एक कदम के रूप में देखते हैं, जिससे पिछले छह हफ्तों के युद्ध से तबाह हुए देश में स्थायी शांति स्थापित हो सकती है। लेकिन कई अन्य लोग, ठीक इसी कारण से, इसे बेहद चिंताजनक मानते हैं - यह विचार कि उनके राष्ट्रपति इजरायल के साथ बातचीत करने के लिए बैठेंगे। और यह 10 दिवसीय युद्धविराम वास्तव में इसके संभव होने के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह लेबनानी संसद के बेहद प्रभावशाली अध्यक्ष नबीह बेरी की एक प्रमुख शर्त थी। वह देश के सबसे वरिष्ठ शिया राजनेता हैं, और उन्होंने लंबे समय से यह कहा था कि गोलीबारी के बीच कोई बातचीत नहीं होनी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,